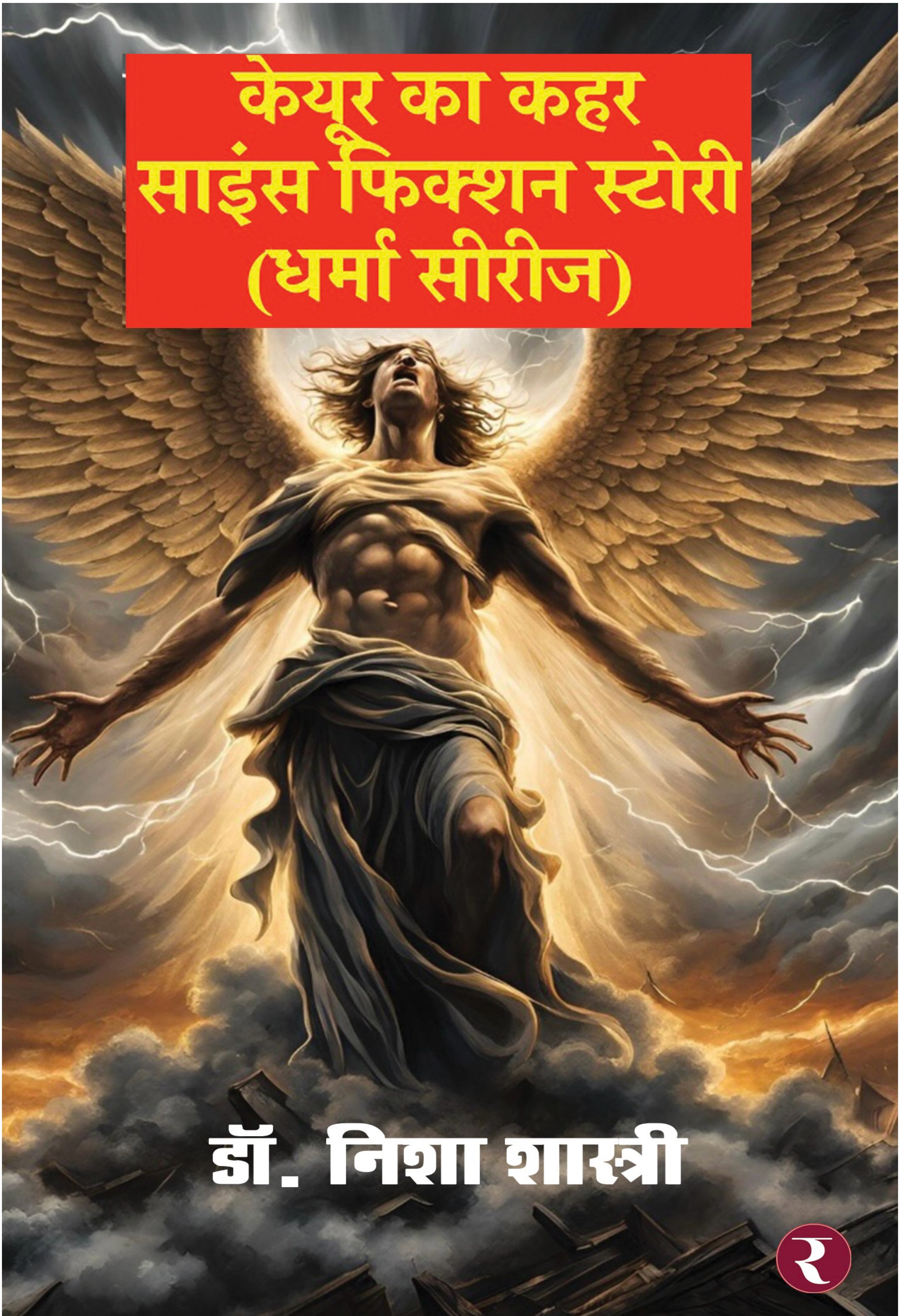


केयूर का कहर
साइंस फिक्शन स्टोरी
(धर्मा सीरीज)

डॉ. निशा शास्त्री

केयूर का कहर

साइंस फिक्शन स्टोरी

(धर्मा सीरीज)

डॉ. निशा शास्त्री

राजमंगल प्रकाशन

An Imprint of **Rajmangal Publishers**

ISBN: **978-9348578983**

Published by:

Rajmangal Publishers

Rajmangal Prakashan Building,
1st Street, Ozone, Quarsi, Ramghat Road
Aligarh-202001, (UP) INDIA
Cont. No. +91- 7017993445
www.rajmangalpublishers.com
rajmangalpublishers@gmail.com
sampadak@rajmangalpublishers.in

प्रथम संस्करण: दिसम्बर 2024 – पेपरबैक

प्रकाशक: **राजमंगल प्रकाशन**

राजमंगल प्रकाशन बिल्डिंग, 1st स्ट्रीट,

ओजोन, क्वार्सी, रामघाट रोड,

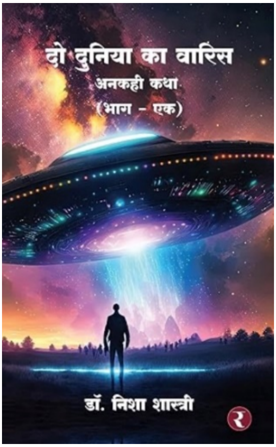
अलीगढ़, उप्र. – 202001, भारत

फ़ोन : +91 - 7017993445

First Published: Dec. 2024 - Paperback
Printed by : Repro India LTD & Manipal Tech LTD
eBook by: Rajmangal ePublishers (Digital Publishing Division)

अनुक्रमाणिका

डॉ निशा शास्त्री के अन्य नावेल

	**दो दुनिया का वारिस – अनकही कथा (भाग एक)**
	**दी इंटर्न - थ्रिलर मर्डर मिस्ट्री – (सब कुछ किसी कारण से होता है)**

लेखिका के कलम से

हेलो दोस्तों। मुझे बहुत ही हर्ष ओर सम्मान हो रहा है ये बताने में कि मुझे दिल्ली वायर ने Top 50 Most Influential Authors, 2024[1] घोषित किया है। साथ ही मेरे साइंस फिक्शन नावेल धर्मा सीरीज कि Child of Two Worlds – The Saga Untold को mid-day (mumbai edition) अखबार ने मस्ट रीड साइंस फिक्शन बताया।[2]

आप सब के प्यार ने मुझे प्रेरित किया है कि मैं आपके लिए एक और साइंस फिक्शन और फंतासी कहानी लेकर उपस्थित होऊं। इसलिए धर्मा सीरीज की एक और कहानी मैं आपके समक्ष लेकर उपस्थित हुई हूँ, जो Xor और इरीट्रिया के प्रथम युद्ध से पहले इरीट्रिया में घटित घटना पर आधारित है।

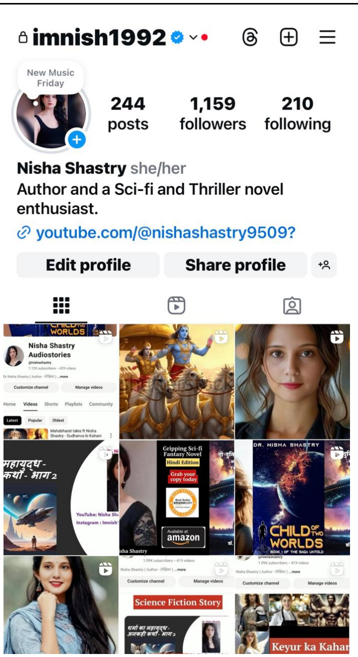
इस कहानी में आप जानेंगे कैसे और क्यों एक परम भक्त तेजस एक क्रूर अपराधी बन गया और अपने ही घर में शरण में रह रही स्त्री का मान भंग करके उसके वीडियो को वायरल कर उसने पूरे समाज में आग लगा दी। चारों तरफ दंगे और कत्लेआम करवा दिए।

आखिर क्यों तेजस ऐसे अपराध में सलिंप्त हुआ? एक अनोखी साइंस फिक्शन फंतासी कहानी जो धर्मा सीरीज से कनेक्टेड है और बताती है इरीट्रिया में ऐसा क्या हुआ कि Xor के शासक राल्फ को इरीट्रिया की भनक लग गयी।

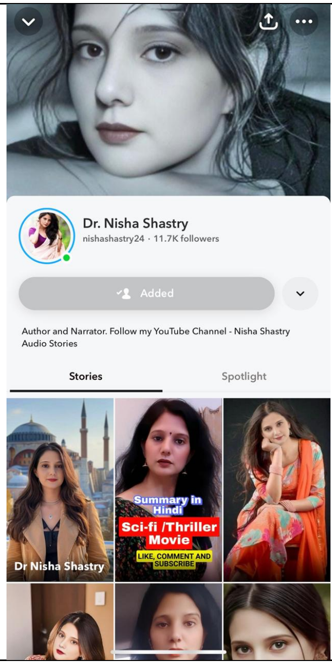
पूर्व की भांति मैंने इस कहानी में भी हिंगलिश का प्रयोग करने की स्वतंत्रता ले ली है। आशा करती हूँ आपको मेरा ये प्रयास पसंद आएगा। आपके

[1] https://www.delhiwire.com/top-50-most-influential-authors-of-2024/10878/
[2] https://www.mid-day.com/buzz/article/love-reading-discover-indias-diverse-literary-voices-and-their-work-2283

सुझाव आप मुझे इंस्टाग्राम imnish1992 या मेरे स्नैपचैट nishashastry24 पर भेज सकते है। थैंक यू।



Instagram



Snapchat

फोटो झांकी

NEWS ENTERTAINMENT LIFESTYLE TECH VIRAL POLITICS BUSINESS REVIEWS

BOOKS & AUTHORS

Top 50 Most Influential Authors of 2024.

Published 2 weeks ago on November 20, 2024
By **Delhi Wire**



Hello, book lovers and story enthusiasts! It's time to turn the page on another chapter of celebrating extraordinary literary talent. Welcome to the "Top 50 Most Influential Authors of 2024," an annual tradition that highlights the incredible writers who have shaped our reading experiences and inspired us with their words.

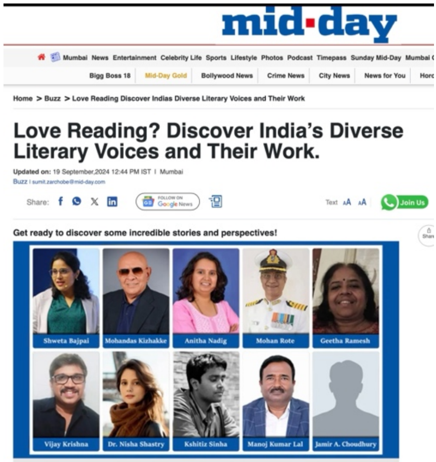
This is our fourth year hosting this event, and each year, the excitement only grows as we



36. **Suhanaa Setty** Author of Invisible Hands of the Indian Economy.
37. **Dr. Nalini V. Dave** Author of Message of Bhagvad Geeta to the Youth.
38. **Dr. Nisha Shastry** Author of The Intern.
39. **Bhannu Arora** Author of INK and EMOTIONS.
40. **Taraprasad Mishra** Author of Fallen Leaves.



41. **Rachna Gehlot** Author of The Divine Millets.
42. **Hemant Niroula** Author of Reimagining Our Mountains.
43. **Dinakar Krishna Murthy** Author of The Prosperity doHow.
44. **Raj CN Thiagarajan** Author of Play Innovation.
45. **Sanjay Mehrotra** Author of Everyone is a Salesperson.


mid-day

Mumbai News Entertainment Celebrity Life Sports Lifestyle Photos Podcast Timepass Sunday Mid-Day

Bigg Boss 18 | Mid-Day Gold | Bollywood News | Crime News | City News | News for You

Home > Buzz > Love Reading Discover Indias Diverse Literary Voices and Their Work

Love Reading? Discover India's Diverse Literary Voices and Their Work.

Updated on: 19 September,2024 12:44 PM IST | Mumbai

Buzz | sumit.zarchobe@mid-day.com

Share:

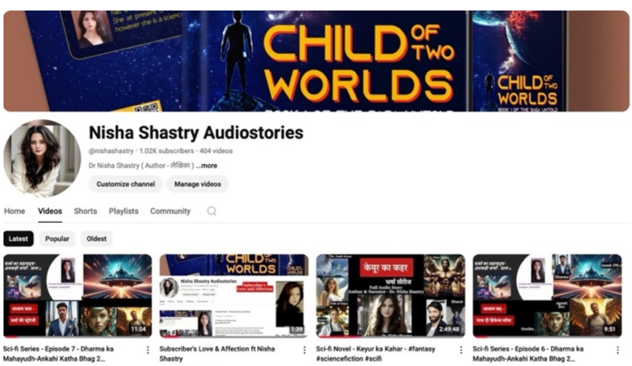
Get ready to discover some incredible stories and perspectives!

Shweta Bajpai | Mohandas Kizhakke | Anitha Nadig | Mohan Rote | Geetha Ramesh

Vijay Krishna | Dr. Nisha Shastry | Kshitiz Sinha | Manoj Kumar Lal | Jamir A. Choudhury

Dr. Nisha Shastry

Dr. Nisha Shastry, a passionate sci-fi writer and IT professional, immerses herself in the world of space fantasy. Her latest book, Child of Two Worlds – The Saga Untold, takes readers on an epic journey through the interstellar conflicts of the Xorian Empire and the Merkel race. Perfect for fans of space opera and futuristic battles, this book offers a thrilling blend of science fiction and drama. If you're intrigued by interplanetary warfare and imaginative sci-fi worlds, this is a must-read that will ignite your sense of wonder.



Youtube- Nisha Shastry Audiostories
Audiostory of this novel also availabe

शब्दार्थ और चरित्र परिचय

तेजस	एक ऐंजलन था जो सबसे तेज उड़ सकता था और तकरीबन पांच सो किलो वजनी था और बहुत ही ताकतवर।
इरीट्रिया	एक गृह जिस पर चार अलग अलग प्रजाति रहती है। ऐंजलन, एक्वियन, फ्लेशी और सेन्टॉरस।
ऐंजलन	एक ऐसे प्रजाति जिसके चार हाथ है और दो बहुत ही ताकतवर पंख। वो बहुत तेज गति से उड़ सकते थे। सामान्यतः वो तीन सो पचास से चार सो किलो वजनी होते थे और बारह से तेरह फ़ीट ऊँचे होते थे। इरीट्रिया के दो बड़े देशों अल्फा हेप्टेड और बीटा हेप्टेड में अधिकतर ऐंजलन प्रजाति के लोग रहते थे। इन्ही ऐंजलन में से एक था तेजस जो इनमे सबसे ताकतवर था।
एक्वियन	आधे मछली आधे मनुष्य ये लोग अधिकतर गहरे समुद्र के तलों पर रहते थे। ये भी सामान्यतः तीन सो से चार सो किलो वजनी होते थे और ग्यारह से बारह फ़ीट की लम्बाई रखते थे।
सेन्टॉरस	आधे अश्व और आधे मनुष्य, तकरीबन तीन सो किलो वजनी और बहुत ही तेज गति से भाग सकते थे। ये लोग अधिकतर सेना के नीचले सिपाही हुआ करते थे।
फ्लेशी	ये पृथ्वी के मनुष्यों के समान थे और ज़्यादातर सत्तर से अस्सी किलो के होते थे और छह से सात फ़ीट के होते थे। अधिकतर लोग गरीब और समाज के सबसे निम्न तबके से थे। इन्हें अधिकतर बहुत ही छोटे पदों और

	ऐसे कामों में लगाया जाता था जिसे बाकि सभी लोग निकृष्ट मानते थे।
स्वप्रिल	एक फ्लेशी जिसने तेजस को चुनौती दी।
बोफ	एक ऐसा धर्म जिसमे अधिकतर फ्लेशी मानते थे और इस धर्म के अनुसार मूर्ति पूजा पाप था और फ्लेशी लोगों को एक राकेट बना कर अंतरिक्ष में भेजना था ताकि सन आफ गॉड उसमे बैठ कर इरीट्रिया आ सके।
केयूर	वो भगवान् जिसकी पूजा ऐंजलन, सेन्टॉरस और एक्वियन करते थे। उनके अनेकों मंदिर थे। सबसे पवित्र और प्रतिष्ठित मंदिर था केयूर का गति मंदिर। जहाँ केयूर की प्राण प्रतिष्ठित मूर्ति मौजूद थी।
भरत	अल्फा हेप्टेड का सत्रप। यानि वहां का चुना हुआ राष्ट्रपति। वो एक ऐंजलन था।
अल्फा हेप्टेड	इरीट्रिया गृह पर एक देश जहाँ अधिकतर ऐंजलन रहते थे और जहाँ उनकी चुनी हुई सरकार थी। यहाँ के लोग ज्यादा कट्टर थे।
बीटा हेप्टेड	इरीट्रिया गृह का एक और देश वहां भी बहुत से ऐंजलन थे और उन्ही का शासन था परन्तु वो अल्फा हेप्टेड के लोगों जितने कट्टर नहीं थे।
सर्न शहर	अल्फा हेप्टेड देश की राजधानी और वो शहर जहाँ ये पूरी कहानी केंद्रित हैं।
डॉक्टर नादिर औरक्षो	एक फ्लेशी साइंटिस्ट जिसने सुपर राकेट डायना बनाने का प्रयास किया जिसके लिए उसे केयूर के गति मंदिर की मूर्ति चाहिए।
डायना	वो सुपर राकेट जो प्रकाश गति से बहुत तेज उड़ सकता है और जिसने राल्फ को इरीट्रिया का पता बताया।

राल्फ	Xor साम्राज्य का एक नेता और हथियार बनाने वाली कंपनी का मालिक जो Xor का सुप्रीम कमांडर बनना चाहता था।
अंजनी	एक फ्लेशी नौकरानी जो तेजस के घर पर काम करती थी और जिसके साथ तेजस ने बेहद क्रूर दुष्कर्म किया। जिसके प्रतिशोध के कारण ही केयूर के कहर का सामना पूरे इरीट्रिया गृह को करना पड़ा।

अध्याय एक – केयूर का मंदिर

अंतरिक्ष एक अनंत पहेली और जिसे आज तक कोई भी समझ नहीं पाया था। शायद ही इस अनंत और असीमित दुनिया में कोई सभ्यता हो जिसे अंतरिक्ष और इस ब्रह्माण्ड के रहस्यों का पूरा ज्ञान हो। परन्तु एक बात जो शायद सभी बुद्धिमान जीवों को पता है वो ये कि अंतरिक्ष में सब कुछ गतिमान है। कोई भी वस्तु स्थिर नहीं है। ब्रह्माण्ड और उसके आकाशीय पिंड सतत घूमते रहते है।

इसी गति का देवता है केयूर। केयूर की पूजा इरीट्रिया के अधिकतर लोग इसलिए ही करते थे क्योंकि वो ही इस गति का स्वामी और चालक था। केयूर के पूरी इरीट्रिया में अनेकों मंदिर थे, कई समुद्रतल पर गहरे समुन्द्र के अंदर, कई बड़ी बड़ी दुर्भर पहाड़ियों पर, परन्तु उन सबमे सबसे ज्यादा प्रसिद्द था अल्फा हेप्टेड देश की राजधानी सर्न शहर में स्थित केयूर - गति मंदिर। यहाँ की मूर्ति ना सिर्फ 2500 (ढ़ाई हजार) किलो वजनी और चार फुट लम्बी थी अपितु चमत्कारी थी। उसके महागुरु पुजारी का मानना था कि उनके पूर्वजों ने वहां केयूर की प्राण प्रतिष्ठा कर दी थी और केयूर वहां साक्षात् मौजूद थे।

वो काली मूर्ति बहुत ही आकर्षक थी और जो कोई भी उसे एक बार देख ले केयूर का भक्त हो जाता था। लोगों की अनेकों मुरादों को इस मंदिर ने पूरा कर दिया था। ये मंदिर शायद सबसे अमीर स्थानों में से एक हो जाता परन्तु महागुरु पुजारी ने अपने पूर्वजों के संस्कारों और रीतियों को मानते हुए किसी भी प्रकार की भेंट या चढ़ावे के लिए लोगों को मना कर रखा था। केयूर सिर्फ लोगों के मन की भावना देखते हैं, भौतिक सांसारिक मोह माया नहीं।

इतने प्रभावशाली मंदिर में जहाँ पूरी इरीट्रिया[3] ग्रह से बहुत से ऐंजलन, एक्वियन और सेन्टॉरस श्रद्धा भाव से बड़ी मात्रा में आते थे, वहीं फ्लेशी प्रजाति के लोग केयूर में नहीं मानते थे। उनके धर्म बोफ में केयूर को मात्र काला पत्थर माना जाता था। कई बार महागुरु पुज़ारी ने शास्त्रार्थ कर उन मूढ़ फ्लेशी लोगों को समझाने की कोशिश भी की थी कि केयूर ने ही इस अंतरिक्ष को गतिमान कर रखा था, परन्तु वो फ्लेशी अपनी उस शैतानी किताब में जो लिखा था उससे इतर कुछ भी सुनने को तैयार नहीं होते थे।

रात का घोर अँधेरा था परन्तु फिर भी तेजस की निगाहों से कुछ नहीं बच सकता था। वो उस प्राचीन मंदिर का रक्षक था और उसे इस बात का बड़ा अभिमान था कि केयूर ने उसे ये जिम्मेदारी दी थी। वैसे महागुरु पुज़ारी तो नहीं चाहते थे कि इस मंदिर की रक्षा के लिए कोई भी तैनात हो, परन्तु अल्फा हेप्टेड के सत्रप भरत ने अपने सबसे ताकतवर और विश्वासी दोस्त को ये जिम्मेदारी दे रखी थी।

तेजस रात भर मंदिर के चारों ओर तेज गति से चक्कर लगाता रहता। तेजस की आँखे बहुत तेज थी और वो घुप अँधेरे में भी सब कुछ साफ़ साफ़ देख सकता था। तेजस दिन में कुछ छह से आठ घंटे आराम करता जब महामहिम सत्रप भरत के कहने पर लोकल पुलिस मंदिर में रहती और व्यवस्था देखती, और रात में जब मंदिर के पट बंद हो जाते थे तब तेजस मंदिर की रक्षा करता था।

तेजस के पास पञ्चास्त्र नामक एक ऐसा घातक हथियार भी था जो पांच अलग अलग टार्गेट्स को एक साथ नष्ट कर सकता था। कई तुच्छ फ्लेशी संगठन ने कितनी ही बार केयूर की मूर्ति को चुराने का प्रयास किया था और वो

---

[3] इरीट्रिया ग्रह के लोग इस प्लेनेट को कोई नाम नहीं देते थे। हालाँकि इस कथानक में इरीट्रिया का प्रयोग किया गया है ताकि पाठकों को इस ग्रह के बारे में बताया जा सके। पहली बार इरीट्रिया का नामकरण एडमिरेर ने किया था। जानने के लिए पढ़िए दो दुनिया का वारिस - अनकही कथा - भाग एक। अमेज़न पर उपलब्ध।

तेजस के पञ्चास्त्र के शिकार हो चुके थे। तेजस के रहते किसी भी फ्लेशी का केयूर के गर्भ गृह में पहुंचना असम्भव था।

फिर भी आज तीन फ्लेशी लोगों ने इस दुस्साहस को करने का फिर से प्रयास किया था। अंगद, हरजोत और कंजा धीरे धीरे अपने प्लान के मुताबिक रात के उस घुप अँधेरे का फायदा उठा कर आगे बढ़ रहे थे।

'तुम्हारी पोजीशन क्या है कंजा' अंगद ने फुसफुसाते हुए अपनी कलाई पर बंधे आल इन वन डिवाइस पर बोला।

'मैं मंदिर के बांयी ओर ऑन पोजीशन हूँ। तुम्हारे इशारे पर में अंदर जाऊंगा।' कंजा अपनी रिस्ट डिवाइस पर बोला।

'गुड' अंगद बोला। उसने फिर दूसरा कनेक्शन मिलाया और बोला 'हरजोत पोजीशन बताओ'

'मैं दांयी ओर ऑन पोजीशन हूँ।' हरजोत बोला।

'गुड। तुम दोनों ने पैराशूट बैग पहन लिए।' अंगद बोला।

'यस' दोनों ने जवाब दिया। वो तीनो अब उस कम्यूनिकेटर डिवाइस पर एक साथ कनेक्ट हो गए थे।

अंगद ने उन दोनों को म्यूट किया और अपने एक और साथी को कनेक्ट किया।

'स्वप्निल बी रेडी - एक्शन टाइम (be ready – action time)'

'आई ऍम रेडी (I am ready)' स्वप्रिल ने कम्युनिकेशन डिवाइस पर जवाब दिया।

अंगद ने फिर उन दोनों हरजोत और कंजा को अनम्यूट किया और कहा, 'तुम दोनों ने बुलेट प्रूफ वेस्ट पहन लिए।'

'यस' दोनों ने फिर एक साथ कहा।

'और तुम दोनों के पास एंटी ग्रेविटी ग्रेपलर रेडी है'

'मेरे पास है अंगद', हरजोत बोला।

'सॉरी अंगद। हम एक ही ग्रेपलर अफ़्फोर्ड कर सकते थे।' कंजा बोला।

अंगद समझ गया था कि वो लोग एक ही ग्रेपलर लेकर आये थे। ये बहुत ही ज्यादा रिस्की था। 'फ्रेंड्स हमे बहुत सावधान रहना पड़ेगा। यदि हमारे पास एक ही ग्रेपलर है तो इसका मतलब उस ढाई हज़ार (2500) किलो वजनी मूर्ति को केवल हरजोत ही उठा सकता है।'

वो दोनों चुप ही रहे। उन्हें पता था कि बिना एंटी ग्रेविटी ग्रेपलर की मदद के वो अति वजनी मूर्ति नहीं उठाई जा सकती थी। हरजोत को यदि कुछ हो गया और वो यदि ग्रेपलर किसी को दे नहीं पाया तो वो लोग इस मूर्ति को नहीं चुरा पाएंगे।

ये मिशन अब हरजोत पर ही निर्भर करता था। अंगद ने मन ही मन कुछ बहुत खतरनाक सोच लिया था।

&

अध्याय दो – सबसे बड़ी चोरी

तेजस को रात के अँधेरे में बहुत दूर तक और साफ़ देखने का अनुभव था। वो अल्फा हेप्टेड में ही नहीं अपितु पूरे इरीट्रिया ग्रह का सबसे सम्मानित सिपाही था। उसकी गति बाकि सभी ऐंजलन से तेज थी, उसकी निगाहें तेज और उसके पञ्चास्त्र से घातक कोई भी हैंडहेल्ड अस्त्र पूरे इरीट्रिया ग्रह पर नहीं था। तेजस का सम्मान मार्शल रेस एक्वियन और सेन्टॉरस भी करती थी। वो अकेला ही एक छोटी मोटी सेना को संभाल सकता था। महामहिम भरत उसकी प्रतिभा के कायल थे और और यदि तेजस चाहता तो अल्फा हेप्टेड मिलिट्री में बड़ी पोस्ट पर होता।

परन्तु वो केयूर का परम भक्त था और उसे मिलिट्री में कोई बड़ी पोस्ट नहीं चाहिए थे। वो केयूर की सेवा ही करना चाहता था और रोज केयूर की उस आकर्षक और ब्रह्माण्ड की एकमेव मूर्ति को पास से देखना ही उसके जीवन का एक मात्र उद्देश्य था।

तेजस ने मंदिर के बाहर अपनी उड़ान का चक्कर पूरा किया और उसे अचानक कुछ अजीब सा लगा। 'क्या वहां कोई है' तेजस ने मन ही मन सोचा। मंदिर के बांयी ओर थोड़ी झाड़ियां थी और वहां तेजस को लगा कि कोई छुपने की कोशिश कर रहा था। तेजस ने अपने आप को स्थिर किया और हवा में उड़ता हुआ उसने मंदिर की बांयी ओर थोड़ा जोर लगा कर देखने का प्रयास किया। वो मंदिर से तकरीबन एक हजार फुट ऊपर उड़ रहा था।

'तेजस स्टोप्पड़ मूविंग (Tejas Stopped Moving)' स्वप्निल ने अपने गुप्त स्थान से अंगद को मैसेज किया। अंगद के कलाई पर बंधे कम्यूनिकेटर डिवाइस पर वो मैसेज आ गया।

अंगद ने फॉरेन ही रिप्लाई टाइप किया, 'एस एक्सपेक्टेड (as expected)'।

'हरजोत बी रेडी (be ready)' अंगद ने हरजोत को बोला। उसको हरजोत और कंजा दोनों सुन रहे थे।

कंजा ने फिर बहुत तेजी से मंदिर की बांयी ओर से अंदर जाने का प्रयास किया। अब तेजस को उसकी हलचल दिख गयी और उसने अपना पञ्चास्त्र निकाल लिया। 'ये तुच्छ फ्लेशी कभी नहीं मानेंगे। यदि महापुजारी आदेश करें तो मैं इन फ्लेशी लोगों को जड़ मूल से ही ख़त्म कर दूँ। ये सपोले मुझे बिलकुल पसंद नहीं।' तेजस मन ही मन बोलता हुआ तेजी से उस स्थान की तरफ चला गया जहाँ कंजा का मूवमेंट था।

हरजोत को इसी क्षण की प्रतीक्षा थी। उसने अपनी ऑटोमेटेड गन निकाली और तेजी से मंदिर के ऊपरी दिवार की पैरापेट वाल (parapet wall) को निशाना बनाते हुए फायर किया। एक रस्सी उसकी गन में से निकली और उसके आगे एक ऐंकर था जो दिवार पर जाकर उसकी पैरापेट से लग कर अटक गया। हरजोत ने रस्सी को झटका दिया। उसने ये सुनिश्चित कर लिया था कि रस्सी अच्छे से उस दिवार पर अटक गयी थी। वो किसी ट्रेंड मिलिट्री पर्सन की तरह दिवार पर उस रस्सी को पकड़ कर ऊपर चढ़ने लगा।

अंगद जो केंद्र में स्थित था उसने मंदिर की पहली, दूसरी और तीसरी मंजिल पर दाहिनी तरफ तैनात सिपाहियों को अपनी हाई प्रिसिजन स्नाइपर राइफल से मौत के घाट उतार दिया। वो लोग ये समझ नहीं पाए कि कब और कहाँ से गोली आयी और उन्हें मौत के घाट उतार कर चली गयी। उस राइफल ने बिना आवाज किये ही उन लोगों की इह लीला को समाप्त कर दिया।

वैसे तो तेजस और मंदिर में महागुरु पुजारी दोनों ने ही किसी भी प्रकार के सिपाहियों की तैनाती के लिए मना ही किया था परन्तु सत्रप भरत ने कुछ सिपाही रात में भी उस मंदिर में छोड़ दिए थे। हालाँकि भरत को भी पता था कि तेजस ही है जो किसी भी हमले या चोरी के प्रयास को नाकाम करेगा और वो सिपाही कुछ ज्यादा काम नहीं आएंगे। फिर भी भरत ने कुछ सिपाहियों को वहां रख छोड़ा था।

उनमे से कुछ बेचारे आज आखिरी सांस ले चुके थे। पहले भी केयूर के इस प्राचीन और सबसे वैभवशाली मंदिर पर हमले हो चुके थे परन्तु इस बार चोर बहुत ही उन्नत टेक्निक के हथियार ले कर आये थे। उन्हें ये चोरी किसी भी कीमत पर करनी थी।

वैसे तो फ्लेशी लोगों ने कई छोटे छोटे मंदिरों में मूर्तियों को चुराया था क्योंकि वो लोग मूर्ति पूजा के खिलाफ थे परन्तु केयूर की इस प्राण प्रतिष्ठित मूर्ति को चुराने का प्रयास उन लोगों ने पहले कभी इतनी शिद्दत से नहीं किया था। अभी पिछले कुछ समय पहले भी उन लोगों ने इस दुस्साहस को अंजाम देने का असफल प्रयास किया था और कितने ही फ्लेशी चोर पञ्चास्त्र का शिकार हो चुके थे।

तेजस ने आज ठान लिया था कि इन फ्लेशी चोरो को वो आसानी से पञ्चास्त्र की सम्मानजनक मौत नहीं देगा। उन्हें तड़पा तड़पा कर उनका वीडियो बना कर ऐसी मौत देगा जिससे बाकि सभी फ्लेशी ये समझ जाएँ कि केयूर को परेशान करने का ये प्रयास उनका आखरी प्रयास होना चाहिए। वैसे तेजस को नहीं पता था कि ये प्रयास आखरी प्रयास ही था।

तेजस ने कंजा को अपने हाथों में उठा लिया और तेजी से हवा में डेढ़ हजार फ़ीट तक उड़ गया। कंजा एक सत्तर किलो वजनी फ्लेशी व्यस्क पुरुष था

परन्तु तेजस जो पांच सो किलो वजनी था और सो से स्वा सो किलो वजन आराम से उठा के बहुत दूर तक उड़ सकता था उसके लिए कंजा को ऐसे हवा में उड़ा कर ले जाना कोई मुश्किल काम नहीं था।

'मुझे माफ़ कर दो महान तेजस। मुझसे गलती हो गयी।' कंजा ने गिड़गिड़ाते हुए कहा। उसे पता था कि तेजस उसे अब जिन्दा नहीं छोड़ेगा।

'वो तो तुझे ये दुस्साहस करने से पहले सोचना चाहिए था' तेजस ने एक खूंखार हसी भरी।

तेजस ने और ऊँची उड़ान भरी और वो अब तकरीबन ढ़ाई हजार फुट तक ऊपर उड़ गया। कंजा उसके एक हाथ में कसमसा रहा था। तेजस ने अपने दूसरे हाथ से तीसरे हाथ में बंधे कम्यूनिकेटर डिवाइस का बटन दबाया और वीडियो रिकॉर्डिंग चालू हो गयी। कंजा का भयभीत चेहरा उस रिकॉर्डिंग में साफ़ साफ़ रिकॉर्ड हो रहा था।

तेजस कंजा को अपने चौथे हाथ से दो हिस्सों में चीरने वाला था तभी, उसने कंजा के चेहरे पर एक अजीब सा सुकून देखा। तेजस समझ गया और उसने कंजा को कस कर एक थप्पड़ मारा।

'तू वाकई में दुस्साहसी है। परन्तु तेरी एक्टिंग कच्ची है।' तेजस गुर्राया।

कंजा के चेहरे के भाव बदल गए। तेजस को मुर्ख बनाना इतना आसान भी नहीं था।

'तू मुझे डिस्ट्रैक्ट करने के लिए है, ताकि मेरा ध्यान तुझ में लगा रहे और वहां तेरे साथी केयूर की मूर्ति के साथ अभद्रता कर सकें। परन्तु तू कच्चा खिलाडी है।' तेजस बोला।

उसने अपने चौथे हाथ से कंजा को एक जोर का थप्पड़ मारा, ऐसा की उसकी एक आँख ही निकल गयी। कंजा के आँख में से बेतहाशा खून निकलने लगा और वो दर्द के मारे थर थर काँपने लगा।

वो जोर से चीखा 'सत्यदेवस्य नाम्ना, मैं उस सच्चे भगवन के लिए अपने आप को समर्पित करता हूँ।'

तेजस को और भी ज्यादा गुस्सा आ गया। वो केयूर के अलावा किसी भी भगवान के बारे में नहीं सुन सकता था। उसने कंजा को एक थप्पड़ और मारा। कंजा के मुँह से खून की नदियां बहने लगी। तेजस का एक थप्पड़ ऐसा था जैसे किसी ने बहुत भारी हथोड़े से चेहरे पर मार दिया हो। कंजा अधमरा हो गया था।

हरजोत और अंगद दोनों ही गर्भ ग्रह तक पहुँच चुके थे। उन्होंने रस्ते में कई बेखबर सिपाहियों को मार दिया था जो भी उनको अपने लिए खतरा लग रहे थे। हरजोत और अंगद ने अद्दश्य क्लोक पहने थे, जिससे तेजस उन्हें दूर से नहीं देख सकता था। कंजा ने तेजस का ध्यान भटका दिया था। हरजोत और अंगद को अब उस मूर्ति को लेना था और वहां से चुपचाप भाग जाना था। तेजस जल्दी ही कंजा को मार कर आ सकता था।

गर्भ ग्रह का दरवाजा उन दोनों चोरो ने आसानी से तोड़ दिया और उनके सामने थी वो चमचमाती और बेहद आकर्षित कर देने वाली चार फुट लम्बी अत्यन्त सुदर्शनीय मूर्ति। एक बार तो हरजोत और अंगद भी उस केयूर की अप्रतिम प्रतिमा से भ्रमित हो गए परन्तु उन्होंने मन ही मन बोला सत्यदेवस्य नाम्ना और

फिर उस मूर्ति को अपने एंटी ग्रेविटी ग्रेपलर की मदद से अपने स्थान से उखाड़ने की कोशिश करने लगे।

'मूर्खो ये क्या कर रहे हो।' महागुरु पुजारी वहां आ गए थे। वो एक अति वृद्ध ऐंजलन थे और उनके पंख बुढ़ापे के कारण अब बेकार हो चुके थे। वो बहुत छोटी ही उड़ान भर सकते थे।

'आप हमारे बीच न पड़े। हम आपको कुछ नुकसान नहीं पहुंचना चाहते। हम पंडितों को नहीं मारते।' अंगद बेहद क्रोध में बोला।

'तुच्छ फ्लेशी, ये मूर्ति कोई साधारण मूर्ति नहीं है। ये प्राण प्रतिष्ठित मूर्ति है। इसमें केयूर का वास है। इसे अपने गंदे हाथो से छुएगा तो ये अपवित्र हो जाएगी और तुझे भी दंड मिलेगा।' पुजारी जल्दी जल्दी बोला। वो उस मूर्ति के पास पहुँच गया।

अंगद ने एक बहुत जोर का तमाचा उस पुजारी को मारा। वो पुजारी थोड़ा दूर जाकर गिर गया। इधर हरजोत ने अपने ग्रेपलर की मदद से उस ढ़ाई हज़ार किलो वजनी मूर्ति को अपनी वेदी से उखाड़ दिया। उसने उस मूर्ति को ग्रेप्लेर के साथ अपने पीछे बैग में रख लिया।

'नहीं' पुजारी चीखा। 'केयूर के कहर से डरो मूर्खों'

'हम मूर्ति पूजा को नहीं मानते।' अंगद बोला। 'हमारे बोफ के अनुसार केवल एक ही सच्चा भगवान् है।'

'मूर्खों ये प्राण प्रतिष्ठित है और जीवित है। उन्हें इस प्रकार से अपने पीछे बैग में डालना उनका अपमान है।' पुजारी बोला।

अंगद ने हरजोत को देखा और बोला 'लेटस गो (lets go)'

अंगद और हरजोत ने उस चोरी को अंजाम दे दिया था जो पहले कितने ही फ्लेशी नहीं कर पाए थे। परन्तु अभी उनको अपनी सबसे बड़ी चुनौती का सामना करना था।

&

अध्याय तीन - दंड मंत्र

दोनों गर्भ ग्रह से बाहर आ गए। हरजोत के पीछे लटके हुए बड़े बैग में एंटी ग्रेविटी ग्रेपलर में बंधी केयूर की वो ढाई हज़ार किलो वजनी चार फुट ऊँची प्रतिमा थी। अंगद भी खुश था उनका प्लान सफल हो गया था। परन्तु वो लोग जैसे ही गर्भ ग्रह के बाहर आये उनके सामने धड़ाम से कंजा का अधमरा शरीर आ कर गिर गया। उनके सामने बहुत ही गुस्से में तेजस खड़ा हुआ था।

'केयूर को अपवित्र करने वाले कीड़ों तुम्हे ऐसी मौत दूंगा जिसकी कल्पना भी तुम लोगों ने नहीं की होगी।' तेजस अपने पञ्चास्त्र को निकालते हुए बोला।

इधर पुजारी ने हरजोत के बैग को छीनने के लिए हल्की उड़ान भरने की कोशिश की। परन्तु हरजोत तक वो पहुँच नहीं पाया।

अंगद ने अपने लेज़र ब्लास्टर से तेजस पर अनेकों फायर कर दिए। परन्तु वो तेजस था। उसका वेग और रिफ्लेक्स अकल्पनीय था। उसने एक तरफ होकर उन लेज़र फायर को बचा लिया और इतना ही नहीं वो अंगद के पास एक ही झटके में पहुँच गया। वो बहुत ज्यादा क्रोध में भरा हुआ था। उसने अपने दोनों हाथों से अंगद के सर को उसके धड़ से अलग कर दिया। एक कट सी आवाज़ हुई और अंगद का सर तेजस के हाथ में था। उसका धड़ खून से भरा हुआ था और वो धड़ाम से नीचे गिर गया।

हरजोत ये देखकर भयभीत हो गया। तेजस ने हरजोत को खुनी निगाहों से देखा। हरजोत ने मन ही मन सत्यदेवस्य नाम्ना बोलना शुरू कर दिया। उसे पता

था उसका अंतिम समय आ गया था। परन्तु इससे पहले तेजस हरजोत पर झपटता एक कराह ने उसका ध्यान आकर्षित किया।

'पुत्र तेजस' महागुरु पुजारी ने बहुत ही निर्बल आवाज में कहा। तेजस ने उन्हें देखा। अंगद के लेज़र फायर में से एक फायर उनकी छाती को भेद चुका था।

तेजस फॉरेन उनके पास पहुँच गया। हरजोत ने मौके का फायदा उठाया और वो उस तीसरे मंजिल की खिड़की से नीचे कूद गया। तेजस ने फॉरेन ही उसके पीछे जाने का फैसला किया और खिड़की तक पहुंच गया। उसने देखा हरजोत ने एक पैराशूट खोल लिया था और वो उड़ कर कही जा रहा था। तेजस उसे एक पल में ही पकड़ लेगा परन्तु इससे पहली तेजस उसके पीछे जाता, एक निर्बल आवाज़ आयी, 'पुत्र तेजस सुनो'

तेजस फॉरेन ही महागुरु पुजारी के पास पहुंच गया।

'बेटा मैं मरने वाला हूँ।'

'मैं आपको कुछ नहीं होने दूंगा, मैं आपको अभी वैध के पास ले चलता हूँ'

'नहीं। मेरी बात ध्यान से सुनो।' पुजारी ने तेजस के हाथो को पकड़ते हुए बोला।

'ये मुर्ख फ्लेशी नहीं जानते इन्होने किस मूर्ति को अपवित्र कर दिया है। ये केयूर की मूर्ति हमारे पूर्वजो के समय से ही प्राण प्रतिष्ठित है। इस मूर्ति से जो

मांगो यदि मन साफ़ हो तो मिल जाता है।' पुजारी ने एक सांस में कहा और फिर वो थोड़ा चुप हो गया।

तेजस की आँखों में आंसू थे। उन मुर्ख और तुच्छ फ्लेशी ने केयूर की उस मूर्ति को भंग किया था जो पूरे इरीट्रिया ग्रह पर सबसे ज्यादा सम्मानित थी और जिसमे भगवान साक्षात् मौजूद थे।

'पुत्र, ये मूर्ति अब भंग हो चुकी है और ये मूर्ति अब अपना केहर बरसाएगी।'

'अच्छा है ना उन फ्लेशी का समूल नाश हो जाने दो।' तेजस बेहद गुस्से में बोला।

'नहीं पुत्र। केयूर उन्हें तो नुक्सान पहुचांयेंगे ही अपितु हम लोगों को, पूरे प्राणी मात्र का नाश कर देंगे।'

'क्या'

'हाँ पुत्र। वो प्राण प्रतिष्ठित मूर्ति है। इसलिए ऐसे ही किसी समय और आपदा के लिए हमारे पूर्वजो ने निष्प्राण मन्त्र लिखा था।'

'मैं समझा नहीं महागुरु' तेजस चिंतित स्वर में बोला।

'तुम' पुजारी ने गर्भ ग्रह की ओर इशारा किया और कहा, 'वहां एक लाल किताब में रखे मन्त्र को याद कर लो। केयूर की उस मूर्ति को ढूंढो और जैसे ही वो मूर्ति मिले, चाहे जिस भी हालत में मिले, तुम बस उस मूर्ति को अपने हाथ में लेकर निष्प्राण मन्त्र पूरी श्रद्धा से बोल देना।'

'अच्छा पुजारी जी'

'पुत्र पूरे ग्रह और प्राणियों की रक्षा अब तुम्हारे हाथ में है।'

'जी पुजारी जी' तेजस रुआँसे भरे स्वर में बोला।

'और साथ ही याद रखना उन तुच्छ फ्लेशी चोरो को भी सजा देना। क्योंकि उन अज्ञानियों ने पूरे प्राणियों का जीवन संकट में डाल दिया है।'

तेजस के आँखों में खून दौड़ रहा था। 'और एक बात का ध्यान रखना उस लाल किताब में जब तुम मन्त्र पढ़ो...' पुजारी कुछ बोलने लगा परन्तु उसकी सांस उखड गयी थी। काफी खून बहने से वो वृद्ध पुजारी मृत्यु को प्राप्त हो चुका था।

'नहीं' तेजस चीखा और उसने पुजारी को अपनी बाँहों में भर लिया। तेजस फिर उठा और उसने गर्भ ग्रह में रखी लाल किताब उठा ली। उसमे निष्प्राण मंत्र लिखा हुआ था। उसने वो मंत्र पढ़ लिया और जल्द ही याद कर लिया।

तभी उसकी नज़र एक और श्लोक पर पड़ी। दंड श्लोक। ये क्या है? तेजस ने उत्सुकता पूर्वक उस श्लोक को भी पढ़ लिया था। उसके अंत में लिखा था, जो भी ये स्त्रोत पढ़ लेगा, वो अधिकारी होगा केयूर का दंड देने के लिए।

तेजस को समझ में आ गया था केयूर ने उसे चुना था समस्त फ्लेशी जाती का जड़ मूल नाश करने के लिए। वो बेहद गुस्से में उठा और खिड़की की ओर देखने लगा। वो तुझ फ्लेशी वहीँ से कूद कर भागा था। तेजस फॉरेन ही

खिड़की से कूद गया और अपने पंख फैला कर चारों ओर देखने लगा। उसे उस फ्लेशी को पकड़ना था और केयूर की मूर्ति को निष्प्राण करना था।

महागुरु पुजारी अपनी पूरी बात नहीं बता पाए थे और पहले ही वो मृत्यु को प्राप्त हो गए थे। निष्प्राण मंत्र पढ़ने के बाद दंड मन्त्र नहीं पढ़ना था। क्योंकि यदि दोनों मन्त्र पढ़े गए तो उनको एक साथ पढ़ने पर साधक की मति भृष्ट हो जाएगी। वो एक पुण्य प्रतापी उपासक से नीच पापी दुष्टात्मा बन जायेगा।

अब ये वाकई सच था या किवदंती ये तो समय ही बताएगा। परन्तु तेजस को अब जल्द ही केयूर की वो प्राण प्रतिष्ठित मूर्ति ढूंढ कर उसे निष्प्राण करना था वरना पूरा इरीट्रिया केयूर का कहर झेलेगा। तेजस ये कभी नहीं होने देगा।

हरजोत ने इनविजिबल क्लोक पहन रखा था, इसलिए उसे लगा की वो तेजस की तेज निगाहों से बच जायेगा, परन्तु हरजोत को पता नहीं था कि, तेजस आस पास की चीजों को देखकर भी अंदाजा लगा सकता था कि हरजोत की लोकेशन क्या है। जैसे वो मोटरसाइकिल जो उस मंदिर से बाहर जा रही थी। जबकि पिछले इतने समय से चक्कर काटने के दौरान तेजस ने उस मोटरसाइकिल को वहां नहीं देखा था। तेजस को समझ आ गया, वो हरजोत था।

तेजस कुशाग्र और बहुत ही तेज था। एक झपटे में उसने मोटरसाइकिल सहित हरजोत को अपने पंजो में उठा लिया और तकरीबन एक हज़ार फ़ीट ऊपर ले उड़ा। वो मोटरसाइकिल हरजोत के हाथ से छूट गयी क्योंकि इतनी ऊंचाई पर वो काफी भारी हो गयी थी। एक तेज आवाज़ ने हरजोत और तेजस दोनों को बता दिया था कि मोटरसाइकिल की क्या हालत हुई होगी।

तेजस ने हरजोत को देखा और चीखा 'तुम कौन हो। वो आदमी कहाँ है जिसने भगवान केयूर की पवित्र मूर्ति चुराई है।'

हरजोत जोर से हँसा और बोला, 'वो स्वप्रिल है और वो उस काले पत्थर को वहां पहुंचा चुका है जहाँ उसे पहुंचना था।'

तेजस पूरी तरह से कंफ्यूज हो चुका था। 'चलिए मैं महान तेजस का थोड़ा सा कन्फूजन दूर करता हूँ।' हरजोत बोला।

'स्वप्रिल और मैं दोनों ही वही थे, उस समय मैंने इनविजिबल क्लोक पहन रखा था और तुम्हे मैं नहीं दिखा। हम दोनों ही खिड़की से कूदे परन्तु तुम्हे पुजारी ने बुला लिया। तुमने ध्यान नहीं दिया की स्वप्रिल कूद कर वही लटक गया और मैं पैराशूट में था। मैंने मोटरसाइकिल से जाने की कोशिश की क्योंकि हमें पता था की तुम पता लगा लोगे।

तेजस समझ गया, इतनी देर में वो स्वप्रिल मूर्ति वाला बैग जिसमे एंटी ग्रेविटी ग्रेपलर में वो ढ़ाई हजार किलो वजनी मूर्ति थी, उसे लेकर फरार हो गया। परन्तु कहाँ। तेजस ने अपने कैमरे की रिकॉर्डिंग ऑन की और हरजोत का सर भी उसकी धड़ से अलग कर दिया। तेजस चीखा 'फ्लेशी मैं एक एक करके तुम सबको मारने आ रहा हूँ, यदि तेजस से बच सको तो बच लेना।'

उसने फिर हरजोत को नीचे फेंक दिया और उस रिकॉर्डिंग को इंटरनेट पर डाल दिया जिससे इरीट्रिया के सभी लोग उसे देखे और सभी को तेजस का सन्देश मिल जाये। तेजस ने फिर चारों तरफ देखा परन्तु वो स्वप्रिल कही नहीं था। वो कहाँ गायब हो गया था। उसे ज़मीन खा गयी या आसमान निगल गया। वो केयूर की पवित्र मूर्ति के साथ गायब हो गया था।

तेजस अचंभित था परन्तु उसे केयूर की उस पवित्र मूर्ति को ढूंढ कर उसे निष्प्राण करना था। ये रात बहुत ही ज्यादा भयावह थी। तेजस पागलों जैसे यहाँ वहां उड़ रहा था और जोर जोर से चीख रहा था। उस पर शायद उस दंड मंत्र का प्रभाव पड़ रहा था और वो एक क्रूर कातिल बनाने वाला था। केयूर का केहर अब शायद पूरी इरीट्रिया को देखना था।

&

अध्याय चार - अनजान राह

स्वप्रिल ने धीरे धीरे उस बहुत ही ऊँची चढ़ाई को चढ़ लिया था। वो धीरे धीरे उस गुफा के अंदर चला गया था। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर इस असम्भव काम को अंजाम दे दिया था। तेजस के रहते उस विशालकाय काले पत्थर को हासिल करना आसान नहीं था। स्वप्रिल फिर भी बहुत उदास था उसके सभी साथी काम आ गए थे। ये एक बहुत बड़ी कीमत थी जो उन्होंने इस तकरीबन असंभव मिशन को पूरा करने के लिए चुकाई थी।

स्वप्रिल बहुत ज्यादा थका हुआ था। वो पिछले बारह घंटे से लगातार चल रहा था। हालाँकि उसने उस अति वजनी मूर्ति को एंटी ग्रेविटी ग्रेपलर की मदद से उठा रखा था और वो मूर्ति उसे भार हीन लग रही थी परन्तु फिर भी उस बैग को उठाये उठाये वो इतना लम्बा सफर बिना रुके तय करके आया था। वो अपने मिशन के प्रति समर्पित था और साथ ही उसके तीन साथियों के बलिदान को वो व्यर्थ जाने नहीं दे सकता था।

वो अंततः उस लैब में पहुँच गया जो उस गुफा के अंदर किसी बहुत ही सुरक्षित स्थान पर थी। वहां आसानी से कोई भी ऐंजलन, सेन्टॉरस या एक्वियन उसे नहीं ढूंढ सकता था। साथ ही वो इनविजिबल क्लोक से ढकी हुई भी थी। वो अंदर पहुंचा और सीधे ही उस चैम्बर में जाने लगा जहाँ उसकी मुलाकात होने वाली थी, डॉक्टर औरक्षो से।

डॉक्टर नादिर औरक्षो फ्लेशी दुनिया में सबसे सम्मानीय नामों में से एक थे। वो एस्ट्रोफिजिक्स के चैंपियन थे और ऐसा राकेट बनाने में लगे हुए थे जो प्रकाश गति से भी तेज चल सकता था।

स्वप्रिल बोझिल मन से डॉक्टर औरक्षो के पास पहुंचा। 'क्या हुआ, मिशन फेल्ड' डॉ औरक्षो ने स्वप्रिल को देख कर कहा। उनके मन में अनिष्ट की आशंका घर कर गयी। शायद ये आखरी मौका था वो काला पत्थर लेने का। क्योंकि बिना उस काले पत्थर के ये सुपर राकेट डायना जो औरक्षो का ड्रीम प्रोजेक्ट था, पूरी तरह बेकार था।

औरक्षो ने अनेकों काले पत्थर इस्तेमाल करके देख लिए थे। ये काले पत्थर इरीट्रिया में हर जगह मौजूद थे परन्तु उनकी खुदाई केवल वो कंपनियां कर सकती थी जिन्हे सरकारों ने लाइसेंस दे रखा था, और ये सभी पत्थर केयूर नामक भगवान की मूर्ति बनाने के लिए ही काम में लिए जाते थे। औरक्षो ने अपने अनेक अनुयायियों को भेज कर वो मूर्तियां चुरायीं थी परन्तु वो इस नतीजे पर पहुंचा कि सुपर राकेट डायना को यदि प्रकाश गति से ऊपर कोई एनर्जी पहुंचा सकती थी तो वो केयूर गति मंदिर की मूर्ति थी।

तभी स्वप्रिल ने अपना बैग जमीन पर रखा और उसमे से एंटी ग्रेविटी ग्रेपलर में स्थित उस चार फुट ऊँची और ढ़ाई हज़ार किलो वजनी मूर्ति को निकाल कर डॉक्टर औरक्षो को दिखाया। औरक्षो की ख़ुशी की सीमा ही नहीं रही।

उसने खुशी से स्वप्रिल को गले लगा लिया। ‘तुम दुखी क्यों हो तुमने तो वो काम कर दिया जो किसी चमत्कार से कम नहीं है।‘

'अंगद, कंजा और हरजोत' स्वप्रिल रुआँसे स्वर में बोला और जोर जोर से रोने लग गया।

'अंगद' औरक्षो ने कहा और सदमे में चला गया। अंगद उसका पुत्र था। परन्तु फिर औरक्षो ने अपने आप को संभाला और स्वप्रिल को गले लगाया। उसने कहा, 'बेटा ऐसे मिशन कुरबानी मांगते है।'

स्वप्रिल ने एक झटके से औरक्षो को अलग किया और दूर जाकर बोला। 'क्या फायदा ऐसे मिशन का'

स्वप्रिल फिर थोड़ा और गुस्से में बोला 'क्या होगा यदि ये राकेट प्रकाश गति को प्राप्त कर भी जाये। क्या मेरा मित्र अंगद वापस आ पायेगा, क्या हरजोत और कंजा को अपनी जवानी जीने का मौका मिलेगा'

स्वप्रिल बहुत ही उदास स्वर में जमीन पर बैठ गया। उसे विस्मय कुंठा और दुःख सब था, वो आखिर क्यों इस सब में लिप्त हुआ। ये मिशन फ्राड था।

औरक्षो समझ गया था कि स्वप्रिल एक बहुत ही बुरी घटना से निकल कर आया है। उसके सामने उसने अपने तीन साथियों को बेहद दर्दनाक मौत की आगोश में जाते हुए देखा था।

'बोफ अध्याय पांच वर्स ग्यारह - वो समय जल्दी ही आएगा जब एलियन रश्मिधरा को रौंद देंगे और तब सत्यदेवपुत्र ही इस धरा की रक्षा कर पाएंगे। परन्तु उनको बुलाने के लिए महारश्मि अनंत रथ भेजना होगा।'

औरक्षो ने कहा। फिर उसने स्वप्रिल के कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'पुत्र जल्द ही वो समय आ जायेगा जब एलियन हमें रौंद देगा, हमें उससे पहलें ही ये सुपर राकेट डायना बना लेना है, ताकि हम सन ऑफ गॉड को बुला सके।'

स्वप्रिल को कुछ बहुत ज्यादा समझ नहीं आ रहा था। परन्तु बचपन से ही वो बोफ में मानता था और ये सच है कि उस एक सच्चे भगवान ने ही बोफ को लिखा था और यदि बोफ में लिखा था कि एक प्रकाश गति से तेज राकेट बनाना जरुरी था तो उनको ये बनाना चाहिए था।

ये अलग बात थी कि अब वो केयूर की मूर्ति जो प्राण प्रतिष्ठित और विखंडित हो चुकी थी, क्या वो अपना प्रभाव दिखाएगी। महागुरु पुजारी के अनुसार अब पूरी इरीट्रिया को ही इस पाप का दंड मिलाना था और शायद ये राकेट ही इस दंड की शुरुआत करेगा।

#

तेजस इस भोर के समय महामहिम सत्रप भरत के घर पर था। कोई और होता तो अल्फा हेप्टेड में मुख्य प्रधान के घर पर इतनी आसानी से नहीं जा सकता था, परन्तु तेजस को ये विशेषाधिकार था। वो भरत का दोस्त था। भरत को जैसे ही मालूम पड़ा कि तेजस आया है उसने उसे तुरंत अपने विशेष चैम्बर में बुला लिया था।

'सर आई एम् सॉरी (Sir, I am sorry)' तेजस बहुत ही बोझिल मन से बोला।

'कोई बात नहीं। परन्तु तुमने शायद एक बात मिस कर दी' भरत बोला।

'क्या'

भरत बहुत ही शार्प और तीव्र बुद्धि का मालिक था। उसे कोई भी आसानी से धोका नहीं दे सकता था। 'फ्लेशी ने कई कोशिश की थी केयूर -गति मंदिर की मूर्ति चुराने के लिए।'

'जी' तेजस उदासी और उदासीनता भरे स्वर में बोला।

'इसका मतलब उन्हें अपने किसी खास मकसद के लिए वो मूर्ति चाहिए।'

'जी'

'और तुम्हे पता है वो मकसद क्या है।'

'नहीं।'

'इसलिए कहता हूँ, बोफ भी पढ़ा करो, इसलिए नहीं क्योंकि हम फ्लेशी से प्रेम करते है, परन्तु अपने दुश्मन की हर खबर हमें होनी चाहिए।'

तेजस एक टक भरत को देख रहा था। वो ऐसे ही नहीं हर बार चुनाव जीत जाता था। वो अल्फा हेप्टेड का लगातार तीसरी बार चुना हुआ प्रधान था। उसके राजनैतिक प्रतिद्वंदी जब तक भरत की चाल समझते तब तक भरत की चाल अपना प्रभाव भी दे देती थी।

'बोफ के अनुसार अब समय आ रहा है जब एक एलियन लैंड ऑफ लाइट पर हमला करेगा और लैंड ऑफ लाइट को बचाने के लिए सन आफ गॉड को लाना होगा। सन आफ गॉड को लाने के लिए प्रकाश गति से तेज विमान बनाने पड़ेंगे।'

तेजस एक बहुत तगड़ा योद्धा था, परन्तु इस वक्त उसे भरत की बातें किसी विदेशी भाषा जैसी लग रही थी। उसे कुछ भी समझ नहीं आ रहा था कि भरत क्या कहना चाहता था।

'तो मेरे दोस्त, तुम ढूंढो, केयूर भगवान की वो मूर्ति वहां मिलेगी जहाँ किसी बहुत बड़े अंतरिक्ष रॉकेट बनाने की फैक्ट्री होगी। तुम्हारी पारखी और तेज नज़र से ढूंढो, कहाँ है वो फैक्ट्री जहाँ ये राकेट बन रहा है।'

तेजस को अब थोड़ा कुछ समझ आ रहा था। भरत ने उसे एक दिशा दी थी।

'दो बातें और' भरत ने थोड़ा कुटिलता पूर्वक कहा।

तेजस की भोंहे उचकी।

'एक बात ये कि फ्लेशी के पास इतना पैसा कहाँ से आ रहा है। फ्लेशी लोग इतने अमीर नहीं है। परन्तु फिर भी उनके पास इनविजिबल क्लोक है, उनके पास एंटी ग्रेविटी ग्रेपलर था, और ये इतने महंगे है जो शायद कोई छोटा मोटा शहर भी अफोर्ड नहीं कर सकता।'

'शायद फ्लेशी लोग अपना पैसा सब इसी मिशन के लिए दे रहे' तेजस ने कुछ सोचते हुए कहा।

'हाँ अब तुम ठीक समझे। इन सभी फ्लेशी को बोफ ने जोड़ रखा है। यदि तुम इन्हें बोफ से ही अलग कर दो, तो राकेट बनाने का पैसा ही नहीं आएगा। मिशन फेल्ड।' भरत ने बहुत ही कुटिलतापूर्वक कहा और तेजस के कंधे पे धीरे से अपने हाथ से मारा।

भरत के पंख फड़फड़ा रहे थे। इसका मतलब वो बहुत ही ज्यादा एक्साइट हो चुका था। वो तेजस को फ्लेशी लोगों पर खुलम खुला अत्याचार

करने के लिए कह रहा था। इसका परिणाम बहुत ही भयावह होने वाला था। आखिर फ्लेशी लोग भी उसी के देश के नागरिक थे जिस देश का वो प्रधान था।

'मैं इन फ्लेशी लोगों पर इतना अत्याचार करूँगा की ये बोफ को खुद जलाएंगे।' तेजस ने खूंखार स्वर में कहा।

फिर तेजस ने कुछ सोचा और उसे महागुरु पुजारी की बात याद आ गयी 'परन्तु भरत मुझे भगवान केयूर की मूर्ति ढूंढ कर उसे निष्प्राण करना होगा वरना वो सभी प्राणियों को सजा देंगे।'

'बिलकुल सही मेरे दोस्त। सोचो मैंने दो बातें बोली थी, दूसरी क्या हो सकती है।' भरत ने चुटकी लेते हुए कहा। इतनी गंभीर परिस्थिति में भी भरत इतना शांत रह सकता था, ये उसका सबसे बड़ा गुण था।

'भरत में तुम्हारी तरह इंटेलीजेंट नहीं हूँ।' तेजस ने उदासी भरे स्वर में बोला।

'अरे मेरे दोस्त, तुम थोड़ी दीन दुनिया की खबर रखा करो। '

तेजस का मन बैठ गया।

भरत उसके पास आया और बोला 'फ्लेशी का सबसे प्रमुख साइंटिस्ट, जो एस्ट्रोफिजिक्स का ज्ञाता है, जो बोफ का भी मास्टर प्रचारक है, और जिसे पिछले कुछ समय से किसी ने भी नहीं देखा है...'

'नादिर औरक्षो' तेजस अनायास ही बोला।

'तुम समझ गए।'

तेजस को समझ आ गया था कि भरत क्या कहना चाह रहा था। यदि औरक्षो को ढूंढ लिया जाये तो केयूर की मूर्ति मिल जाएगी और वो उसे निष्प्राण कर देगा।

'भरत बस तुम अपनी फोजों को कुछ दिन छूटी पर भेज दो। फ्लेशी अब तेजस का रौद्र रुप देखेंगे।' तेजस खूंखार स्वर में बोला।

भरत ने हामी में सर हिला दिया।

उन दोनों को नहीं पता था कि केयूर का कहर शुरु हो गया था और अब जो घटनाएं घटने होने वाली है वो शायद इरीट्रिया के विनाशकाल की शुरआत थी। अब वो घटनाएं घटने वाली थी जो धीरे धीरे इरीट्रिया की स्थिति को बद से बदतर करने वाली थी। केयूर की इस प्राण प्रतिष्ठित मूर्ति को विखंडित करने की सजा इरीट्रिया वासियों को शायद भुगतनी ही होगी। चाहे वो फ्लेशी हो जो केयूर में नहीं मानते या फिर केयूर के भक्त सभी को अब दंड का भागी होना पड़ेगा। इरीट्रिया के काले दिनों की शुरुआत होने वाली थी।

&

अध्याय पांच - महापाप

तेजस अपने घर आ चुका था। सुबह की लालिमा धीरे धीरे अपने पूरे जोश में आने के लिए प्रयासरत थी। तेजस अपने कमरे में अपने पञ्चास्त्र को पूरे सम्मान के साथ घर में मंदिर में रख, नहाने चला गया था। वो नित्य इसी प्रकार स्नान आदि के बाद अपनी पत्नी के साथ नाश्ता करता था और फिर आराम करने चला जाता था। फिर कुछ घंटे आराम करने के पश्चात वो पुनः केयूर के मंदिर चला जाता था और वहां की रखवाली करता था। परन्तु आज के बाद से ये सब बदलने वाला था।

तेजस के सामने वो घटना अभी भी साफ़ साफ़ थी कि उन तुझ फ्लेशी चोरों ने महान केयूर की उस प्राचीन पवित्र मूर्ति को विखंडित किया और उसे चुरा कर ले गए। तेजस अभी-अभी ही महागुरु पुजारी की अंतिम क्रिया भी करके आ रहा था और उसके मन में बहुत ही अधिक गुस्सा भरा हुआ था।

उसकी पत्नी ने उसके सामने नाश्ता रखा परन्तु तेजस अपनी ही क्रोध की ज्वाला में खोया हुआ था। तेजस वैसे खुद कोई बहुत अमीर नहीं था, परन्तु चूँकि वो भरत का दोस्त था इसलिए सत्रप भरत ने अपने सरकारी कर्मचारियों में से एक अंजनी को तेजस के यहाँ उसकी पत्नी की मदद करने के लिए दिया हुआ था। अंजनी एक फ्लेशी थी और अधिकतर फ्लेशी इरीट्रिया में इसी प्रकार से छोटा मोटा काम ही करते थे। बहुत ही कम फ्लेशी ऊँचे पदों पर थे या डॉक्टर औरक्षो की तरह विद्वान् और शिक्षाविद थे।

अंजनी ने भी तेजस का ये रूप पहले नहीं देखा था। ये तो साफ़ था कि तेजस उससे नफरत करता था परन्तु तेजस कभी भी उसे परेशान नहीं करता था। अंजनी घर का सारा काम भी मन लगा कर करती थी इसलिए तेजस की पत्नी को

भी वो पसंद थी। अंजनी उन्ही के साथ रहती थी परन्तु आज उसे कुछ पूर्वाभास हो गया था कि आज का दिन सामान्य दिनों जैसा नहीं था। उसने महान केयूर की पवित्र मूर्ति की चौरी की बात समाचार में देख ली थी। हालाँकि वो बोफ में मानती थी और उसकी समझ में मूर्ति पूजा पाप था परन्तु वो ये सारी बातें तेजस के घर में नहीं बोल सकती थी।

अंजनी ने तेजस की पत्नी को देखा और उसने तेजस की नाश्ते की भरी हुई थाली को उठा के ले जाने का इशारा किया। अंजनी अभी तेजस की थाली उठा रही थी कि तेजस ने उसका हाथ पकड़ लिया।

'सर आप ये क्या कर रहे हैं' अंजनी बहुत ज्यादा घबरा गयी। तेजस एक ऐंजलन था और वो भी एक बहुत ही सुदृढ़ ऐंजलन जो शायद बहुत से फ्लेशी मर्दो को अपने हाथो से ही मार डाले, उसके सामने अंजनी एक नाज़ुक फ्लेशी स्त्री कुछ नहीं कर सकती थी।

'तुम फ्लेशी लोगों ने हद पार कर दी है।' तेजस गुर्राया। उसकी आँखों में खून खोल रहा था। तेजस की पत्नी भी उसका ये रौद्र रूप देख कर बहुत ज्यादा घबरा गयी थी। उसके पति ने आज तक किसी भी परायी स्त्री को छुआ नहीं था। परन्तु जिस तरीके से तेजस ने अंजनी का हाथ पकड़ा था, उसे देख कर तेजस की पत्नी के मन में बहुत ही बुरे विचार आ रहे थे।

तेजस ने अपने दूसरे हाथ से अपने हाथ पर बंधे कम्युनिकेशन डिवाइस को आन किया और वीडियो रिकॉर्डिंग का मोड चालू कर दिया। तेजस ने फिर उस वीडियो रिकॉर्डिंग को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लाइव शो कर दिया। अब तेजस के जितने भी कांटेक्ट थे या जो लोग तेजस को फॉलो कर रहे थे वो सब तेजस की ये रिकॉर्डिंग लाइव देख सकते थे।

तेजस की पत्नी को अब आभास हो गया था कि तेजस अंजनी के साथ वो दुर्व्यवहार करने जा रहा है जो वो एक स्त्री होकर दूसरी स्त्री के साथ नहीं होने दे सकती थी। उसने कुछ कहने की कोशिश की और तेजस के पास आयी। तेजस ने अपने चौथे हाथ से उसे धक्का दे दिया। तेजस की पत्नी दूर जाकर गिर गयी। तेजस आवेग में था और बहुत ही ज्यादा शक्तिशाली। उसके एक हल्के से धक्के ने ही उसकी पत्नी को दस फ़ीट दूर धकेल दिया था और उसका सर दीवार से टकरा गया और वो बेहोश हो गयी।

तेजस ने फिर अंजनी को देखा और एक खूंखार हसी भरी। अंजनी पूरी तरह से घबरा गयी थी। तेजस ने फिर एक ही झटके में अंजनी के सारे वस्त्र फाड़ दिए। तेजस ने फिर अपनी लाइव वीडियो रिकॉर्डिंग में देखा और चीखा, 'तुम लोगों को जहाँ भी ये फ्लेशी लोग मिले इनके साथ ये ही सलूक करो। जो जितने फ्लेशी को मारेगा और मुझे उसका वीडियो भेजेगा उसे महान केयूर उतना ही ज्यादा फल देंगे।'

तेजस अल्फा हेप्टेड में ही नहीं अपितु पूरे इरीट्रिया में सम्मानीय था। उसके अनेको फॉलोवर्स थे। महागुरु पुजारी के बाद लोग मानते थे कि केयूर का सच्चा भक्त तेजस ही था। जिसने अपना पूरा जीवन उनकी सुरक्षा में गुज़ार दिया था। यदि वो किसी फ्लेशी स्त्री का चीर हर रहा था तो इन तुच्छ फ्लेशी लोगों को सबक सिखाने का ये ही बिलकुल सही तरीका था।

अंजनी बेतहाशा रो रही थी। तेजस की आँखों में एक अनोखा वहशीपन था। शायद केयूर का कहर शुरू हो गया था। उस अभिशाप ने तेजस को एक सज्जन पुरुष से एक वहशी दरिंदा बना दिया था जो ये नहीं देख सकता था कि उस लड़की ने उसकी इन अनेक वर्षो में कितनी सेवा की थी।

तेजस ने फिर अपने वस्त्र उतारे और अंजनी के साथ चरम सीमा तक दुर्व्यवहार करता चला गया। वो एक हाथ से अपनी कलाई में बंधे कम्युनिकेशन डिवाइस से सब कुछ रिकॉर्ड करके पूरे अल्फा हेप्टेड में ही नहीं अपितु इरीट्रिया में लाइव फीड भेज रहा था।

अल्फा हेप्टेड के प्रधान मुख्या, महामहिम भरत को भी इस बात का पता चला परन्तु उन्होंने भी उस वीडियो को थोड़ा देख कर अपने पूरे स्टाफ को सिर्फ इतना ही कहा, 'इन फ्लेशी लोगों को समझना होगा कि तेजस को वो लोग गुस्सा नहीं दिला सकते थे। महान केयूर की उस प्राचीन और पवित्र मूर्ति को अपवित्र करेंगे तो उनकी स्त्रियों को तो ये अपमान झेलना ही पड़ेगा। अपवित्रता का बदला अपवित्रता।'

भरत के स्टाफ में नीचे के पदों पर, चाहे वो सफाई कर्मचारी हो या कोई गार्ड या ड्राइवर आदि सभी लोग भरत के इस उदासीन रवैये से ना सिर्फ उदास और गुस्सा थे परन्तु खौफजदा भी थे। क्योंकि तेजस जो कुछ करता था केयूर के अंध भक्त उसको अक्षरशः फॉलो करते थे। शायद तेजस को भी ये पता था और उसने इसलिए अंजनी को इतना बुरा दंड देने का मन बनाया था।

अंजनी बहुत जायदा शारीरिक पीड़ा में थी, पांच सो किलो वजनी तेजस जितना भी अधिक से अधिक पीड़ा अंजनी को दे सकता था वो उतनी ही पीड़ा के साथ अंजनी का उल्लंघन कर रहा था। अंजनी कुछ मिनट में ही इस शारीरिक और मानसिक पीड़ा से बेहोश हो गयी।

तेजस को ये अच्छा नहीं लगा की अंजनी अब वो दर्द महसूस नहीं कर रही थी जो वो उसे देना चाहता था। तेजस रुका और वो अंजनी को अपने पंजे से मारने वाला था कि उसकी पत्नी जो अपनी मूर्छा से उठ गयी थी वहां आ गयी। उसने पञ्चास्त्र को ले लिया था और अपने ऊपर ही तान लिया था।

'यदि तुम नहीं रुके तो मेरा मरा मुँह देखोगे।' तेजस की पत्नी रुआंसे स्वर में बोली।

तेजस थोड़ी देर के लिए सकपका गया। वो उठा और उसने अंजनी का बेहोश शरीर जिसके गुप्तांगो में बहुत ज्यादा खून बह रहा था उसे छोड़ दिया। उसने वो वीडियो प्रसारण भी बंद कर दिया।

उसने अपनी पत्नी के हाथ से अपना हथियार पञ्चास्त्र लिया और अपने कमरे में चला गया। उसकी पत्नी बेहोश अंजनी की तीमारदारी में लग गयी।

तेजस अपने कमरे में आ गया और अपनी इस हरकत पर उसे अब थोड़ा अफ़सोस होने लगा था। उसे पता ही नहीं चला की कब उस पर शैतान हावी हो गया था। वो चुपचाप अपने कमरे में सो गया।

तेजस ने तो शायद आवेश में आकर ये गुनाह कर दिया परन्तु उसने पूरे अल्फा हेप्टेड में या यूँ कहे पूरी इरीट्रिया में फ्लेशी के विरुद्ध दंगे शुरू करवा दिए। तेजस को पता ही नहीं चला कि उसका ये कुछ मिनिट का वीडियो पूरी तरह वायरल हो चुका था। पूरी इरीट्रिया में ऐंजलन लोग अब फ्लेशी लोगों को मार रहे थे, उनकी स्त्रियों का अपमान कर रहे थे। कई लोगों ने तो इन सब का वीडियो ही बनाना शुरू कर दिया था।

तेजस ने पूरी इरीट्रिया में फ्लेशी लोगों के विरुद्ध एक अजीब सी लहर उत्पन्न कर दी थी। इधर अंजनी को लेकर तेजस की पत्नीं पास ही के एक अस्पताल में चली गयी थी।

'आप चिंता ना करे इसे हम एक दिन में ही डिस्चार्ज कर देंगे।' डॉक्टर ने तेजस की पत्नी को सांत्वना दी।

तेजस की पत्नी अपने घर आ गयी। वो अंजनी के साथ अस्पताल में समय बिताना चाहती थी परन्तु उसके पति को भी अभी उसकी बहुत ज्यादा आवश्यकता थी। वो बहुत ज्यादा मानसिक रुप से बीमार हो गया था।

&

अध्याय छह - एक हज़ार करोड़ देणार

'आपको एक हज़ार करोड़ देणार चाहिए।' स्वप्रिल के होश फाख्ता हो चुके थे।

'हाँ स्वप्रिल' डॉक्टर औरक्षो थोड़ा उदास स्वर में बोले।

'मैं कुछ समझ नहीं पा रहा हूँ।'

'स्वप्रिल आओ तुम्हे मैं कण्ट्रोल रूम में ले चलता हूँ। इस मूर्ति को भी वहीं ले आओ।' औरक्षो ने कहा और एक दूसरे कमरे की ओर चला गया।

स्वप्रिल ने एंटी ग्रेविटी ग्रेपलर से उस ढाई हज़ार किलो वजनी केयूर की प्राण प्रतिष्ठित मूर्ति जो अब विखंडित हो गयी थी, उस मूर्ति को उठाया और बोझिल मन से औरक्षो की पीछे पीछे चला गया। उसने अपने तीन सबसे ज्यादा अच्छे दोस्त पिछली रात ही खोये थे।

वो काफी थका हुआ था, वो बारह घंटे लगातार चलते हुए उस ढाई हज़ार किलो वजनी मूर्ति को अपने यन्त्र की मदद से उठा कर इस गुफा तक आया था। परन्तु उसे औरक्षो की बात समझनी होगी उसके बाद ही वो आराम करने की सोच सकता था।

औरक्षो अपनी सीट पर बैठा हुआ था और उसने स्वप्रिल को हाथ से इशारा किया और स्वप्रिल ने वो मूर्ति बहुत ही सलीके से उस अलमारी में रख दी जो शायद उसी मूर्ति को रखने की लिए बनायीं गयी थी।

औरक्षो ने फिर स्वप्रिल को अपने पास आकर बैठने का इशारा किया। स्वप्रिल उनके पास आकर बैठ गया और औरक्षो ने उसे कुछ बिस्कुट और एनर्जी ड्रिंक दिया। स्वप्रिल थका हुआ और भूका था उसने वो फॉरेन ही खा लिया।

औरक्षो थोड़ा मुस्कुराया हालाँकि वो भी अपने बेटे को अभी-अभी ही खो चुका था और उसे वो दर्द कसोट रहा था परन्तु वो अपना दर्द इस नौजवान स्वप्रिल के सामने नहीं दिखा सकता था। उसे कठोर ही दिखना था। उनका मिशन उसकी कठोरता पर ही निर्भर करता था।

औरक्षो ने कुछ बटन दबाये और उसके सामने एक बड़ी एलइडी (LED) स्क्रीन पर बहुत से चित्र आने लग गए।

उस स्क्रीन पर आ गया एक बहुत ही सुन्दर और अति आधुनिक राकेट।

'ये है डायना' औरक्षो बोला।

स्वप्रिल उस राकेट को निहारता ही रह गया। उसने उसके जैसा कुछ नहीं देखा था। औरक्षो जीनियस था। उसने ऐसा राकेट बना लिया था जो शायद इरीट्रिया में और कोई नहीं बना सकता था।

स्वप्रिल ने देखा वो राकेट डायना इरीट्रिया के बाहर स्थित था और उस राकेट में काला' पत्थर डाला गया और उस पत्थर के अणुओं ने आपस में एक दूसरे से टकरा कर बहुत ज्यादा ऊर्जा पैदा कर दी। उस ऊर्जा को उस राकेट ने अपने गोल इंजन की मदद से एक चैम्बर में चैनलित कर दिया और राकेट बहुत ही तेजी से अंतरिक्ष में उड़ गया। उसने स्क्रीन पर देखा उस राकेट ने अपने चारो और एक बबल फोर्स फील्ड बना लिया था और स्क्रीन के अनुसार उस राकेट की गति प्रकाश से दो सो से ढाई सो गुना तक हो गयी थी।

'देखो स्वप्निल हमारे ग्रह पर एक ऐसा पदार्थ है जो शायद इस पूरे सौर-मंडल में नहीं है।' औरक्षो बोला।

'हाँ ये काला पत्थर।' स्वप्निल ने केयूर की उस चार फुट लम्बी मूर्ति को जिसको उसने अभी एक अलमारी में बंद किया था, उसकी ओर इशारा करते हुए कहा।

'बिलकुल। इस काले पत्थर में वो अणु है जिसे यदि हम एक दूसरे से टकरा दे तो ये ऐसी ऊर्जा देते है जो शायद कोई नाभिकीय फ्यूज़न भी नहीं दे पाए।'

'अच्छा '

'और एक बहुत ही जोरदार बात, की जो मूर्ति तुम लाये हो, इस के अणु तो इतने ज्यादा शक्तिशाली है कि' औरक्षो ने अपने लैपटॉप स्क्रीन पर देखते हुए कहा, 'जो बाकि पत्थरों के मुकाबले शायद सैकड़ों गुना ज्यादा ऊर्जा देंगे।'

औरक्षो ने अपना लैपटॉप स्वप्निल की तरफ घुमा दिया। स्वप्निल ने देखा केयूर की मूर्ति को उसने जिस अलमारी में बंद किया था वो कोई साधारण अलमारी नहीं थी अपितु इस लैपटॉप से कनेक्टेड थी। लैपटॉप पर उस मूर्ति की पूरी डिटेल्स आ गयी थी।

'इस मूर्ति की शायद हम सिर्फ एक ऊँगली भी काट ले तो इतनी ऊर्जा मिलेगी की हमारा स्पेसशिप इस पूरे सौर-मंडल की परिक्रमा एक ही घंटे में लगा ले।' औरक्षो उत्साहित स्वर में बोला।

'तो फिर आपको एक हज़ार करोड़ देणार क्यों चाहिए। मूर्ति आ गयी है भेज दीजिये राकेट' स्वप्रिल ने उत्साह और प्रशान्त्मक अंदाज में पूछा।

'पुत्र स्वप्रिल तुम्हे जो अभी स्क्रीन पर दिख रहा है' औरक्षो ने स्क्रीन की ओर इशारा किया जहाँ एक अति आधुनिक राकेट दिख रहा था। 'ये केवल अभी एक प्रोटोटाइप है। मेरी कल्पना है। इसे बनाने के लिए मुझे बहुत सा माल चाहिए। तुमने केयूर की मूर्ति लाकर मुझे ईंधन तो दे दिया परन्तु अब मुझे इस ईंधन को सही रूप से प्रयोग में लाने के लिए इंजन भी तो बनाना है और फिर बहुत से इक्विपमेंट लगाने है।'

'समझ गया। आप को राकेट तो बनाना पड़ेगा, उसमे फिर वो सब डालना पड़ेगा ताकि कोई एलियन जिसे ये राकेट मिले वो हम तक पहुँच भी सके, हमारे बारे में जान भी सके।' स्वप्रिल अपने ही एकालाप में सब कुछ बोलता चला गया।

'मेरे पास एक ऐंजलन व्यापारी है, बीटा हेप्टेड में जो मुझे सारा सामान देने को तैयार है।' औरक्षो बोला।

'ऐंजलन व्यापारी' स्वप्रिल के आश्चर्य की सीमा ही नहीं रही।

'हाँ' औरक्षो थोड़ा मुस्कुराया 'बीटा हेप्टेड के ऐंजलन अल्फा हेप्टेड के जैसे कट्टर और असहिष्णु नहीं है, और वैसे भी ये व्यापारी सिर्फ पैसे की भाषा समझता है। उसका भगवान केयूर नहीं पैसा है।' औरक्षो थोड़ा चुटकी लेते हुए बोला।

'परन्तु बीटा हेप्टेड से राकेट के लिए इतना सारा माल कहाँ से आएगा। कस्टम वाले ही रोक लेंगे।' स्वप्रिल ने कहा।

'नहीं वो व्यापारी एक स्मगलर को जानता है। माल पहुँचाना उसकी रिस्पांसिबिलिटी (responsibility) है। परन्तु इसलिए उसने माल की कीमत बहुत ज्यादा लगायी है।'

'परन्तु सर हमारे पास जो भी था वो तो हम इन यंत्रो पर लगा चुके हैं।' स्वप्रिल ने उस लैब और एंटी ग्रेविटी ग्रेपलर को देखते हुए बोला।

'मुझे पता है।' औरक्षो बोला।

औरक्षो फिर बोझिल मन से बोला, 'अंगद ने कहा था कि मैं अपनी रिसर्च पर ध्यान दूँ। वो पहले ईंधन लाएगा और फिर कुछ करेगा पैसों का इंतजाम करने के लिए, परन्तु...' औरक्षो रोने लग गया।

वो पिता था। आखिर वो कब तक अपने आप को कठोर दिखा सकता था। उससे अब रहा नहीं गया। स्वप्रिल ने उसे संभाला और बहुत ही गंभीर स्वर में कहा 'आप राकेट बनाइये। एक हज़ार करोड़ देणार लाना अब मेरा काम है। अंगद का वादा मैं पूरा करूँगा।'

स्वप्रिल के आँखों में एक अजीब सी चमक थी। शायद केयूर उसे ये शक्ति दे रहे थे कि वो लोग अपना राकेट बना लें। केयूर इरीट्रिया पर अपना कहर बरपाना चाहते थे और इसके लिए शायद राकेट डायना का बनाना बहुत जरुरी था।

#

स्वप्रिल ने थोड़ा आराम किया और वो उस गुफा से निकल गया। औरक्षो को उसे काम करने देने था और उसे भी अब एक हज़ार करोड़ देणार की व्यवस्था

करनी थी। ये इतनी बड़ी राशि थी कि यदि पूरी फ्लेशी प्रजाति अपनी सारी संपत्ति बेच दे तो भी शायद ही पूरी हो पायेगी। परन्तु उसे बोफ पर उतना ही भरोसा था जितना तेजस को केयूर में। बोफ में लिखा था कि इरीट्रिया पर जिसे बोफ में लैंड ऑफ़ लाईट कहा गया था, उस पर एक एलियन हमला करेगा और वो एलियन इतना क्रूर होगा की उससे देवता भी डरेंगे और वो पूरे संसार को ही एक बार में समाप्त करने की ताकत रखता होगा, उस आक्रांता को हराने के लिए ही सन आफ गॉड को इस धरा पर आना होगा। परन्तु वो सन आफ गॉड अभी कही बहुत दूर है और उन्हें लाने के लिए उत्तर दिशा में एक महा-रश्मिरथ यानि एक राकेट भेजना होगा। उस दिशा की जानकारी भी बोफ में दी हुई थी और औरक्षो ने ऐसे राकेट का प्रोटोटाइप बना लिया था जो शायद उतनी दूरी तक जा सके जितनी दुरी बोफ में लिखी थी।

केयूर की इस मूर्ति ने ईंधन की व्यवस्था तो कर दी थी परन्तु अब इंजन बनाना था। एक हज़ार करोड़ देणार की व्यवस्था। स्वप्निल इन्ही सब ख्यालों की उधेड़ बुन में था कि उसे पता ही नहीं चला कि वो सर्न शहर की सीमा में प्रवेश कर गया था। उसने पिछली रात वहां से केयूर की सबसे पवित्र मूर्ति चुराई थी। जैसे ही वो उस शहर में दाखिल हो गया उसका कम्युनिकेशन डिवाइस एक्टिव हो गया, जो अब तक सिग्नल की कमी से डेड था।

स्वप्निल की निगाह अनायास ही उस कम्युनिकेशन डिवाइस पर पड़ी जिसमे अनेकों मैसेज और कॉल आ रखे थे। तेजस के द्वारा अंजनी का मानभंग भी वो साफ़ साफ़ देख सकता था और उसके बाद तो इन सिलसिलों की बाढ़ सी आ गयी थी। स्वप्निल के पाँव तले ज़मीन निकल गयी उसकी बहन का वीडियो भी वायरल हो गया था। उसके घर पर ऐंजलन गुंडे घुस चुके थे और उसकी बहन और माता के साथ हर प्रकार का अत्याचार किया गया था। वो सारे वीडियो ना सिर्फ उसके पास आये थे अपितु पूरे सोशल मीडिया में घूम रहे थे।

तेजस ने एक ऐसा घटिया कृत्य किया था जो शायद किसी भी प्रकार से केयूर का बदला नहीं हो सकता था। परन्तु अब तीर निकल चुका था। स्वप्रिल ने आगे देखा सभी फ्लेशी लोगों के घरो पर ऐंजलन गुंडे आ चुके थे। पुलिस का कहीं कोई पता नहीं था। स्वप्रिल समझ गया था कि भरत पूरी तरह से तेजस का साथ दे रहा था। महामहिम सत्रप भरत और केयूर मंदिर के महा रक्षक तेजस की दोस्ती तो जग जाहिर थी।

स्वप्रिल की आँखों में खून खौल उठा था। उसे अब तेजस और इन ऐंजलन वहशियों से बदला लेना था और साथ ही साथ एक हज़ार करोड़ देणार की व्यवस्था भी करनी थी। तभी स्वप्रिल की नज़र एक और वीडियो पर पड़ी।

अंजनी नामक एक फ्लेशी स्त्री से मीडिया वाले पूछ रहे थे कि वो अस्पताल से डिस्चार्ज होकर कहाँ जाएगी। 'मैं वापस अपने मालिक के घर जाउंगी' उसने बहुत ही दृढ़ता से बोला। 'ये क्या पागलपन है, फिर से वापस तेजस के घर क्यों जाना चाहती है ये अंजनी' स्वप्रिल को विस्मय हुआ। उसने फिर वो वीडियो पूरा सुना। 'तेजस साहब ने जो किया वो कोई बात नहीं, परन्तु मुझे उनकी पत्नी की सेवा करनी है। उन्होंने मेरी जान बचाई है और मेरा जीवन उनके लिए ऋणी है।'

स्वप्रिल ने उस पूरे वीडियो को दुबारा सुना और अब उसने कुछ बहुत ही खतरनाक प्लान बना लिया था। उसे जल्द ही एक हज़ार करोड़ देणार की व्यवस्था भी करनी थी और तेजस और इन ऐंजलन से बदला भी लेना था।

#

इधर तेजस को भी महागुरु पुजारी के वो शब्द याद आ रहे थे, उसे जल्द ही वो मूर्ति ढूंढ कर उसे निष्प्राण करना था। तेजस ने फिर से अपने वीडियो को

लाइव किया और वो चीखा 'फ्लेशी लोगों तुमने देख लिया है पिछले कुछ ही घंटो में हमारा कहर। मुझे फॉरेन तुम्हारे उस दुष्ट डॉक्टर औरक्षो का पता भेज दो और साथ ही केयूर की मूर्ति का पता तो मैं तुम लोगों को छोड़ दूंगा वरना ये तांडव तब तक चलता रहेगा जब तक मुझे मूर्ति नहीं मिल जाती।'

तेजस ने इतना कहा और वीडियो बंद कर दिया। वो फॉरेन ही उठा और घर से बाहर जाने लगा। उसकी पत्नी ने उसे रोका और कहा 'तुम्हे जो करना है करो परन्तु ...'

'मैं कोई भी वादा नहीं कर सकता।'

'परन्तु यदि अंजनी को तुमने अब ...' इससे पहले तेजस की पत्नी कुछ बोलती वो घर से बाहर निकल गया और अपने विशाल पंखो से एक बड़ी उड़ान भर चुका था।

तेजस की पत्नी को पता था उसे अपने पति की मदद करनी ही होगी। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वो क्या करे। आखिर वो किसकी मदद ले। क्या वो भरत से मिले। वो इन्ही सब उहापोह में थी कि उसे अस्पताल से कॉल आया। उसने अपनी कलाई पर बंधी कम्युनिकेशन डिवाइस से कॉल का उत्तर दिया।

'आप पेशेंट अंजनी को लेने के लिए आ जाईये।'

'ठीक है मैं आ रही हूँ।'

#

अंजनी अपने अस्पताल के रूम में अकेली थी। उसकी स्टिचिंग कर दी गयी थी हालाँकि उसे पूरा ठीक होने में शायद कुछ हफ्ते लग ही जाएँ। उसे

अस्पताल के स्टाफ ने बता दिया था कि उसकी मालकिन उसे लेने आ रही थी। वो बहुत ज्यादा खुश थी। उसे अपनी मालकिन से यह ही उम्मीद थी। तभी कुछ हलचल हुई और उस रूम में कोई आया।

अंजनी को लगा उसकी मालकिन आ गयी, परन्तु वहां कोई और था। एक साया तेजी से उसके पास आ गया। अंजनी ने उस शख्स को पहले कभी नहीं देखा था। 'कौन हो तुम' अंजनी बोली।

उस शख्स ने अंजनी के मुँह पर अपना हाथ रख दिया और फुसफुसाया, 'बोफ में मानती हो'

अंजनी ने अपना सर हिलाया। 'बोफ पढ़ती हो'

अंजनी ने फिर सर हिलाया। उस आदमी ने उसका मुँह अभी भी पकड़ा हुआ था।

'बोफ को ओरिजिनल स्क्रिप्ट (original script) में पढ़ा है या ट्रांसलेटेड वर्जन (translated version)'

उस आदमी ने अपना हाथ हटा लिया। 'ओरिजिनल' अंजनी बोली।

'ठीक है। उसने उसे एक चिट दी। इसे पढ़ कर जला देना।'

अंजनी को विस्मय हुआ और डर भी लगा।

'बोफ में मानती हो तो तुम्हे पता है की हमारा मिशन क्या है!'

अंजनी ने सर हिलाया।

'मैंने ही केयूर की मूर्ति चुराई थी' स्वप्रिल बोला।

'क्या' अंजनी के मुँह से अनायास ही निकल गया।

'मुझे तुम्हारी मदद चाहिए। ये चिट पढ़ लेना और मैं तुमसे फिर मिलूंगा' स्वप्रिल चुपचाप वहां से निकल गया।

अंजनी ने चिट देखा। वो क्योनिफोर्म लिपि थी जिसमे बोफ लिखी गयी थी। क्योनिफोर्म लिपि एक अंकन लिपि थी जिसमे चित्रों के द्वारा लिखा जाता था। केवल बोफ में मानने वाले लोग ही सामान्तया इस लिपि को पढ़ सकते थे। ये लिपि अब लिप्त हो चुकी थी। अब अल्फाबेट बेस्ड स्क्रिप्ट (alphabet based script) आ गयी थी और सभी लोग इन्ही का प्रयोग करते थे।

अंजनी ने चिट पढ़ी, 'तेजस से दोस्ती करो।' पहले लाइन पढ़ कर ही अंजनी हतप्रभ रह गयी। उसने जल्दी जल्दी पूरी चिट पढ़ ली। इससे पहले वो कुछ ज्यादा सोच पाती एक और हलचल हुई।

इस बार उसकी मालकिन तेजस की पत्नी उसके रूम में आ गयी थी। अंजनी ने उस चिट को अपनी मुठी में दबा लिया। उसकी मालकिन ने बहुत ही करुणा से देखा और अकस्मात् ही गले लगा लिया। वो एक ऐंजलन स्त्री थी और तकरीबन दो सो किलो वजनी थी। उसके इतने कस के आलिंगन से अंजनी के हाथ से वो चिट अनायास ही नीचे गिर गयी। उसकी मालकिन ने उससे कहा, 'मुझे माफ़ कर दो अंजनी'

'अरे मालकिन आप क्या कह रही है। अपने तो मेरी जान बचाई है'

'परन्तु मेरे पति पर पता नहीं क्या शैतान सवार हो गया है'

'कोई बात नहीं'
'तुम्हे मेरे साथ चलने में डर तो नहीं'

'नहीं मालकिन मैं और कहाँ जाउंगी'

'तुम चिंता मत करो मैं तुम्हे कुछ नहीं होने दूंगी' तेजस की पत्नी ने अंजनी को फिर से कस के गले लगा लिया।

अंजनी का ध्यान पूरी तरह से उस गिरी हुई चिट पर था। उसकी मालकिन की नज़र भी उस पर पड़ गयी। तेजस की पत्नी ने वो चिट उठाई और अंजनी को दे दी।
'ये बोफ का एक श्लोक है। मैं वो बोल रही थी। हम लोग जब मुसीबत में होते है तो बोलते है।' अंजनी ने फॉरेन सफाई दे दी।

'अरे कोई नहीं। ठीक है।' तेजस की पत्नी बोली। उसे कुछ शक नहीं हुआ क्यूंकि वो चिट उसी चित्राकार लिपि में थी जिसमे बोफ थी। उसे वो पढ़ना नहीं आता था। अधिकतर लोगों को वो लिपि पढ़नी नहीं आती थी।

जल्दी ही तेजस की पत्नी अंजनी को लेकर अपने घर आ गयी। परन्तु उसे नहीं पता था कि अब अंजनी शायद वो अंजनी नहीं थी जो उसके साथ पहले रह रही थी। इस अंजनी का अब एक मिशन था। बोफ में मानने वाले इतना ज्यादा समर्पित थे कि वो अपनी उस आस्था के लिए कुछ भी कर जायेंगे।

&

अध्याय सात - स्वप्निल का प्लान

तेजस अपने लैपटॉप पर काम कर रहा था। वो उन सब वीडियो का विश्लेषण कर रहा था जहाँ ऐंजलन लोगों ने फ्लेशी लोगों को तड़पा तड़पा कर मारा था और उनके घरों आदि सम्पति पर कब्जा कर लिया था। ये तांडव पिछले डेढ़ दिन से चल रहा था। परन्तु इतना समय होने के बावजूद भी उसे ना तो डॉक्टर औरक्षो का कुछ पता चला था और ना ही इस बारे में कि केयूर की उस मूर्ति को वो चोर कहाँ लेकर चला गया था ।

तेजस को अपने आप पर गुस्सा आ रहा था कि उसके होते हुए उस प्राचीन मंदिर में चोरी हो गयी थी। वो शायद केयूर की भक्ति में कुछ कमी कर बैठा था इसलिए केयूर ने उसे ये सजा दी थी। उसे जल्द ही उस मूर्ति को ढूंढ कर उसे निष्प्राण करना था। प्राण प्रतिष्ठित मूर्ति जो विखंडित हो गयी हो, पूरे इरीट्रिया के लिए अभिशापित थी।

तेजस को एक्वियन लोगों के भी फोन और मैसेज आए थे। उनके प्रधान अध्यक्ष जो लेनोगो शहर में रहते थे, एक ऐसा शहर जो समुद्र की गहराईयों में समुद्र के तल पर बसा हुआ था, उन्होंने भी तेजस से वादा किया था कि यदि केयूर की वो प्राण प्रतिष्ठित मूर्ति समुद्र में कहीं होगी तो वो एक्वियन लोग उसे ढूंढ लेंगे और तेजस को बता देंगे। सभी को पता था कि उस मूर्ति को निष्प्राण करने का मंत्र और तरीका महागुरु पुजारी ने केवल तेजस को बताया था।

तेजस अभी अपने इन्ही सब ख्यालों और दुविधाओं में उलझा हुआ था कि, उसे अपने कमरे में हलचल महसूस हुई। कोई धीरे धीरे उसकी तरफ बढ़ रहा था। तेजस को पता था वो कौन था।

'तुम यहाँ क्यों आयी हो' तेजस बिना मुड़े ही चीखा।

अंजनी लड़खड़ाते क़दमों से धीरे धीरे उसके पास आ रही थी। उसके स्टीट्चेस अभी ताजे थे और कल हुए उस भयानक हादसे के सारे चित्र उसे किसी मनहूस दुःस्वप्न की तरह बिलकुल साफ़ साफ़ दिख रहे थे।

'मैं आपसे माफ़ी मांगने आयी हूँ।'

तेजस अपनी कुर्सी से उठा और जल्दी से अंजनी के पास पहुँच गया। अंजनी ने बहुत ही विनम्रता से कहा 'मुझे मालूम पड़ा है कि महान केयूर देव की उस प्राचीन और सबसे प्रतिष्ठित मूर्ति को मेरे जैसे तुच्छ फ्लेशी लोगों ने अपवित्र करने की कोशिश की है।'

तेजस अचंभित था। ये तुच्छ अंजनी क्या कह रही थी। उसने उसे घुरा।

'मैं आपसे माफ़ी मांगती हूँ। मैं आपकी मदद करना चाहती हूँ।'

'तू मेरी क्या मदद करेगी। ' तेजस ने अंजनी को बहुत ही घृणा भाव से देखा।

'आप जो बोलेंगे। मैं जानती हूँ कि आप इन सब के बावजूद भी ...' अंजनी ने तेजस के लैपटॉप पर इशारा किया जहाँ फ्लेशी मर्दों को चुन चुन कर मारा जा रहा था और उनकी स्त्रियों का हर संभव अपमान किया जा रहा था। ये सारे वीडियो अब पूरी इरीट्रिया में सबसे ज्यादा वायरल हो रखे थे।

'आपको महान केयूर की वो प्राचीन मूर्ति नहीं मिल रही है।' अंजनी ने धीमे स्वर में अपनी बात पूरी कर दी।

वो दर्द में कराह रही थी। शायद खड़े खड़े उसके स्टिचेस में दर्द शुरू हो गया था। वो वैसे भी अपने कमरे से तेजस के कमरे तक चल कर आयी थी जो इस स्थिति में उसके लिए बहुत लम्बा सफर था।

'तुम बैठो।' तेजस ने अंजनी को सहारा दिया और पास ही अपने सोफे पर बैठा दिया। तेजस को वैसे अंजनी पर किये गए अपने प्रकोप की कोई ग्लानि नहीं थी।

'मालिक आपने मेरे साथ जो किया वो आपका अधिकार था इसलिए मेरे मन में आपके प्रति कोई क्रोध नहीं है।' अंजनी धीमे स्वर से बोली।

तेजस को वैसे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था कि अंजनी उस पर क्रोध करे या नहीं, परन्तु उसे अंजनी से ये सुन कर अच्छा लगा।

'मालिक मैं एक फ्लेशी हूँ और बोफ में मानती हूँ'

'ये बोफ ही सारे झगडे की जड़ है, इतने शैतानी धर्म में तुम लोग क्यों मानते हों'

'मालिक मैंने अस्पताल में बहुत सोचा। मैं इस नतीजे पर पहुंची यदि मेरा धर्म सच्चा होता तो मेरे साथ ऐसा क्यों हुआ। मैं तो बोफ की हर बात को अक्षरशः मानती हूँ।'

'क्योंकि महान केयूर में तुम लोग नहीं मानते। तुम शैतान के पुजारी हो'

'बिल्कुल मालिक मैं भी इसी नतीजे पर पहुंची। तब मैंने सोचा की मैं अपने इस पाप का जो इतने सालों मैंने बोफ जैसे शैतानी धर्म को मान कर किया है, उसका प्रायश्चित करूँगी। मैं आपकी मदद करूँगी'

'परन्तु तुम केयूर की उस मूर्ति को ढूंढने में मेरी क्या ही मदद कर सकती हो'

'मैं फ्लेशी हूँ और बोफ में मानती हूँ। मैं उन लोगों को ये बता सकती हूँ कि मुझे आप से बदला लेना है।'

'मैं कुछ समझा नहीं' तेजस गुस्से से बोला।

'मालिक सब लोगों ने आपका मेरे ऊपर अत्याचार करने वाला वीडियो देखा है। सभी को पता है कि मैं आपसे अब नफरत करूँगी।'

'तो उससे क्या फायदा हुआ'

'मालिक वो सब लोग आपसे भी बदला लेना चाहेंगे। क्योंकि शायद आप ही हैं जो उस मूर्ति को निष्प्राण कर सकते है।'

'तो' तेजस थोड़ा संशित हो रहा था।

'मालिक मैं उन्हें यकीन दिलाऊंगी की मैंने आपकी पत्नी का दिल जीता हुआ है, मैं आपके घर में रह रही हूँ। मैं आपकी खबर उन तक पहुंचाउंगी, और एक बार उनका थोड़ा सा विश्वास जीतते ही...'

'समझा तुम उनका विश्वास जीत लोगी तो सम्भव है तुम्हे उस मूर्ति का पता चल जाये।'

'जी मालिक'

अंजनी के चेहरे पर अलग सी चमक थी।

'परन्तु इन सब में बहुत समय लगेगा और क्या गारंटी है कि उसके बावजूद भी वो तुम्हे महान केयूर की उस प्रतिष्ठित मूर्ति या औरक्षो का पता बताये।'

'कोई गारंटी नहीं है मालिक परन्तु, इसमें नुकसान क्या है।'

तेजस सोच में पड़ गया। ये अंजनी को क्या हो गया था? कल तक जो बोफ में इतना ज्यादा मानती थी वो एक ही दिन में इतना बदल गयी। कही ये कोई गेम तो नहीं खेल रही। परन्तु ये तुच्छ अंजनी उसका क्या ही बिगाड़ पायेगी।

'अच्छा एक बात बताओ' तेजस बोला।

'जी मालिक'

'बोफ धर्म में सबसे प्रमुख क्या है? जैसे हम महान केयूर में मानते है। उनकी प्राण प्रतिष्ठित मूर्ति के मंदिर में जाकर अपनी पूजा अर्चना करते है और वो प्राण प्रतिष्ठित मूर्ति हमारे पापों को हर लेती है।'

'मालिक ऐसा माना जाता है कि बहुत से वर्षो पहले, आदि काल में स्वयं भगवान् ने अपना साकार पुत्र पैगम्बर कृष्णदेवरि के रूप में इस धरा पर

भेजा। फिर भगवान् ने पैगम्बर कृष्णदेवरि को आकाशवाणी द्वारा एक ग्रन्थ लिखवाया जिसे हम श्रुति ग्रन्थ कहते है। यह ही बोफ की मुख्य पुस्तक है, और हम मानते है इस धर्मग्रन्थ में जो लिखा हुआ है वो इस धरा पर होगा।'

'और इस श्रुति ग्रन्थ में आने वाले कल की भविष्यवाणी है।' तेजस ने घृणा भाव से कहा।

'हाँ मालिक। इसमें वो सभी बातें लिखी हुई है जो इस धरा जिसे हम रश्मि धरा, लैंड ऑफ़ लाइट कहते है, उस पर घटित होंगी।'

'रश्मि धरा यानि रौशनी की दुनिया'

'हाँ मालिक। क्योंकि भगवन के पुत्र ने यहाँ इस धरा पर अज्ञान रूपी अँधेरे को दूर करने के लिए बोफ के श्रुति ग्रन्थ से रौशनी फैला दी।'

'ठीक है। परन्तु फिर तुम इतने साल इसमें मानने के बाद एक ही दिन में इस श्रुति ग्रन्थ को मानने से इंकार कर रही हो।' तेजस ने संदेह पूर्ण दृष्टि से अंजनी को देखा।

'हाँ मालिक। मैंने सोचा यदि श्रुति ग्रन्थ सच्चा होता, और उसकी धर्म वर्तिका सच्ची होती तो मेरे साथ ये ना हुआ होता' अंजनी ने अपने जांघो की तरफ हाथ करते हुए कहा।

'धर्म वर्तिका' तेजस ने अचंभित स्वर में कहा। उसे इस बात से भी घृणा थी कि इन फ्लेशी लोगों ने ना सिर्फ शैतान का धर्म अपनाया हुआ था अपितु इतने आडम्बर भी फैला रखे थे।

'मालिक हमारे पैगम्बर कृष्णदेवरि को भगवान् ने जो भी कहा वो श्रुति-ग्रन्थ में भगवन पुत्र कृष्णदेवरि ने स्वयं लिखा। इसलिए बोफ धर्म में श्रुति-ग्रन्थ सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। कृष्णदेवरि ने जो समय इस धरा पर बिताया, उसमे आठ सिद्धांत दिए। उन्हें उनके अनुयायी लोगों ने लिखा। जैसे पूजा कैसे करनी है उसका धर्म वर्तिका, आय या धन कैसे कामना है क्या काम कर सकते है क्या नहीं उसके लिए अर्थ वर्तिका, शादी, उत्तराधिकार आदि के लिए व्यवहार वर्तिका, अपराधियों को दंड देने के लिए दंड वर्तिका और'

'बस बस मुझे इतना इस शैतानी धर्म का ज्ञान नहीं चाहिए। तो कुल मिला कर कितनी वर्तिका हैं।'

'आठ वर्तिका हैं'

'हम्म तो ये नो किताबें, अर्थात श्रुति ग्रन्थ और आठ वर्तिका ये नो किताबें तुम लोगों के लिए भगवान् है।'

'जी मालिक।'

तेजस के दिमाग में अति क्रूर विचार आ गया था।

'ठीक है, मैं तेरी बात मान लेता हूँ। परन्तु...'

'परन्तु क्या मालिक'

'तुझे साबित करना होगा कि तू वाकई इस शैतानी धर्म में नहीं मानती'

'बोलिये मालिक मैं क्या करू' अंजनी थोड़ा गंभीर होते हुए बोली। उसके शरीर में अभी भी बहुत दर्द था।

'तू अपनी ये सारी किताबें लेकर मुझे बाहर गार्डन में मिल' तेजस ने कहा और उठ कर बगीचे की ओर चल दिया। तेजस का घर बहुत बड़ा था और उसके बाहर एक सुन्दर उद्यान था।

अंजनी धीरे धीरे उठ कर अपने कमरे में गयी और बोफ धर्म की सारी नो किताबें, श्रुति ग्रन्थ जो एक सुनहरे कवर की किताब थी के साथ साथ बाकि आठ वर्तिकाएं भी उसने उठा ली। हालाँकि वो अत्यधिक दर्द में थी और वो नो किताबें बहुत भारी परन्तु फिर भी उसमे शायद किसी मकसद को लेकर अति उत्साह था, और उसने उसमे एक अलग सी ही शक्ति भर दी थी।

जल्द ही अंजनी श्रुति ग्रन्थ और आठ वार्तिकाओं को लेकर बगीचे में आ गयी जहाँ तेजस खड़ा था। उसकी पत्नी भी वहाँ आ गयी थी। उसे नहीं पता था कि उसका पति अब क्या करेगा।

'इन शैतानी किताबों को नीचे एक साथ रख दो' तेजस खूंखार स्वर में बोला।

अंजनी ने बहुत ही मुश्किल से वो किताबें नीचे रख दी। उसके स्टिचेस में अब बहुत दर्द हो रहा था और शायद खून भी रिसना शुरू हो गया था। परन्तु अंजनी के चेहरे पर शिकन नहीं थी। उसे अपने किसी ख़ास ही मकसद को पूरा करना था।

तेजस ने फिर अपनी पैंट की पॉकेट से एक माचिस का डिब्बा निकाला और अंजनी की ओर बढ़ा दिया।

'जला दो इन्हें' तेजस ने अति गंभीर और आदेशात्मक स्वर में कहा।

तेजस की पत्नी पूरी तरह से विस्मित थी। उसे नहीं लगा था कि अंजनी इन किताबों को जला भी पायेगी। जब वो अस्पताल से उसे लेकर आ रही थी तब भी तो अंजनी कोई बोफ का मंत्र ही पढ़ रही थी। परन्तु तेजस की पत्नी को तब सबसे ज्यादा आश्चर्य हुआ जब उसने देखा की अंजनी ने बिना किसी झिझक के एक पल में ही माचिस जलाई और उन किताबों को जला डाला।

वो किताबें धु-धु करके जल रही थी। ये अंजनी को क्या हो गया था। तेजस के चेहरे पर ख़ुशी थी। क्या वाकई उसके एक कदम ने इस अंजनी को बदल दिया था। यदि ऐसा था तो ये सभी फ्लेशी औरतों के साथ होना चाहिए क्या पता वो सब भी बोफ जैसे शैतानी धर्म को छोड़ दे। तेजस अपने आप में बहुत खुश था।

अंजनी का चेहरा बाहर से पूरी तरह सामान्य था। तेजस और उसकी पत्नी, अंजनी के अंतर्मन के द्वन्द को नहीं समझ पा रहे थे। वो मन ही मन सत्यदेवस्य नाम्ना का जाप कर रही थी। उसका मकसद कुछ बहुत ही खतरनाक था।

तेजस ने उसे बहुत ही हल्के में ले लिया था। हाथी भी अपने घमंड में जान नहीं पाता कि एक छोटी सी चींटी उसकी मौत का कारण बन सकती थी। अंजनी ने अब ठान लिया था उसे क्या करना था। स्वप्रिल ने उसे कोई प्लान बता दिया था और शायद उस प्लान पर अमल करने के लिए वो अब पूरी तरह से कटिबद्ध थी।

तेजस को शायद महान केयूर का वो दंड मन्त्र नहीं पढ़ना चाहिए था। उस मंत्र ने उसी को दण्डित करना शुरू कर दिया था। अब वो एक के बाद एक

गलत फैसले ले रहा था। सबसे पहले एक स्त्री का मान भंग करना, फिर पूरे अल्फा हेप्टेड देश में इतने कत्ले आम करा देना वो धीरे धीरे स्वयं ही पाप के रस्ते पर चल चुका था और इस महान भक्त का एक भयावह अंत शायद अब होने वाला था।

&

अध्याय आठ - फ्लेशी का कत्ले आम

स्वप्रिल छुपते छुपाते अपने घर के पास पहुंचा। उसके पिता को ऐंजलन गुंडों ने तड़पा तड़पा कर मार डाला था और उसकी माँ और बहन को बंदी बना रखा था। उन दोनों स्त्रियों पर उन लोगों ने अकल्पनीय अत्याचार किये थे। वो कल से ही उसी के घर पर थे। स्वप्रिल को अपने लैपटॉप और बाकि चीजों की जरुरत थी। उसे किसी भी तरह अपने घर पर जाकर वो सब लेकर आना था।

उसे एक हज़ार करोड़ देणार की व्यवस्था जल्दी ही करनी थी। क्योंकि वो बीटा हेप्टेड का स्मगलर ज्यादा इंतज़ार नहीं करेगा। उसे ये बहुत ही बड़ी रकम जल्दी देनी होगी ताकि वो सुपर राकेट डायना के सभी पार्ट्स जल्दी ही डॉक्टर औरक्षो को दे दे। डॉक्टर औरक्षो को भी उन सबको जोड़ कर राकेट को लांच करने में समय लगेगा।

साथ ही तेजस और पूरी अल्फा हेप्टेड की मिलिट्री औरक्षो को ढूंढ रही थी।

स्वप्रिल कैसे अपने घर में घुसे। उसे कुछ जुगाड़ जल्दी ही करना था। उसकी बस एक ही उम्मीद थी कि ये ऐंजलन गुंडे थोड़ा भटक जाये और वो अपने घर में घुस पाए। स्वप्रिल इन्ही सब उलझनों से झूझ रहा था कि उसकी कलाई पर बंधे कम्युनिकेशन डिवाइस पर एक अननोन नंबर से मैसेज आया।

ये डिवाइस ह्यूमन बॉडी के टच पर रहने से अपने आप चार्ज होती रहती थी, इसलिए इन डिवाइस को चार्ज होने के लिए कोई और स्त्रोत की जरुरत नहीं होती थी। इसलिए ये आज कल पूरे इरीट्रिया में बहुत ज्यादा कॉमन थी और तक़रीबन सभी लोग इस पर निर्भर हो चुके थे और बिना इसके नहीं रह सकते थे।

डॉक्टर औरक्षो जैसे कुछ लोग जो अंडरग्राउंड थे वो इस प्रकार की डिवाइस से दूर रहते थे। क्योंकि ये डिवाइस उनकी लोकेशन का भांडा फोड़ सकती थी।

मैसेज था 'आल डन'

स्वप्रिल समझ गया था ये मैसेज अंजनी ने उसे तेजस की पत्नी की कम्युनिकेशन डिवाइस से भेजा होगा और फिर वो मैसेज परमानेंटली डिलीट कर दिया होगा। मैसेज पढ़ते ही वो मैसेज स्वप्रिल की डिवाइस से भी डिलीट हो गया था। स्वप्रिल का प्लान काम कर रहा था। अंजनी ने तेजस को कन्विंस कर लिया था।

परन्तु स्वप्रिल जानता था कि इतनी आसानी से तेजस अंजनी पर भरोसा नहीं करेगा। स्वप्रिल को कुछ ऐसा करना था जिससे अंजनी तेजस की बिलकुल ही विश्वास पात्र हो जाये। जब से तेजस ने अंजनी पर घोर अत्याचार का वीडियो वायरल किया था और ये ऐलान किया था कि सभी फ्लेशी का कत्लेआम कर दिया जाए, ऐंजलन और सेन्टॉरस गुंडों में होड़ लग गयी थी कौन फ्लेशी लोगों पर ज्यादा अत्याचार कर सकता था। फ्लेशी मर्दों को तड़पा तड़पा कर मार डालना और उसका वीडियो वायरल करना, फ्लेशी स्त्रियों को गुलामों की भांति रखना और उन पर हर तरह का शारीरिक शोषण करना पिछले दो दिनों से आम हो गया था।

फ्लेशी की सम्पति, चाहे उनका सोना, गाड़ियां आदि जो भी हो सभी इन ऐंजलन और सेन्टॉरस गुंडों ने छीन लिया था। फ्लेशी लोगों की पुलिस या लोकल प्रशासन कोई मदद नहीं कर रहा था। फ्लेशी के मकानों पर उन लोगों ने कब्जा कर लिया था।

स्वप्रिल धीरे धीरे अपनी घर की तरफ बढ़ा। वो एक ही माले का छोटा सा मकान था। वो पूरी कॉलोनी फ्लेशी कॉलोनी थी। अधिकतर वहां फ्लेशी लोग रहते थे। सभी के छोटे छोटे से एक या ज्यादा से ज्यादा दो कमरे का छोटा मकान होता था।

इन ऐंजलन गुंडों ने वहां बहुत से फ्लेशी लोगों को मारा था, कुछ को जिन्दा जला कर, कुछ को हवा में बहुत ऊँचा ले जाकर नीचे फेंक दिया, कुछ के सर अपने हाथों से खींच कर धड़ से अलग कर दिए, कुछ के सर फोड़ दिए, कई औरतों और बच्चो को भी वीभत्स तरीके से मार डाला था, इन सबसे उस छोटी और घनी कॉलोनी में अजीब सी बदबू हो गयी थी।

ये ऐंजलन लोग खुद भी अब उस बदबू और उन लाशों से उकता गए थे। फ्लेशी स्त्रियों पर कई बार शारीरिक शोषण करते हुए भी वो थक गए थे। धीरे धीरे अधिकतर ऐंजलन उस कत्ले आम के बाद, जो भी चल संपत्ति हाथ लगी उसे लेकर जाने लगे। बहुत से लोगों को सुन्दर फ्लेशी स्त्रियां भी बहुत पसंद आ गयी थी, वो उन्हें भी उठा कर ले जा रहे थे।

स्वप्रिल ने देखा उसकी बहन को वो ऐंजलन अपने एक हाथ में उठा कर उड़ने ही वाला था और उसने अपने बाकि तीन हाथों में स्वप्रिल के घर से मिले थोड़े बहुत सोने और चांदी के जेवर, कुछ हज़ार देणार, और टेलीविज़न आदि कुछ इलेक्ट्रॉनिक आइटम और उसका लैपटॉप था। स्वप्रिल को वो लैपटॉप चाहिए था।

स्वप्रिल ने देखा कि उसकी बहन का कम्युनिकेशन डिवाइस उस ऐंजलन गुंडे ने अपने हाथ में बांध लिया था। उनके पास वैसे भी चार हाथ थे और वो कम से कम चार ऐसे डिवाइस तो बांध ही सकते थे। परन्तु उसने यहीं एक गलती कर दी थी। स्वप्रिल ने अपने घर की सभी कम्युनिकेशन डिवाइस में एक मिनी बम

लगा रहा था। क्योंकि औरक्षो ने उन्हें इतने खतरनाक मिशन पर लगा रहा था कि कभी भी वो लोग पकडे जा सकते थे।

स्वप्निल ने अपनी कम्युनिकेशन डिवाइस से एक मैसेज भेजा। ये एक स्पेशल मैसेज था और मैसेज मिलते ही उसकी बहन की डिवाइस पर वो मिनी बम ट्रिगर हो गया और कम्युनिकेशन डिवाइस में ब्लास्ट हो गया। उस ऐंजलन का हाथ उस ब्लास्ट में बुरी तरह जल गया। वो कराह उठा। उसने स्वप्निल की बहन और बाकि सभी सामान को नीचे गिरा दिया। वो अपने उस झुलसे हुए हाथ को लेकर फॉरेन उड़ गया। उसे किसी झील या बड़े जल स्त्रोत की तलाश थी। वो वैसे भी इन लोगों पर अत्याचार करके थक गया था और इस झुलसे हुए हाथ की पीड़ा को भी उसे जल्द ही दूर करना था , इसलिए वो वहां से उड़ गया। एक दूसरा ऐंजलन जो उनके घर में था वो शायद ख़ुशी के मारे कुछ ज्यादा ही शराब पी चुका था और आधी बेहोशी की हालत में था।

स्वप्निल जहाँ छुपा था वहां से भाग कर अपने घर पर आ गया। उसकी बहन ने उसे बहुत ही हताशा और उदासी के भाव से देखा और रुआंसे भरे स्वर में कहा, 'ये दरिंदे' वो आगे कुछ बोल भी नहीं पाई और जोर जोर से रोने लगी।

'तुम चिंता मत करो। चलो मेरे साथ'

'माँ'

'उन्हें रहने दो' स्वप्निल जल्दी जल्दी बोला। उसके पास समय कम था क्योंकि अब कभी भी बाकि ऐंजलन जो आस पास में थे आ सकते थे। उसे वहां से जल्दी से निकलना होगा। उसने अपना लैपटॉप और कुछ जरुरी चीजे जल्दी जल्दी ली। उसने अपनी माँ को देखा जो बेहद उदास और हताश बैठी थी। वो अपने मृत पति को उन लाशों के ढेर में कहीं निहार रही थी। स्वप्निल उनसे मिलकर

उन्हें दिलासा देना चाहता था परन्तु अभी उसका समय नहीं था। वो इन ऐंजलन के कब्जे में नहीं आ सकता था। उसने फॉरेन ही अपनी जरुरत का सामान, वो पैसा और सोने चांदी के जेवर और अपनी बहन को लिया और वहां से भाग गया।

जल्दी ही वो लोग भागते हुए किन्ही मोटी झाड़ियों के झुरमुट में छुप गए। वैसे भी ऐंजलन गुंडों ने उस पूरी कॉलोनी को तकरीबन शमशानघाट बना ही दिया था और वो लोग भी इतना कत्ले आम करके थक चुके थे। जिसके हाथ में जो आया, सोना, चांदी, पैसा, सुन्दर लड़की, कोई फ्लेशी पुरुष जिनसे वो घर के काम करवा सकते थे, कुछ फ्लेशी बच्चे आदि जिसको जो समझ पड़ा वो उसे लूट कर अपने साथ ले गया। कुछ ऐंजलन लोग बड़े बड़े ट्रक ले आये थे और उसमे इन लोगों को भर कर ले जा रहे थे।

वो एक बहुत ही भयावह दृश्य था जहाँ केयूर के भक्त, बोफ में मानने वाले आस्तिकों के साथ खुनी होली खेल रहे थे। यदि कोई एक भगवान् था तो वो ये देख कर दंग था कि कैसे उसके नाम पर ये अत्याचार हो रहा था। स्वप्रिल का अपने धर्म बोफ में और आस्था बढ़ गयी थी। उसमे लिखा हुआ था कि ये शैतान लोग पागल हो जायेंगे और आस्तिकों पर घनघोर अत्याचार होगा। ये संकेत था महरश्मि रथ को भेज कर भगवन पुत्र को बुलाने का।

स्वप्रिल ने अपनी बहन को देखा जो बहुत ज्यादा उदास थी। शायद वो रो रो कर थक चुकी थी इसलिए वो रो नहीं रही थी।

'चिंता मत करो जल्द ही ये सब ख़तम हो जायेगा।'

'भैया सब कुछ वैसे भी ख़त्म हो चुका है।' उसकी बहन धीमे और ग़मगीन स्वर में बोली।

'बहना ये सब होना ही था। यदि ये अत्याचार नहीं होते तो फिर सन ऑफ गॉड क्यों आते।'

उसकी बहन चुप ही रही। उसे बहुत ज्यादा बोफ के बारे में नहीं पता था। हालाँकि वो भी बोफ में मानती थी।

'हम फ्लेशी लोग पूरे ग्रह की आबादी का शायद एक प्रतिशत भी नहीं है। इसलिए हमे ही उस सच्चे भगवान् ने ये मौका दिया है कि हम सन आफ गॉड को बुलाये। वो हमारी मदद करेगा और उनके आने के बाद केवल बोफ ही इस धरा पर एक मात्र धर्म रह जायेगा।'

स्वप्रिल की बहन को इन सबमे कुछ ज्यादा रुचि नहीं थी। वो बस इस बेहद बुरे शारीरिक अत्याचार से थक गयी थी। उसकी तबियत ख़राब भी हो रही थी। उसे बहुत ही बुरी तरह से रौंदा गया था। उसे अस्पताल और वैध की जरुरत थी।

स्वप्रिल को समझ आ गया था कि वो अपनी ही दुनिया में है। उसे अपनी बहन को इन प्रवचन देने के बजाये ये सोचना था कि वो उसे कैसे किसी अस्पताल ले जाये।

स्वप्रिल ने अपने एक मित्र को फोन लगाया।

'मुझे अपनी बहन को किसी वैध के पास ले जाना है। सर्न शहर में कौनसा अस्पताल फ्लेशी लोगों के लिए सेफ है'

'दोस्त। तुम किसी भी अस्पताल में मत जाओ। वहां के ऐंजलन स्टाफ जान बुझ कर फ्लेशी लोगों को मार रहे है।'

स्वप्रिल बहुत ज्यादा घबरा गया।

उसके दोस्त ने आगे कहा 'एक फ्लेशी है जिसे मेडिकल प्रोसेस की अच्छी जानकारी है। वो सर्न शहर की चकाचौंध से दूर एक सबर्ब में रहता है। मैं एड्रेस भेज रहा हूँ वहां पहुँच जाओ। वो मदद करेगा। मैं उसे बोल देता हूँ।'

'धन्यवाद दोस्त।' स्वप्रिल की थोड़ी जान में जान आयी।

जल्दी ही उसके दोस्त ने उसे एड्रेस भेज दिया था। स्वप्रिल जैसे तैसे अपनी बहन को लेकर उस आदमी के पास पहुँच गया और उसने स्वप्रिल की मदद कर दी।

उसने उसकी बहन के स्टीट्चेस भी लगा दिए थे और जहाँ जहाँ उसे काटा गया वहां पर पट्टियां भी कर दी थी। स्वप्रिल भी पहली बार बहुत देर तक सोया था। उसको उस आदमी ने अच्छा खाना भी दे दिया था। स्वप्रिल को इस रेस्ट की बहुत ज्यादा आवश्यकता थी।

स्वप्रिल को पता था उसे अब क्या करना है। इस आराम ने उसे पुनः ऊर्जावान कर दिया था।

परन्तु बाकि फ्लेशी लोग इतने खुशनसीब नहीं थे। अनेकों ऐंजलन के साथ साथ सेन्टॉरस भी अब उन लोगों के ऊपर जो मन चाहा वैसा अत्याचार कर रहे थे। इन दो दिनों में सर्न शहर में फ्लेशी की आबादी शायद दस प्रतिशत कम हो गयी थी।

&

अध्याय नो- अंजनी की साजिश

फ्लेशी पर अत्याचार का सिलसिला बढ़ता ही जा रहा था। पिछले दो दिनों से फ्लेशी लोगों पर हर संभव अत्याचार किया गया था। किसी भी पुलिस स्टेशन में उन लोगों की कोई सुनवाई नहीं हो रही थी। यहाँ तक कि कुछ थोड़े बहुत अमीर फ्लेशी लोग शहर छोड़ कर अंडरग्राउंड हो चुके थे। कुछ लोग तो बीटा हेप्टेड; पास के पडोसी देश; में चले गए थे। बीटा हेप्टेड में लोग थोड़े कम आक्रामक थे। परन्तु वहां भी फ्लेशी लोगों को हेय की दृष्टि से ही देखा जा रहा था।

इस सब अत्याचार का वीडियो लोग बड़ी संख्या में तेजस को भेज रहे थे। तेजस फिर भी दुखी ही था, क्योंकि इन सबसे वो अपने लक्ष्य की तरफ नहीं पहुँच पा रहा था। उसे किसी भी तरह से महान केयूर की वो पवित्र परन्तु विखंडित मूर्ति ढूंढनी थी। उसने यदि जल्द ही उसे निष्प्राण नहीं किया तो कहीं पूरे इरीट्रिया को ही केयूर का कहर ना झेलना पड़ जाये। तेजस अजीब सी दुविधा में फस गया था।

तभी धीरे धीरे चलती हुई अंजनी उसके पीछे आयी।

'बोलो' तेजस बिना पीछे मुड़े ही बोला। वो अपने लैपटॉप पर काम कर रहा था। वो सारे अत्याचार, आगजनी और क्रूरता भरे वीडियो उसके सामने चल रहे थे।

'आप आज्ञा दे दो मैं कुछ सुझाव देने की धृष्टता करूँ।' अंजनी ने मृदु भाव से कहा।

'बोलो' तेजस की आक्रामकता अब अंजनी के प्रति थोड़ी कम हो गयी थी। उसे या तो उस पर किये गए अत्याचार के कारण उस पर दया आ रही थी या

केयूर का कहर था जो उसकी मति भ्रष्ट किये हुए था। पहले उसने एक स्त्री का मांग भंग किया फिर पूरे सर्न शहर में अनेकों मासूम लोगों पर वीभत्स अत्याचार करवाया और अब वो अंजनी के बिछाये जाल में फसने जा रहा था। केयूर उसे दंड मंत्र पढ़ने का दंड दे रहे थे या उनकी मूर्ति की रक्षा ना करने का, ये कहना तो मुश्किल था।

अंजनी तेजस के बिलकुल पास आ गयी थी और धीरे धीरे उसने तेजस के लैपटॉप को देखकर कहा 'इन सब अत्याचारों से कुछ नहीं होगा।'

तेजस को अंजनी का इतना पास आना थोड़ा खटक रहा था। उसने दो दिन पहले इसके कोमल बदन को तार तार किया था और वो अभी तक दर्द में थी फिर भी वो इतनी दुस्साहसी हरकत कर रही थी। ये तेजस को थोड़ा विस्मित और शंकित कर रहा था। तेजस अपनी कुर्सी पर ही थोड़ा सा पीछे हुआ और उसने अंजनी से कहा 'तो मैं क्या करु'

तेजस की पत्नी दरवाजे पर खड़ी अंजनी को तेजस से इतना चिपक कर बात करते देख रही थी। वो एक स्त्री थी और उसे अंजनी की ये हरकते कुछ ठीक नहीं लग रही थी। उसे समझ आ रहा था कि उसके पति को अंजनी भटका रही थी। अंजनी अस्पताल से आते हुए भी बोफ का श्लोक पढ़ रही थी और घर आते ही एक झटके में उसने बोफ जला दी। अब वो तेजस के इतने पास जा रही थी, जबकि उसकी तबियत तो ख़राब थी और तेजस ने उसको ना सिर्फ शारीरिक पीड़ा दी थी परन्तु बहुत भारी मानसिक आघात भी पहुँचाया था। उसका ये व्यवहार बिलकुल भी सामान्य नहीं था। तेजस की पत्नी को लग गया उसे अपने पति को अंजनी से बचाना होगा। वो कुछ बहुत गहरा षड़यंत्र रचने वाली थी।

अंजनी तेजस के पास आ गयी, उसने तेजस की पत्नी को भी दरवाजे पर देख लिया था। उसके बावजूद वो नहीं रुकी। वो तेजस के कान के पास

फुसफुसाते हुए बहुत ही मोहक अंदाज में बोली, 'इन फ्लेशी की सारी संपत्ति पर आप कब्ज़ा कर लो। इनके मकानों को नीलाम करवा दो, गाड़ियाँ आदि बेच दो और सारा पैसा अपने अकाउंट में डलवा लो।'

'क्या' तेजस को अंजनी का सुझाव बहुत पसंद आया परन्तु वो फिर भी उसको पूरा समझना चाहता था।

'क्योंकि भले ही उस औरक्षो ने केयूर की महान मूर्ति हासिल कर ली होगी, उसे राकेट बनाने के लिए कुछ देणार तो चाहिए होंगे' अंजनी ने बहुत ही कुटिलता भरे स्वर में कहा।

'तुम्हे कैसे पता वो राकेट बना रहा है।' तेजस थोड़ा संशित होते हुए बोला।

'बोफ में लिखा है कि अब समय आने वाला है जब महरश्मिरथ भेजना होगा ताकि भगवन पुत्र - सन आफ गॉड - रश्मि धरा - यानि इस धरती पर आ सके।'

तेजस को ये बात भरत भी बता चुका था। अंजनी वैसे भी बोफ में मानती थी इसलिए तेजस को कुछ शक नहीं हुआ। परन्तु वो शायद ये साधारण सी बात नहीं देख पा रहा था जो उसकी पत्नी को दिख रही थी कि अंजनी पिछले दो दिन में बहुत ज्यादा बदल चुकी थी। यदि केयूर ने उसकी बुद्धि भ्रष्ट नहीं की होती तो वो देख लेता की अंजनी उसके साथ क्या खेल खेल रही थी।

तेजस की पत्नी को उन दोनों की बातें तो नहीं सुनाई दे रही थी परन्तु वो ये देख सकती थी कि तेजस कुर्सी पर बैठा हुआ है और अंजनी अब उसकी गोद में बैठी थी और उसके कानो में फुसफुसा रही थी।

वो गुस्से से लाल हो गयी थी। उसे इस बात का और भी गुस्सा आ रहा था कि अंजनी ने उसे देख लिया था फिर भी उसने लेश मात्र भी लज्जा नहीं दिखाई थी।

तेजस अंजनी को कुछ बोलने वाला था परन्तु तभी उसकी पत्नी ने आकर अंजनी को एक झटके से तेजस की गोद से उठा लिया और उसे नीचे जमीन पर फैक दिया। अंजनी दर्द से कराह उठी।

'ये क्या हरकत है' तेजस बेहद क्रोध में बोला।

'तुम्हे पता नहीं है ये...' तेजस की पत्नी कुछ बोलने वाली थी।

तेजस ने उसे एक जोर का थप्पड़ मार दिया। 'तुम बाहर जाओ। हम कुछ महत्वपूर्ण बातें कर रहे हैं।' तेजस चीखा।

तेजस की पत्नी के पांव तले जमीन निकल गयी। उसे गुस्सा इस बाद से नहीं आ रहा था कि तेजस ने उसे थप्पड़ मारा था परन्तु उसे ज्यादा गुस्सा अंजनी को देखकर आ रहा था जो जमीन पर पड़े पड़े कुटिलता पूर्वक मुस्कुरा रही थी। उसने तेजस को उससे दूर कर दिया था। ये कैसे संभव था। ये अदनी सी नौकरानी, ये तुच्छ फ्लेशी ये उसके पति पर इतना प्रभाव कैसे डाल सकती थी। उसने उस पर क्या जादू कर दिया था।

तेजस ने हाथ देकर अंजनी को उठाया और उसे अपनी कुर्सी पर बैठा दिया। फिर वो अपनी पत्नी को लेकर वहां से बाहर चला गया। तेजस अपनी पत्नी को दूसरे कमरे में ले गया।

'मेरी प्रियतमा मुझे माफ़ कर दो।' तेजस ने बिलकुल ही मृदु स्वर में माफ़ी मांगते हुए बोला।

तेजस की पत्नी पूरी तरह से विस्मित हो चुकी थी।

'मुझे पता है ये तुच्छ फ्लेशी मुझसे बदला लेने के लिए ही इस घर में आयी है। वो अपने मानभंग को भूली नहीं है।' तेजस ने कहा।

उसकी पत्नी कुछ नहीं बोली। वो अपने पति को एक टक देख रही थी। उसका पति इतना भी मुर्ख नहीं था। उसे पता था कि अंजनी खेल खेल रही थी।

तेजस ने अपनी पत्नी को अपनी बाँहों में भरा और कहा 'मुझे पता है प्रिय तुम मेरी बहुत ज्यादा चिंता करती हो। मैं तुमसे अटूट प्रेम करता हूँ। परन्तु अभी मुझे ये नाटक करना होगा। मुझे उस नागिन का प्लान समझना होगा। आखिर वो चाहती क्या है और हो सकता है इसी के जरिये में केयूर की मूर्ति तक पहुँच जाऊं।'

तेजस की पत्नी ने अपने पति को बहुत जोर से आलिंगन किया। वो कितना गलत सोच रही थी। उसका पति शातिर भी था और उसके प्रति वफादार भी। इन तुच्छ लोगों को सजा मिलनी ही चाहिए। अब उसे अंजनी पर अपने पति के द्वारा किया हुआ अत्याचार कुछ गलत नहीं लग रहा था। ये लोग इसी के हकदार थे।

'मैं सिर्फ उस नागिन को इस छलावे में रखना चाहता हूँ कि मैं उसके जाल में फस रहा हूँ। मुझे पता है वो बोफ को इतनी जल्दी नहीं भूल सकती। एक दिन में कोई भी अपने धर्म से इतनी नफरत नहीं कर सकता की उसकी सबसे

पवित्र पुस्तक को जला दे। मैंने उस मुर्ख अंजनी का इम्तिहान लिया था। वो उसमे फेल हो गयी।'

तेजस की पत्नी ने फिर से अपने पति को जोर से आलिंगन किया। उसे अब अपने ऊपर ही ग्लानि हो रही थी। उसका पति सिर्फ उस अंजनी को ये विश्वास दिलाने के लिए कि वो उसके जाल में फस रहा था, उसने ये सब नाटक किया था।

'अब मुझे उसके पास जाने दो। समझने दो उसका प्लान क्या है।' तेजस बोला।

तेजस की पत्नी ने उसे फिर से जोर से अपनी बाहों में भर लिया।

तेजस शातिर था और बहुत तेज, परन्तु उसने जो सबसे बड़ी गलती कर दी थी वो ये थी कि उसने अंजनी को बहुत ही हल्के में लिया था। उसने एक गलती और भी कर दी थी। उसका लैपटॉप अभी अनलॉक था और वो अंजनी को अपनी कुर्सी पर बैठा कर बहुत देर से अपनी पत्नी के साथ दूसरे कमरे में था।

अंजनी को स्वप्निल ने जो कोड दिया था उसमे उसने उसे यही कहा था कि उसे इस लैपटॉप में किसी तरह एक वायरस घुसाना था। अंजनी को समय मिल गया था। उसने वो सब इंस्ट्रक्शंस अच्छे से याद कर लिया थे। उसने लैपटॉप की सेटिंग खोली और वहां पर वो कोड लिख दिया। फिर उसने इंटरनेट पर एक विशेष वेबसाइट से एक सॉफ्टवेयर डाउनलोड किया और उसे रन कर दिया। तेजस का लैपटॉप हैक हो गया था। स्वप्निल के पास मैसेज आ गया था की अंजनी ने अपना काम कर दिया है।

अंजनी एक तुच्छ चींटी तेजस रुपी हाथी के सूंड में घुसने की तैयारी कर चुकी थी।

तेजस उस कमरे में आया तो उसने अंजनी को अपने लैपटॉप में वो वीडियो देखते हुए देखा जिसमे अनेकों फ्लेशी मर्दों को मारा जा रहा था, फ्लेशी स्त्रियों को नग्न करके लोग गलियों में घुमा रहे थे और उन पर हर तरह का अत्याचार कर रहे थे। अनेकों ऐंजलन और सेन्टॉरस पुरुष उनके साथ अनेकों बार कुकर्म कर रहे थे। छोटे बच्चो को भी बहुत ही बेरहमी से मारा जा रहा था।

'गुस्सा आ रहा ये देख कर' तेजस ने कटाक्ष भरे स्वर में कहा।

'नहीं मुझे लग रहा है मैं कितना गलत थी। यदि बोफ सच्ची होती तो ये इनके साथ क्यों होता।' अंजनी ने मृदु स्वर में कहा।

'तुम लोग शैतान की पूजा करते हो। ये जो हो रहा ये भी बहुत कम है।' तेजस ने बोला और अंजनी को कुर्सी से उठाकर खुद उसकी जगह बैठ गया। उसने अंजनी को अपनी गोद में बैठा लिया।

'तुम क्या कह रही थी' तेजस ने अंजनी को अपने और पास खींचते हुए बोला।

अंजनी तेजस के कान के पास पर आकर फुसफुसाई 'आप फ्लेशी लोगों पर ये अत्याचार कर रहे हो ये तो ठीक है परन्तु उनकी सारी संपत्ति अपने अकाउंट में मंगवा लो'

'उससे क्या फायदा' तेजस को ये सुझाव बहुत अच्छा लग रहा था परन्तु वो अंजनी का पूरा प्लान सुनना चाहता था।

'उससे ये होगा की औरक्षो को फिर फ्लेशी लोग जो थोड़ा बहुत भी सहयोग कर पा रहे होंगे रुक जायेगा।'

'परन्तु फिर भी उससे मुझे कैसे पता चलेगा की औरक्षो कहाँ है'

'अरे मालिक, औरक्षो को फिर डेस्पेरशन (desperation) में पैसे लेने के लिए कोई ऐसा कदम उठाना पड़ेगा जो उसकी लोकेशन का पता बता देगा।'

यह लड़की तो बिलकुल ही तार्किक बातें कर रही थी। इसका गेम था क्या? तेजस संशित हो गया था। उसने अंजनी को अपनी गोद में उठाया और उसे उसके कमरे तक ले गया और उसके बिस्तर पर उसे लेटा दिया।

'तुम आराम करो' तेजस ने कहा और वहां से चला गया। वो अपने कमरे में आया और उसने भरत को फोन किया। भरत को जल्दी जल्दी उसने सब कुछ बता दिया। भरत का दिमाग शातिर भी था और वो इन सब षडयंत्रो को तेजस से ज्यादा अच्छे से समझता था।

'वो लड़की ठीक बोल रही है। इन फ्लेशी लोगों ने महान केयूर की पवित्र और प्राचीन गति मंदिर की मूर्ति को एक राकेट बनाने के लिए ही चुराया है। बोफ में लिखा है; महा-रश्मिरथ बनाने के लिए।'

'तो क्या मैं उनकी चल अचल सम्पती पर कब्ज़ा कर लूँ।'

भरत कुछ पल सोच में पड़ गया। 'इसमें हर्ज भी क्या है?'

'ठीक है। आप बस पुलिस को दो दिन के लिए और रोक लीजिये।'

'हाँ तेजस। परन्तु जो भी करना है अपने को दो - तीन दिन में ही करना है। क्योंकि बीटा हेप्टेड में लोगों को ये पसंद नहीं आ रहा कि मैं ऐसे अत्याचार को बढ़ावा दे रहा हूँ।'

'बीटा हेप्टेड से हमे क्या मतलब'

'मेरे भोले मित्र तेजस, मुझे विश्व सत्रप बनना है। इस ग्रह पर जितने भी देश हैं उनके अध्यक्षों की समिति है कॉस (COS) और उसमे मुझे सारे ऐंजलन का सपोर्ट चाहिए तभी मैं कॉस का चुनाव जीत कर विश्व सत्रप बन सकता हूँ।'

तेजस को कुछ खास समझ नहीं आ रहा था। वो इन सब राजनैतिक षड्यंत्रों या गेम प्लान से दूर ही था।

'ठीक है मैं दो दिन में ही कोशिश करता हूँ, और वैसे भी मुझे वो मूर्ति जल्दी ही ढूँढना है।'

तेजस ने फोन काट दिया। उसे अंजनी का प्लान अच्छा लग रहा था। उसे अंजनी पर शक तो हो रहा था परन्तु उसे ये समझ नहीं आ रहा था कि आखिर वो इन सब से क्या हासिल करना चाहती थी।

परन्तु जब भरत जैसा महाशतिर राजनीतिज्ञ ही इसमें कोई खास नुकसान नहीं देख रहा था तो फिर इस प्लान को कार्यान्वित कर देना चाहिए।

तेजस ने अपने लैपटॉप से अपने सोशल मीडिया अकाउंट को एक्सेस किया और सभी लोगों के लिए मैसेज डाल दिया। 'फ्लेशी लोगों की सारी अचल

संपत्ति अब मेरी है। जिस भी ऐंजलन और सेन्टॉरस को उनका कोई भी मकान या जमीन चाहिए तो आधे दाम में मुझ से खरीद सकता है।'

तेजस ने फिर सर्न शहर के रजिस्ट्रार ऑफिस को फोन किया और आदेशात्मक स्वर में कहा 'मुझे सभी फ्लेशी प्रॉपर्टी की डिटेल्स चाहिए, उनके मकान, उनकी जमीने और हर प्रकार की रजिस्टर्ड प्रॉपर्टी'

रजिस्ट्रार एक ऐंजलन था और उसने भी तेजस का मैसेज सोशल मीडिया पर देख लिया था। अल्फा हेड्टेड में सभी को पता था की तेजस पैसे का लालची नहीं था और वो भरत का दोस्त था। उसने फ्लेशी लोगों का दो दिन से कत्ले आम कर रखा था जब वो ही भरत के प्रशासन ने नहीं रोका तो फिर मकान की नीलामी तो काफी छोटी बात है। वैसे भी फ्लेशी लोगों ने अब तक महान केयूर की मूर्ति को वापस नहीं किया था और इसका जो भी दंड तेजस तय करे वो सही ही था।

'ठीक है सर अभी भेज रहा हूँ। साथ ही पांच करोड़ देणार भी आपके अकाउंट में ट्रांसफर कर रहा हूँ। आप की अनुकम्पा से फिर फ्लेशी लोगों की केतकी कॉलोनी अब मेरी हो गयी।'

'पूरी कॉलोनी मात्र पांच करोड़ देणार में।' तेजस थोड़ा उग्र स्वर में बोला।

रजिस्ट्रार चुप हो गया।

'चलो तुम भी क्या याद करोगे' तेजस ने चुटकी लेते हुए कहा। 'तुम एंट्री कर लो। मुझे डॉक्यूमेंट भेज देना में डिजिटल साइन कर दूंगा। केतकी कॉलोनी तुम्हारी'

'जय केयूर' रजिस्ट्रार बहुत ज्यादा खुश हो गया था।

केतकी कॉलोनी फ्लेशी लोगों की सबसे पॉश कॉलोनी थी जहाँ शायद एक एक मकान एक करोड़ देणार का होगा और वहां कम से कम पच्चीस मकान थे। रजिस्ट्रार ने अपने स्वार्थ के चक्कर में एक नयी प्रथा चला दी थी। तेजस के साइन से फ्लेशी लोगों की सम्पति किसी को किसी भी दाम पर मिल जाएगी।

शायद केयूर के श्राप का असर पूरे अल्फा हेप्टेड पर हो रहा था। वहां कोई भी व्यक्ति अब अपने निजी स्वार्थ से ऊपर नहीं सोच पा रहा था। भरत जैसा योग्य प्रशासक, तेजस जैसा भक्त सभी लोग दुष्ट क्रूर और बर्बर हो रहे थे। इरीट्रिया को केयूर का कहर झेलना पड़ेगा। फ्लेशी लोगों को तो उस पवित्र मूर्ति को अपवित्र करने और चोरी करने का दंड तो मिल चुका था। अब शायद ऐंजलन, सेन्टॉरस और एक्वियन लोगों की बारी थी। यदि वो सुपर राकेट डायना इरीट्रिया से छूट गया तो इरीट्रिया के काले अध्याय की शुरुआत होने वाली थी।

केयूर का श्राप शायद पूरे इरीट्रिया को लीलने वाला था। बोफ में लिखा था कि महरश्मिरथ भेज कर सन आफ गॉड को बुलाना होगा, परन्तु वो रथ सन आफ गॉड को लेकर आएगा या उस क्रूर एलियन को जो सभी को सजा देने वाला था ये वक्त ही बताएगा। फ़िलहाल तो फ्लेशी केयूर का अतिक्रूर कहर झेल रहे थे।

&

अध्याय दस - एलियन साम्राज्य

स्वप्निल अपने लैपटॉप को खोल कर उसमे कुछ बहुत ख़ास देख रहा था। जैसे जैसे वो लैपटॉप की उन डिटेल्स को देख रहा था वो बहुत ज्यादा उत्साहित हो रहा था। उसे उम्मीद नहीं थी कि वो अंजनी इतनी जल्दी इतना अच्छा काम कर देगी। तेजस ने अंजनी के जरिये तेजस का लैपटॉप ही नहीं उसका बैंक अकाउंट, उसका सोशल मीडिया अकाउंट उसकी कम्युनिकेशन डिवाइस जो कि उसके लैपटॉप से लिंक्ड थी आदि सब कुछ हैक कर लिया था।

सबसे अच्छी बात ये थी कि तेजस को अपने लैपटॉप और कम्युनिकेशन डिवाइस में वही सब कुछ दिख रहा होगा जो स्वप्निल उसे दिखाना चाहेगा। जैसे तेजस को लग रहा था कि उसके अकाउंट में पांच करोड़ देणार उस रजिस्ट्रार ने ट्रांसफर कर दिए है, जबकि वो सारा पैसा स्वप्निल उस गुप्त अकाउंट में ट्रांसफर कर रहा था जिससे वो पैसा बीटा हेप्टेड में उस व्यवसायी को मिल जाता था।

तेजस ने इस बार एक नई होड़ लगा दी थी। अब लोग फ्लेशी लोगों के मकानों की बढ़ चढ़ कर बोलिया लगा रहे थे और एक ही दिन में तकरीबन दो सो करोड़ देणार की संपत्ति बिक गयी थी और वो सारा पैसा उस बीटा हेप्टेड के व्यापारी को मिल चुका था और सुपर राकेट डायना को बनाने के लिए काफी सारी सामग्री औरक्षो को मिल चुकी थी। हालाँकि अभी भी तकरीबन आठ सो करोड़ देणार की व्यवस्था करनी थी जो शायद इतना आसान नहीं होने वाला था।

परन्तु ये बहुत ही अच्छी शुरुआत थी। स्वप्निल और अंजनी ने अपना प्रतिशोध अपने मकसद को समर्पित कर दिया था। बोफ वाकई एक बहुत चमत्कारिक धर्म था और उसके अनेकों अनुयायी बोफ की भविष्यवाणियों को पूरा करने के लिए अपना जी जान, अपना सब कुछ अर्पित कर सकते थे।

तेजस को लग रहा था कि वो फ्लेशी लोगों की संपत्ति पर कब्ज़ा करके उन लोगों को दंड दे रहा था और ये काफी हद तक सच भी था परन्तु फिर भी जाने अनजाने में फ्लेशी लोगों का पैसा उनके बोफ धर्म के ही काम आ रहा था। तेजस जाने अनजाने में सुपर राकेट डायना को बनाने में मदद ही कर रहा था।

उस समय ना तो तेजस को पता था ना ही स्वप्रिल या डॉक्टर औरक्षो को कि इरीट्रिया ग्रह से कई सो प्रकाश वर्ष दूर एक ग्रह था Xor। Xor और इरीट्रिया की कुंडली मिली हुई थी। जल्द ही Xor और इरीट्रिया का भाग्य उन्हें एक साथ मिलाने वाला था और शायद यह ही केयूर की मर्जी थी। Xor सौरमंडल में एक छोटा सा चन्द्रमा था आइवीश जो आउटर बॉय नामक एक गैसीय ग्रह का चक्कर लगाता था। उस आइवीश ग्रह पर थी एक कंपनी जो स्पेस हथियार बनाने में माहिर थी। उस कंपनी का मालिक आज बहुत ही गुस्से में था।

'तुम लोगों से एक भी काम ठीक से नहीं होता।' राल्फ बेहद तीखे स्वर में बोला। वो एक एक्रिमियन नमुह था। ये लोग बिलकुल पृथ्वी के मानव जैसे ही दिखते थे। यदि ये एक्रिमियन नमुह लोग इरीट्रिया ग्रह पर होते तो बिलकुल फ्लेशी के जैसे दिखते और ऐंजलन लोगों के कोप के पात्र होते।

'सर हम कोशिश कर रहे है' एक मातहत बोला। वहां राल्फ के बहुत से मातहत उस केबिन में खड़े हुए थे।

'Xor और मैर्केल का युद्ध चल रहा है। Xor साम्राज्य के अनेक ग्रह अब मैर्केल के कब्जे में चले गए है। यह समय फिर नहीं आएगा।' राल्फ चीखा।

उसे अपने इन निकम्मे मातहत लोगों को कितनी बार समझाया था कि पूरी फोकस रिसर्च पर लगा दो। फिर भी उसकी कंपनी की सेल उतनी नहीं बढ़ रही थी जितनी उसकी उम्मीद थी।

'सर...' उसके एक मातहत ने कुछ बोलने का प्रयास किया।

'मुझे कुछ नहीं सुनना। फॉरेन एक मिशन सौरमंडल से बाहर भेजो और वहां मेरे उस नए हथियार की ट्रायल करो।'

'सर परन्तु अभी वो ट्रायल...' उसके एक दूसरे मातहत ने कुछ बोलना चाहा।

'मुझे कुछ नहीं सुनना। तुमसे जो कहा है वो करो।' राल्फ चीखा।

उसके सारे मातहत सर झुकाये वहां से चले गए। राल्फ को पता था कि उसका नया हथियार *महा-विवर* अभी ट्रायल वर्सन पर ही था और उसे डीप स्पेस में लांच करना खतरनाक हो सकता था। परन्तु राल्फ को कोशिश तो करनी ही होगी। यदि उसका ये हथियार *महा-विवर* सफल हो गया तो वो Xor और मैर्केल के युद्ध का खूब फायदा उठा सकता था। Xor मैर्केल से युद्ध हार रहा था। उन्हें बहुत से नए हथियार चाहिए थे। वहां राल्फ का बनाया हुआ ये स्पेस हथियार *महा-विवर* युद्ध की दिशा ही बदल सकता था। बस किसी तरह ये हथियार सफल हो जाये, तो राल्फ की चांदी ही चांदी थी।

राल्फ को Xor का सुप्रीम कमांडर फ्लोरमान कोन्ताना बिलकुल भी पसंद नहीं था। Xor और मैर्केल का युद्ध यदि Xor हार जाता है तो फ्लोरमान

कोन्ताना का राजनैतिक करियर समाप्त ही था।[4] राल्फ ने कई बार पहले कोन्ताना को चुनाव हराने की असफल कोशिश की थी। परन्तु इस बार उसका प्लान पक्का था, यदि वो ये हथियार बना लेगा तो संभव है कि Xor मैर्केल को हरा देगा और वो ये हथियार बेच कर बहुत अमीर हो जायेगा और फिर वो इस बात का राजनैतिक फायदा भी उठाएगा की Xor को युद्ध उसके हथियार की वजह से ही मिली है। तो ये हथियार ना सिर्फ उसे अमीर बना देगा अपितु उसे कोन्ताना को चुनाव में हरा कर Xor साम्राज्य का सुप्रीम कमांडर बनने का मौका भी दे सकता था।

ये हथियार बनाना उसके लिए अति आवश्यक था। उसने इसलिए ये ठान लिया था कि इस हथियार *महा-विवर* को वो स्वयं की देखरेख में ही पूरा करेगा।

जल्द ही राल्फ Xor सौरमंडल से बाहर डीप स्पेस में था और वो हथियार *महा-विवर* जो की प्रकाश गति से तकरीबन 80% तक चलने वाली मिसाइल छोड़ सकता था, जिससे वो मैर्केल के उन लिवायथन गैलक्टिका स्पेस वॉर शिप को नष्ट करना चाहता था जिनसे मैर्केल Xor को युद्ध हरा रहा था। मैर्केल के ये स्पेस वार शिप प्रकाश गति से डेढ़ सो से दो सो गुना तक उड़ते थे और परन्तु समस्या ये थी कि यदि वो वॉर शिप इस गति पर उड़ जाये तो कोई भी मिसाइल जो प्रकाश गति से भी धीरे चलती है उन तक नहीं पहुँच सकती थी।

इसलिए राल्फ का ये हथियार *महा-विवर* स्पेस में एक ऐसा भंवर उत्पन्न करता था कि उसकी जद में है जो भी कुछ है चाहे कोई स्पेसशिप या कुछ और वो कुछ समय के लिए उसमे अटक जाता था और फिर *महा-विवर* से निकली

---

[4] राल्फ और कोन्ताना के बारे में और ज्यादा जानने के लिए पढ़िए धर्मा सीरीज का नावेल - दो दुनिया का वारिस - अनकही कथा भाग एक - अमेज़न पर उपलब्ध।

मिसाइल उन अटके हुए शिप्स आदि को नष्ट कर देगी। इसलिए राल्फ को अब अपने इस हथियार को टेस्ट करना था।

वो अपने हथियार को लेकर टेस्टिंग स्टेशन तक पहुँच गया और उसने टेस्ट लांच कर दिया।

उसे पहले ये चेक करना था कि क्या ये हथियार *महा-विवर* ऐसा कोई भंवर बना भी पाता था और फिर क्या उसमे मैर्केल के लिवायथन गैलक्टिका फस भी सकते थे और इन्ही सब एक्सपेरिमेंट के लिए राल्फ स्वयं डीप स्पेस में आ गया था।

वो अपने स्पेसशिप में बैठा हुआ था और अपने हथियार की ट्रायल को चेक कर रहा था।

उसका एक मातहत जो उसके साथ ही स्पेसशिप में बैठा हुआ था, बोला 'सर अभी ये ट्रायल वर्शन हमारे सुपर कम्प्यूटर्स पर भी एनालाइस नहीं किया गया है। अभी ट्रायल करना खतरनाक है।'

'मेरे पास समय नहीं है। तुम *महा-विवर* का फंक्शन ऑन करो।' राल्फ गुर्राया।

उसका मातहत बहुत ज्यादा घबराया हुआ था परन्तु राल्फ ने यदि कुछ ठान लिया तो उसे कोई भी डिगा नहीं सकता था। मातहत ने *महा-विवर* की फंक्शनिंग को ऑन करने के लिए सिग्नल दे दिया। थोड़ी देर में वो सिग्नल *महा-विवर* तक पहुंच गया जो उस वक्त डीप स्पेस में तैर रहा था। *महा-विवर* ने सिग्नल मिलते ही बहुत तेजी से अपनी धुरी पर चक्क्कर काटने शुरू कर दिए।

राल्फ के स्पेसशिप पर सारे कॅल्क्युलेशन्स साफ़ साफ़ आ रहे थे। *महा-विवर* एक छोटा सा स्पेस भंवर बना रहा था। उस भंवर के इवेंट होराइजन में जो भी स्पेसशिप्स या कोई और भी बॉडी होगी तो वो कुछ देर के लिए वहां अटक जाएगी और फिर वो मिसाइल उन सब बॉडीज पर अपने प्रोजेक्टाइल यानि मिसाइल से जो प्रकाश गति से तक़रीबन 80% गति हासिल कर सकते थे, उन सबको नष्ट कर देगी।

भंवर धीरे धीरे फ़ैल रहा था और दो डमी स्टारगेज शिप्स उसमे फस गए थे। राल्फ ने उन्हें कमांड दिया उस भंवर से भाग जाने के लिए। वो देखना चाह रहा था कि क्या ये भंवर इतना शक्तिशाली है कि इन स्टारगेज शिप्स को जो प्रकाश गति से 65% तक की गति हासिल कर सकते थे उन्हें रोक पाता है या नहीं।

राल्फ की ख़ुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसका ये हथियार बहुत अच्छा काम कर रहा था। वो स्टारगेज शिप्स उस हथियार के भंवर से अपने आप को आज़ाद नहीं करवा पा रहे थे। कुछ ही देर में *महा-विवर* ने अपने आस पास के इलाके को अपने भंवर में फंसा लिया था। राल्फ का स्पेसशिप थोड़ी दुरी पर था और वो उस भंवर की जद से बाहर था।

'*महा-विवर* की पोटेंसी बढ़ा दो। क्योंकि स्टारगेज के मुकाबले लिवायथन गैलक्टिका बहुत ज्यादा शक्तिशाली है। मैं देखना चाहता हूँ कि क्या ये *महा-विवर* उन्हें अपने भंवर में फसा पायेगा।' राल्फ ने अपने मातहत को बोला जो उसके पास ही उसके स्पेसशिप में बैठा हुआ था।

'परन्तु सर हमारे पास लिवायथन गैलक्टिका शिप कहाँ है।'

'अरे मुर्ख परन्तु हमे ये तो पता है ना कि मैर्केल के लिवायथन गैलक्टिका स्टारगेज से तकरीबन चार सो गुना शक्तिशाली है। तो इस मिसाइल

की पोटेंसी चेक करो। क्या ये स्टारगेज शिप्स से चार सो गुना ताकतवर शिप को भंवर में अटका सकता है।' राल्फ चीखा।

'परन्तु...' उसका मातहत उसे कुछ बोलने वाला था।

'तुम दिमाग मत लगाओ। जो कहा वो करो।' राल्फ बेहद खूंखार स्वर में बोला।

मातहत ने बिना कुछ सोचे समझे *महा-विवर* को फुल पोटेंसी का सिग्नल भेज दिया।

यहीं पर राल्फ बहुत बड़ी भूल कर बैठा था। उस हथियार *महा-विवर* का ट्रायल पूरा नहीं हुआ था। सुपर कम्प्यूटर्स ने चेक नहीं किया था कि फुल पोटेंसी पर क्या साइड इफेक्ट्स होंगे। *महा-विवर* को फुल पोटेंसी का करते ही महा-विवर ने बहुत तेजी से घूमना शुरू कर दिया और वो अब सिर्फ एक भंवर नहीं बना रहा था अपितु एक मिनी एंड टेम्पररी ब्लैक होल बना रहा था।

राल्फ को पता ही नहीं चला कि कब वो *महा-विवर* एक ब्लैक हॉल बन गया और उसने ना सिर्फ उन दोनों स्टारगेज शिप्स को अपने अंदर लील लिया अपितु राल्फ के राकेट को भी अपने अंदर समाहित करना शुरू कर दिया।

राल्फ के राकेट से अनेकों इमरजेंसी सिग्नल्स आने चालू हो गए।

'सर मुझे इसी बात का डर था। हमने बहुत बड़ी गलती कर दी है। हमने एक मिनी ब्लैक हॉल बना दिया और ये हमें ही लील रहा है' मातहत बहुत ही गुस्से और निराशा भरे स्वर में बोला।

राल्फ को अपनी गलती का अहसास हो गया था। परन्तु वो अब कुछ नहीं कर सकता था। उसका स्पेस शिप अब उस मिनी ब्लैक होल में जो *महा-विवर* के अपनी चरम सीमा पर एक्टिवेट होने के कारण बन गया था, उसमे धीरे धीरे समां रहा था।

'अबोर्ट मिशन (abort mission)' राल्फ ने डरते हुए आदेश दिया।

'सर मैंने कोशिश की थी परन्तु *महा-विवर* अब इस कमांड को रिवर्स नहीं करने दे रहा। अब ये टेम्परारी ब्लैक होल तभी ख़तम होगा जब इस हथियार का फ्यूल ख़तम होगा।' मातहत जल्दी जल्दी बोला।

'तब तक तो हम इसमें समां चुके होंगे।' राल्फ के होश उड़ गए। उसने अपने पागलपन में ये क्या कर दिया था।

परन्तु अब कुछ नहीं हो सकता था। वो लोग धीरे धीरे उस ब्लैक होल में समां रहे थे। वो लोग अब डिस्ट्रेस सिग्नल भेज रहे थे। उन्हें नहीं पता था की उनकी मदद कोई कर भी सकता था या नहीं। राल्फ को लग गया कि उसका अंतिम समय आ गया है।

उस मिनी एंड टेम्परारी ब्लैक होल में जो उस *महा-विवर* को फुल एनर्जी पर यूज़ करने से उत्पन्न हुआ था वो अब राल्फ के राकेट को अपने अंदर लील लेगा। राल्फ को नहीं पता था कि ब्लैक होल के अंदर उसके साथ क्या होगा। सामान्यतः ब्लैक होल का प्रेशर और ग्रेविटी इतनी ज्यादा होती है कि वो कुछ पल में ही राल्फ और उसके स्पेसशिप को नष्ट कर देगी। शायद राल्फ अब जिन्दा नहीं बचेगा। उसे अपनी पत्नी और पुत्र नोकोईविड की याद आने लगी। उन दोनों की तस्वीर उसके सम्मुख थी। वो उन्हें अपना अंतिम अलविदा भी नहीं कह पाया था। परन्तु उसे अब अपने इस बेहद उतावले निर्णय पर घोर निराशा हो रही थी।

शायद इरीट्रिया और Xor की भाग्य रेखा आपस में मिली हुई थी इसलिए शायद राल्फ के साथ ये होना जरुरी भी था। केयूर शायद कोई बहुत बड़ा गेम खेल रहे थे। उन्हें इरीट्रिया के लोगों को सजा देनी थी और इसलिए इस एलियन राल्फ की यूँ मति भ्रष्ट करना आवश्यक था। परन्तु यदि राल्फ उस ब्लैक हॉल में मर ही जायेगा तो उससे केयूर का कहर कैसे पूरा होगा। खैर ये तो केयूर ही जानते थे और आने वाला वक्त ही बताएगा।

इधर राल्फ धीरे धीरे उस ब्लैक होल में खिंचता चला जा रहा था और उधर स्वप्रिल खुश था कि कम से कम दो सो करोड़ देणार की व्यवस्था हो गयी थी।

उस बीटा हेप्टेड के व्यापारी ने पहली खेप भेज दी थी। औरक्षो अब जोर शोर से उस सुपर राकेट डायना को बनाने में लगे हुए थे। उसे आठ सो करोड़ देणार की व्यस्था करनी थी और उसके लिए उसे ऐंजलन लोगों की संपत्ति चाहिए थी। उसने कुछ बहुत ही खतरनाक सोच रखा था।

तेजस ने स्वप्रिल और अंजनी को बहुत कम आँका था। ये तुच्छ फ्लेशी बहुत ही शातिर थे और अपने मकसद के लिए समर्पित। ये लोग बहुत ही ज्यादा खतरनाक थे। किसी ने सही कहा था कि आप हज़ार लोगों से लड़ सकते है जो अंदर से खोखले हो परन्तु उस एक आदमी से नहीं जो पूरी तरह अपने कर्म के प्रति समर्पित हो। तेजस के लिए ये लड़ाई बहुत ही मुश्किल होने वाली थी।

&

अध्याय ग्यारह - गहरी चाल

औरक्षो बहुत ही ज्यादा खुश था। उसके पुत्र का बलिदान व्यर्थ नहीं गया था। वो डायना के मुख्य डिज़ाइन को कम्पलीट कर चुका था। उसके पास जो कंप्यूटर और रोबोट्स थे वो उसे हर संभव मदद कर रहे थे। औरक्षो ने अपने कंप्यूटर के जरिये बिना अपनी लोकेशन डिस्क्लोस किये स्वप्रिल को फोन लगाया। स्वप्रिल ने अपनी कलाई पर देखा और एक बटन दबा कर फोन को आंसर किया।

'डायना की बॉडी रेडी हो गयी है बस उसमे आत्मा डालना जरुरी है।' औरक्षो बोला।

'बहुत अच्छा। आप पूजा पाठ कीजिये आत्मा प्रवेश कर जाएगी।' स्वप्रिल ने कहा।

'हाँ। परन्तु मुझे कुछ हवन की सामग्री की आवश्यकता है। कुछ चार सो पांच सो देणार में हो जायेगा।' औरक्षो बोला।

'ठीक है। आपको तो हालत पता ही है परन्तु मैं भिजवाता हूँ पांच सो देणार।'

'आ.. ' औरक्षो थोड़ा झिझका फिर बोला 'कल तक ही चाहिए। मुझे कल पूजा करनी है '

स्वप्रिल थोड़ा सोच में पड़ गया। फिर उसने कुछ बेहद खतरनाक प्लान बना लिया था।

'ठीक है' स्वप्निल ने कहा और फोन काट दिया।

स्वप्निल ने तभी पीछे मुड़कर देखा तो वो वैध खड़ा हुआ था जिसके घर पर स्वप्निल और उसकी बहन थी।

'तुम्हारी बहन अब काफी हद तक ठीक है। तुम दोनों यहाँ से जा सकते हो'

'आपका बहुत धन्यवाद। परन्तु आप बुरा नहीं माने तो क्या में दो दिन और रुक लूँ'

वैध थोड़ा सोच में पड़ गया।

'आप चाहे तो थोड़े देणार ले लीजिये '

'तेरा तो सब कुछ ऐंजलन गुंडों ने लूट लिया, तू क्या ही देगा। तेरी तो बहन का इलाज भी मुझे मुफ्त में ही करना पड़ा है।'

'नहीं मैं कुछ करता हूँ।'

'तू कुछ मत कर। और तू ये क्या पूजा की बात कर रहा था। तेरे पास पांच सो देणार है तो वो ही दे और निकल यहाँ से।' वैध बोला।

'आप मुझे दो दिन का वक्त दे दो, मैं आपको एक हज़ार करोड़ देणार दे दूंगा।' स्वप्निल बोला।

'तू क्या ही देणार देगा। कुछ और दे।' वैध बोला।

'मैं समझा नहीं।' स्वप्रिल थोड़ा संशित होते हुए बोला।

'तेरी बहन को यहाँ हमेशा के लिए छोड़ दे।' वैध कुटिलता से बोला।

'वैध' स्वप्रिल गुस्से में आ गया और उसने उस पर बन्दुक तान दी।

वैध की सिटी पिट्टी गुम हो गयी। उसे नहीं पता था की स्वप्रिल के पास बन्दुक भी है। वो तो उसे एक गरीब फ्लेशी समझ रहा था।

'मुझे माफ़ कर दो मेरी बुद्धि भ्रष्ट हो गयी थी।' वैध बहुत ही मृदु भाव में बोला। 'वो आजकल बस इन्ही सब का वीडियो आ रहा है तो मेरी मत मारी गयी'

'ठीक है।' स्वप्रिल ने बन्दुक नीचे कर दी। 'देख वैध तू फ्लेशी है और तूने मेरी बहन का इलाज भी किया है। हम तेरे ऋणी है। मुझे दो दिन रहने दे। मैं तुझे तेरी इस मदद के बदले कुछ देणार जरूर दूंगा'

'नहीं मुझे माफ़ कर दो। तुम रहो जब तक रहना है। बस मुझे माफ़ कर दो।' वैध बोला और वहां से चला गया।

स्वप्रिल को अब सब कुछ जल्दी करना था। उसे वैध की आँखों में अपनी बहन के प्रति एक अलग ही हवस दिख रही थी। यहाँ ज्यादा रहना शायद खतरनाक था।

औरक्षो ने कोड वर्ड में बता दिया था कि उसे पांच सो करोड़ देणार एक ही दिन में चाहिए थे। ये इतनी बड़ी राशि थी कि इसके लिए तो कोई बड़ा ही हाथ मरना पड़ेगा।

स्वप्रिल गहरी सोच में था। सर्न शहर की सभी बड़ी फ्लेशी प्रॉपर्टी अब बिक चुकी थी और तेजस के हैक्ड अकाउंट से वो पैसा उस बीटा हेप्टेड में बैठे व्यापारी तक पहुँच गया था। परन्तु यदि ऐंजलन लोगों का पैसा आ जाये तो।

स्वप्रिल गहरी सोच में पड़ गया। उसने वो सारे विकल्प मन ही मन टटोले जो उसे पांच सो करोड़ देणार दिलवा सके। इसके लिए उसे ऐंजलन लोगों की संपत्ति को बेचना होगा। परन्तु पांच सो करोड़ देणार मतलब कम से कम पांच सो बड़े और पॉश मकान या बहुत बड़ी जमीने। ये वो कैसे बेचे और किसे बेचे। इस तेजस ने भी बहुत खून खराबा करवा दिया था इस माहौल में वो आसानी से जमीन और मकान आदि का सौदा नहीं कर सकता था। तेजस के ख्याल ने ही स्वप्रिल को घृणा और गुस्से से भर दिया। स्वप्रिल को उस तेजस से बदला भी लेना था। अंजनी ने उसकी उम्मीद से बहुत ज्यादा अच्छा काम कर दिया था।

स्वप्रिल ने कुछ मन बना लिया था। उसने तेजस की पत्नी को फोन लगाया।

तेजस की पत्नी ने देखा उसकी कम्युनिकेशन डिवाइस पर किसी अनजान नंबर से कॉल आ रहा था। उसने फिर अपनी कलाई पर बटन दबाया और फोन को आंसर किया।

'मैडम मैं केतकी कॉलोनी से एक फ्लेशी बोल रहा हूँ।'

'मुझे क्यों फोन कर रहे हो।'

'मैडम यहाँ पर ऐंजलन गुंडों ने सब कुछ लूट लिया है और साथ ही रजिस्ट्रार कहता है उसे ये पूरी कॉलोनी तेजस साहिब ने बेच दी है।'

'तो मैं क्या करू। तुम तुच्छ और घृणित लोगों के साथ ऐसा ही होना चाहिए।' तेजस की पत्नी बहुत ही गुस्से में बोली।

'मैडम आपने मुझे पहचाना नहीं। मैं आपका ड्राइवर था। आप का व्यवहार मुझे बहुत अच्छा लगा। मैं तो आपसे रहम की उम्मीद रखता हूँ'

तेजस की पत्नी को याद नहीं आ रहा था ये कौन फ्लेशी है जो उसके यहाँ ड्राइवर था। परन्तु वो कुछ बोलती उससे पहले उस फ्लेशी ने फोन पर कहा 'मैडम मैं आपके यहाँ काम से हटने के बाद डॉक्टर औरक्षो के यहाँ ड्राइवर लग गया था। और मुझे पता है कि वो इस वक्त कहा है।'

तेजस की पत्नी ने उसकी बाकि बातों पर ध्यान ही नहीं दिया, परन्तु उसे औरक्षो का पता है ये बात तेजस की पत्नी के घर बैठ गयी। उसका पति तो बहुत खुश हो जायेगा और फिर वो उस चुड़ैल अंजनी को अच्छा सबक सिखाएगी। एक बार केयूर की मूर्ति को उसका पति निष्प्राण कर दे फिर वो उस अंजनी को अपने घर से क्या इस शहर से ही निकाल देगी।

'मैं आपसे मिलकर आपको एड्रेस दे दूँ' सामने से आवाज़ आयी। तेजस की पत्नी अपने ख्यालों से बाहर आयी और अपनी कम्युनिकेशन डिवाइस पर फोकस किया । 'ठीक है कहाँ मिलना है।'

'कहीं नहीं मैं आपके घर आ जाऊंगा। आप बस तेजस साहिब से कह कर यहाँ कत्ले आम बंद करवा दे ताकि मैं यहाँ से निकल कर आपके पास आ सकूँ'

'ठीक है। परन्तु यदि ये तुम्हारी कोई चाल हुई तो' तेजस की पत्नी गुर्राई।

'मैडम हम फ्लेशी लोग पूरे सर्न शहर में अब कही नहीं छुप सकते। यदि चाल हुई तो मुझे पता है तेजस साहिब मेरा वो ही हश्र करेंगे जो उन्होंने उन चोरों का किया था।'

'ठीक है।' तेजस की पत्नी ने कहा और फोन काट दिया।

उसने फॉरेन तेजस को फोन लगा दिया। तेजस इस वक्त रजिस्ट्रार के साथ बैठा था और उन अनेकों दस्तावेज़ों पर डिजिटल साइन कर रहा था जिनके जरिये पूरे सर्न शहर की फ्लेशी संपत्ति अनेकों ऐंजलन लोगों में बंट गयी थी। उसे अपनी पत्नी का फोन आया और उसने अपनी कलाई पर दूसरे हाथ से बटन दबा कर आंसर किया।

कम्युनिकेशन डिवाइस उसके कान में जुड़े छोटे से स्पीकर को एक्टिवेट कर देता है जो स्पीकर भी है और माइक भी। 'बोलो'

'मुझे अभी केतकी कॉलोनी से किसी फ्लेशी का फोन आया था।'

'क्या। उसके पास तुम्हारा नंबर कहाँ से आया। कौन है वो दुष्ट और तुमसे क्या चाहता है।' तेजस उग्र स्वर में बोला।

'कह रहा था मेरा कोई ड्राइवर था।'

'हमारे पास तो कोई ड्राइवर नहीं है। हमे ड्राइवर की जरुरत ही नहीं, कमज़ोर फ्लेशी लोगों को कृत्रिम साधन चाहिए हमें तो महान केयूर ने यह शक्तिशाली पंख दिए हैं' तजेस घृणा और घमंड भरे स्वर में बोला। उसने अपने विशाल पंख को भी थोड़ा सा फड़फड़ाया।

'हाँ। यह ही तो मैं सोच रही थी। फिर सोचा पता नहीं भरत ने कभी हमें भूतकाल में दिया हो।'

'कोई नहीं। क्या बोल रहा था वो मुर्ख।'

'कह रहा था वो अब औरक्षो के यहाँ नौकरी कर रहा है और उसे पता है की वो औरक्षो अब कहाँ है'

'क्या' तेजस अति उत्साहित स्वर में बोला। वो रजिस्ट्रार हालाँकि उनकी बातें नहीं सुन पा रहा था परन्तु तेजस को देख कर उस रजिस्ट्रार को लग गया था की उसकी पत्नी उसे कुछ बहुत महत्वपूर्ण बात बता रही थी।

'हाँ। वो कह रहा था कि आप यदि केतकी कॉलोनी में फ्लेशी पर कत्लेआम रुकवा दे तो वो हमारे घर आ जायेगा और हमें औरक्षो का पता दे देगा।'

तेजस ने एक नज़र उस रजिस्ट्रार को देखा। 'क्या तुम बता सकते हो उस दरिंदे औरक्षो का रजिस्टर्ड पता कौनसा है।'

रजिस्ट्रार ने अपने लैपटॉप पर चेक किया और कहा 'F-454 केतकी कॉलोनी'

'तुम वो नंबर मुझे भेजो जिससे तुम्हे फोन आया था। फिर देखते है।' तेजस ने कहा और फोन काट दिया।

उसकी पत्नी ने फॉरेन ही वो नंबर तेजस को मैसेज कर दिया था और तेजस ने वो नंबर भरत के प्राइवेट सेक्रेटरी को। तेजस ने फिर उस प्राइवेट सेक्रेटरी को फोन मिलाया 'मुझे फॉरेन इस नंबर की लोकेशन चाहिए'

'ओके तेजस। अभी देता हूँ' सामने से आवाज़ आयी और थोड़ी ही देर में तेजस के पास मैसेज आ गया की उस फोन की लोकेशन F-454 केतकी कॉलोनी है।

इसका मतलब वो फ्लेशी झूट तो नहीं बोल रहा था। तेजस ने रजिस्ट्रार को देखा और बोला 'बाकि साइन मैं बाद में करता हूँ।'

'ठीक है। आप क्या केतकी कॉलोनी में दंगे रुकवाने जा रहे हैं।'

'हाँ'

'परन्तु...' वो रजिस्ट्रार कुछ बोलने वाला था।

तभी तेजस थोड़ा गुस्सैल स्वर में बोला, 'तुम चिंता मत करो वो पूरी कॉलोनी तुम्हारी ही है। एक दो दिन तो दो इन फ्लेशी लोगों को वहां से निकालने के लिए। मैं उस औरक्षो का पता लगा कर फिर ये दंगे चालू करवा दूंगा'

रजिस्ट्रार को थोड़ी सांत्वना हुई। उसने पांच करोड़ देणार देकर पूरी कॉलोनी तेजस से खरीदी थी। वो चाहता था जल्दी से जल्दी सभी फ्लेशी वहां से भाग जाए। काफी तो भाग भी गए थे, कुछ एक आद बचे थे उनको तेजस धीरे धीरे निकाल ही देगा।

तेजस फॉरेन तेज उड़ान भरते हुए केतकी कॉलोनी पहुँच गया। वो फौरन ही F-454 मकान पर पहुँच गया। उसका पञ्चास्त्र उसके पीछे टंगा हुआ था। हालाँकि इन फ्लेशी लोगों के लिए उसे किसी हथियार की जरुरत नहीं थी। उसने देखा वो मकान बुरी तरह से लूटा गया था। पूरा सामान बिखरा हुआ था। ऐसा लग रहा था कि ऐंजलन लोग आपस में ही लड़ लिए होंगे कि कौनसा सामान कौन रखेगा। औरक्षो की पत्नी पहले ही मारी जा चुकी थी। इसलिए मकान पूरी तरह खाली ही था। तेजस की तीव्र निगाहों ने जल्दी ही देख लिया कि बेसमेंट के एक अलमारी में एक फ्लेशी चुपचाप छुप कर बैठा हुआ था।

तेजस वहां गया और उसने अलमारी खोल दी। 'कौन हो तुम' तेजस खूंखार स्वर में बोला।

'में वो ड्राइवर हूँ जिसने आपकी पत्नी को फोन किया था' स्वप्रिल बोला।

'तुम झूट बोल रहे हो। पहली बात हमारे पास कोई ड्राइवर कभी नहीं था। हमें ड्राइवर की जरुरत नहीं है और दूसरी बात तुम शायद उन चोरों के वो चौथे साथी हो जो वो मूर्ति लेकर भागा था।'

स्वप्रिल पूरी तरह चौंक गया।

'मुर्ख मैं तेजस हूँ, मेरी नज़र भी तेज है और मेरी यादाश्त भी। कहाँ है महान केयूर की मूर्ति।' तेजस ने स्वप्रिल को अपने एक हाथ में उसकी गर्दन से दबोच लिया।

स्वप्रिल को नहीं पता था कि तेजस इतना खूंखार और शातिर था या शायद ये स्वप्रिल का ही प्लान था। तेजस की आँखों के आगे अँधेरा छा रहा था। उसको एक अजीब सी कमजोरी महसूस हो रही थी। उसके हाथ से स्वप्रिल छूट

गया तेजस को सब धुंधला-धुंधला दिख रहा था और उसके पीछे अंजनी खड़ी थी जिसने उसके पृष्ठ्भाग पर एक बहुत बड़ा इंजेक्शन घुसा दिया था जिसमे तकरीबन दो सो मिलीलीटर बोटुलिनम टोक्सिन नामक घातक जहर था।

यदि इस जहर का दस मिली लीटर भी किसी फ्लेशी को दिया होता तो वो तुरंत ही मर जाता। ये तो तेजस था जो सिर्फ कुछ देर के लिए बेहोश हुआ था। उसकी बॉडी जल्दी ही इसकी काट कर लेगी और वो पुनः होश में आ जायेगा।

'वैरी गुड अंजनी। तुमने मैसेज को सही पढ़ा।' स्वप्रिल तेजस के बेहोश शरीर को देखते हुए बोला।

'हाँ। तुमने तेजस की पत्नी को फोन किया मैं तभी समझ गयी थी तुम क्या चाहते हो। मैं तेजस का लैपटॉप भी ले आयी हूँ।' अंजनी जल्दी जल्दी बोली।

'बहुत बढ़िया।' स्वप्रिल ने कहा।

उसे फिर अपना एंटी ग्रेविटी ग्रेपलर निकला और तेजस के बेहोश शरीर को एक बड़े से बैग में डाल दिया। स्वप्रिल ने उस एंटी ग्रेविटी ग्रेपलर की मदद से तेजस के बेहोश शरीर को उठा लिया और फॉरेन वहां से निकल गया।

अंजनी पुनः तेजस के घर पहुँच गई। वो ज्यादा देर तक वहां से गायब रहती तो तेजस की पत्नी को शक हो जाता। अंजनी की तबियत अभी कुछ ज्यादा ठीक नहीं थी परन्तु उसे अपनी दृढ इच्छा शक्ति के दम पर एक अविस्मरणीय कारनामा कर दिखाया था।

जब तक तेजस को होश आता वो एक बड़ी सी लैब में बंद था। उसे बड़ी बड़ी चैन से बांधा गया था और उसका पञ्चास्त्र गायब था। उसे एक ड्रिप के जरिये हल्की मात्रा में जहर भी दिया जा रहा था ताकि वो ट्रांस में रहे और शांत

रहे। उसके बावजूद भी तेजस जितना संभव हो चीखा 'तुच्छ फ्लेशी कहाँ हो तुम लोग'

तेजस एक बंद कमरे में था और उसे नहीं पता था कि औरक्षो उसे देख सकता था। औरक्षो ने अपनी स्क्रीन पर तेजस को बेहोशी से उठते हुए देखा और तेजस के चेहरे पर डर, बैचेनी और निराशा दिखी।

औरक्षो ने तेजस को अपनी स्क्रीन पर घृणा भाव से देखा और फिर अपने ही काम पर लग गया। तेजस को धीरे धीरे उस जहर के कारण अब बैचनी होने लगी थी। उसके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता सामान्य ऐंजलन से कहीं ज्यादा थी। उसे बड़ी मात्रा में बोटुलिनम टोक्सिन दिया जा रहा था और इसीलिए उसके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता काफी कोशिशों के बावजूद उससे लड़ नहीं पा रही थी। फिर भी उसके शरीर के ल्यूकोसाइट्स सामान्य प्रतिरोधक कोशिकाएं नहीं थी वो अपने विरोधी को समझ कर अपने आप को इस सक्षम बना लेती थी कि उसका काट तैयार कर सके। तेजस का शरीर धीरे धीरे इस जहर का अध्यन कर रहा था और उसकी काट बनाने में लगा हुआ था। तेजस को अपनी लैब में लाकर शायद औरक्षो ने बहुत बड़ी गलती कर दी थी।

इधर औरक्षो इस बात से बेखबर था कि तेजस का शरीर शायद कुछ घंटो में ही इस जहर की काट बना लेगा। धीरे धीरे उसका शरीर शायद तेजस को ऊर्जावान भी कर दे, फिर ये चेन पता नहीं इतनी शक्तिशाली थी भी या नहीं जो तेजस को रोक पाए।

औरक्षो अपनी रिसर्च पर लगा हुआ था तभी वहां स्वप्रिल आ गया।

'मैंने उस बीटा हेप्टेड व्यापारी से बात कर ली है, वो आपको बाकि बचा हुआ कन्साइनमेंट भिजवा रहा है। अभी थोड़ी देर में आपको मिल जायेगा।'

'क्या बात है। तुमने पांच सो करोड़ देणार की व्यवस्था कर ली' औरक्षो बेहद खुश होते हुए बोला।

'हाँ'

'परन्तु कैसे। पूरी फ्लेशी प्रॉपर्टी को बेच कर भी हम कुछ दो सो करोड़ देणार ही जुटा पाए थे।' औरक्षो बोला।

'आपका ये बीटा हेप्टेड का व्यापारी ना सिर्फ एस्ट्रोस्पेस के इक्विपमेंट बेचता है अपितु उसे हथियारों की भी बहुत अच्छी जानकारी है।'

'मैं कुछ समझा नहीं।' औरक्षो बोला।

'उसे एक ऐसे हथियार में दिलचस्पी थी जो सूर्य की ऊर्जा से चार्ज हो और साथ ही ह्यूमन बॉडी के टच से भी चार्ज हो जाये।' स्वप्रिल बोला। फिर उसने औरक्षो के पास आकर आगे बोला, 'एक ऐसा हथियार जो जिसके भी हाथ में उसके ब्रेन से कनेक्ट हो जाये और ब्रेन से ही सिग्नल पाकर अपने टारगेट पर हमला कर दे।'

औरक्षो को अब समझ आ गया था कि स्वप्रिल किस हथियार की बात कर रहा था। वो फिर भी चुप रहा।

'एक ऐसा हथियार जिसके गामा रेज़ बर्स्ट (gama rays burst) की रेंज तकरीबन एक किलोमीटर तक की हो और जो एक किलोटन जितना विशालकाय एक्सप्लोजन तक कर सके'

'और जो एक साथ पांच अलग अलग टारगेट को नष्ट कर सके' औरक्षो ने स्वप्निल की बात हस्ते हस्ते पूरी कर दी।

'बिलकुल' स्वप्निल ने आँख मारते हुए कहा।

'तो क्या पञ्चास्त्र पांच सो करोड़ देणार के बराबर है।' औरक्षो के आश्चर्य की सीमा ना रही।

'मुझे भी नहीं पता था। मैं तो बीटा हेप्टेड के उस व्यापारी को पञ्चास्त्र और तेजस का सौदा करने गया था। मुझे लगा इस तेजस के अंग बेच बाच के कुछ पैसा तो मिलेगा।'

'क्या बात है स्वप्निल तुम तेजस को ही बेचने चले थे।'

'हाँ डॉक्टर औरक्षो। सभी लोगों को पता हैं की तेजस कोई साधारण ऐंजलन नहीं है। ऐसा ऐंजलन हज़ारो वर्षों में एक बार होता है। तेजस बीमार नहीं पड़ता, वो बिना खाये पीये वर्षो जीवित रह सकता है। वो किसी जेट प्लेन के जितना तेज उड़ सकता है। वो कई किलोमीटर दूर तक देख सकता है। तकरीबन 100 किलो वजनी पञ्चास्त्र जब उसके हाथ में होता है तो पञ्चास्त्र कुछ घंटे में ही फुल चार्ज हो जाता है वरना पञ्चास्त्र को कुछ दिनों तक सोलर किरणों के एक्सपोज़र में रखना पड़ता है।'

'क्या बात है स्वप्निल तुम तो तेजस के फैन हो गए। भूलो मत इसने फ्लेशी औरतों और बच्चो को भी नहीं छोड़ा है' औरक्षो ने बिलकुल ही घृणित स्वर में कहा।

'नहीं मैं इसका फैन नहीं हूँ। स्वप्रिल ने कंप्यूटर स्क्रीन पर देखते हुए कहा। वहां तेजस का आधा बेहोश शरीर जो दर्द और जहर के असर के कारण कराह रहा था, उसका फुटेज डिस्प्ले हो रहा था।

'फिर'

'बस डॉक्टर औरक्षो इसकी स्टडी कर ली थी ताकि मैं इसे बेच कर कुछ सो दो सो करोड़ देणार की व्यवस्था कर लूँ।'

'और तुम्हरे हाथ पूरे पांच सो करोड़ देणार लग गए, पञ्चास्त्र बेच कर।'

'हाँ। डॉक्टर औरक्षो। मुझे नहीं पता था की पञ्चास्त्र इतना कीमती है।'

औरक्षो अब अति उत्साह से भर गया था। उसे अपना सुपर राकेट डायना पूरा करना था। बीटा हेप्टेड व्यापारी ने अपने वादे के मुताबिक वो सारे सामान दे दिए थे, और पञ्चास्त्र लेकर वहां से निकल गया था।

&

अध्याय बारह - सुपर राकेट डायना

औरक्षो को बस इन सामग्री का ही इंतज़ार था। उसकी सूची में छोटे बड़े कुछ दस लाख पुर्जे थे। उस व्यापारी ने उस उचित मात्रा में एल्युमीनियम, मैग्निसियम टाइटेनियम, कॉपर, बेरेलियम, टंगस्टन, मेलिब्डेनम आदि हर प्रकार की धातु दे दी थी। साथ ही वो यांत्रिकी का सामान और मशीन जिनसे वो इन विभन्न धातुओं और उनके सम्मिश्रण से उचित हार्डवेयर बना रहा था जिसकी डायना को आवश्यकता थी। उसके पास वो सॉफ्टवेयर और वो रोबोट भी आ गए थे जिसकी उसे आवश्यकता थी। क्वांटम कंप्यूटिंग की दुनिया में जो भी सबसे आवश्यक है वो सारी सामग्री औरक्षो के पास उपस्थित थी।

उसने सारी तैयारी पहले ही कर रखी थी और धीरे धीरे इन सामग्री और उन मशीनों ने अपना काम चालू कर दिया। औरक्षो इतना विकसित दिमाग का मालिक था कि जो राकेट बाकि कोई शायद कुछ महीने में बनाते उसने एक ही दिन में बना लिया था। इस सुपर राकेट डायना को जल्द से जल्द बनाने की लिए वो अथक लगा हुआ था।

उस समय औरक्षो को खुद को नहीं पता था कि ये सुपर राकेट डायना जिसमे केयूर की प्राण प्रतिष्ठित मूर्ति की एनर्जी होगी क्या क्या कारनामे कर देगी। यदि वो ये राकेट - ये सुपर राकेट डायना को अभी नहीं छोड़ता, या किसी तरह तेजस उसे रोक ले, तो ना सिर्फ ये इरीट्रिया का भविष्य बदलने वाला होता अपितु इरीट्रिया से एक हज़ार प्रकाश वर्ष दूर Xor की भी नियति बदल देता।

सुपर राकेट डायना जिसमे ना सिर्फ केयूर की मूर्ति ईंधन के रूप से प्रविष्ट करने वाली थी अपितु केयूर का शायद कोई अंश भी उसमे प्रतिष्ठित होने वाला था क्योंकि डायना ना सिर्फ प्रकाश गति से अति तेज उड़ेगी अपितु एक

ब्लैकहॉल और वर्महोल जो तकरीबन तीस प्रकाश वर्ष दूर हैं उसमे भी क्वांटम एन्टेंगलमेंट की जरिये संपर्क स्थापित कर देगी। शायद राल्फ को मृत्यु से भी केयूर ही बचाएंगे। केयूर का कहर शायद डायना की जरिये ही पूरा होने वाला था।

इन सब घटनाओं से बेखबर राल्फ अपनी ही परेशानियों में उलझा हुआ था।

राल्फ धीरे धीरे उस ब्लैक होल में समा रहा था। उसका स्पेसशिप उस अत्यधिक दबाव से धीरे धीरे नष्ट हो रहा था। राल्फ अपने स्क्रीन पर अभी भी वो कॅल्क्युलेशन्स देख रहा था जो उसे उस ब्लैक होल में समाते हुए उसका स्पेसशिप भेज रहा था। राल्फ को पता था वो एक निश्चित मौत की तरफ बढ़ रहा था। परन्तु फिर भी उसने अपना धैर्य नहीं खोया था।

उसके सामने कंप्यूटर स्क्रीन पर उस ब्लैक हॉल की कुछ कॅल्क्युलेशन्स आ रही थी। वो टेम्परारी ब्लैकहोल कुछ तीस प्रकाश वर्ष दूर एक नेचुरल वर्महोल से क्वांटम ऍनटेंगलमेंट के जरिये जुड़ गया था।

'यहाँ से तीस प्रकाश वर्ष दूर एक नेचुरल वर्महोल है।' राल्फ ने अपने मातहत को कहा।

उसका मातहत कुछ भी सुनने की स्थिति में नहीं था। वो बुरी तरह से घबरा चुका था। उसकी निश्च्ति मौत उसे दिख रही थी। उनका स्पेसशिप उस ब्लैक होल में जा रहा था। उसके पास राल्फ की इन फालतू बातों के लिए समय नहीं था। वो इतनी बुरी मौत और इतनी जल्दी नहीं मरना चाहता था।

इससे पहले राल्फ कुछ और समझता उसके स्क्रीन पर एक अजीब सा कोड आया और उसका स्पेसशिप उस वर्महोल में चला गया। राल्फ को पता ही नहीं चला कि कब उसने इस क्वांटम ऍनटेंगलमेंट के कारण ये तीस प्रकाश वर्ष की दुरी शायद एक ही पल में पूरी कर ली और इससे पहले वो कुछ और समझता एक बेहद तेज राकेट आकर उससे ब्लास्ट हो गया।

एक तेज धमाका हुआ और राल्फ का स्पेसशिप उस भिड़ंत के कारण पुनः उस टेम्परारी ब्लैकहोल में आ गया जो उसके हथियार *महा-विवर* के कारण उत्पन्न हुआ था।

राल्फ का स्पेसशिप उस ब्लैकहोल से बाहर आ गया क्योंकि उसके हथियार *महा-विवर* का ईंधन ख़तम हो गया था।

'ये क्या हुआ ' राल्फ ने अपने मातहत से पूछा।

वो पूरी तरह विस्मित था। उसे समझ नहीं आ रहा था की वो जीवित है या मृत। आखिर ये सब कुछ इतना तेजी से हुआ की राल्फ के मातहत के समझ से परे थे।

राल्फ ने अपने स्पेसशिप को कुछ कमांड दिए और उसने देखा एक राकेट उसके स्पेसशिप के साथ एटेच हो गया था। ये राकेट कहाँ से आया था।

उससे भी पहले राल्फ को समझना था कि आखिर हुआ क्या था। राल्फ ने अपने एक अन्य स्पेसशिप को जो अभी Xor के सौरमंडल में था, उसे मैसेज भेजा।

'फॉरेन मेरे पास आ जाओ। माय स्पससेशिप इस डैमेज्ड (my spaceship is damaged)' राल्फ ने मैसेज भेज दिया। उसे पता था उसके मैसेज को उस स्पेसशिप तक पहुँचने में समय लगेगा और उस स्पेसशिप को उसके पास आने में अभी और भी ज्यादा समय लगने वाला था।

राल्फ ने अपने स्पेसशिप के डाटा की स्टडी करनी चालू कर दी और धीरे धीरे उसको सब कुछ समझ आ गया था।

उसने अपने मातहत को कहा 'तुम्हें दिखा ये' राल्फ ने अपने कंप्यूटर स्क्रीन पर इशारा करते हुए कहा।

उसका मातहत अभी भी शॉक में था।

'तुम किसी काम के नहीं हो' राल्फ चीखा।

उसका मातहत अभी अभी मृत्यु को इतना करीब देखकर आया था। उसे कुछ और नहीं सूझ रहा था। वो बस अपने घर जाना चाहता था। आइवीश चन्द्रमा जो आउटर बॉय नामक ग्रह के चक्कर लगाता था।

राल्फ ने समझ लिया उसका मातहत अभी उस फ्रेम ऑफ़ माइंड में नहीं है कि उसकी बातें समझ सके, परन्तु उसे ये सब समझाना होगा।

'क्या तुम्हे इस स्पेसशिप से बाहर धक्का दे दूँ' राल्फ चीखा।

उसका मातहत थोड़ा सा संजीदा हुआ और अपने आप को सावधान मुद्रा में दिखाने का प्रयास करने लगा।

'तुम समझे क्या हुआ'

मातहत ने ना में सर हिला दिया।

'हमारे हथियार *महा-विवर* ने एक टेम्परारी ब्लैक हॉल क्रिएट कर दिया था। परन्तु वो ब्लैकहोल यहाँ से कुछ तीस प्रकाश वर्ष दूर एक नैचुरली क्रिएटेड वर्महोल (naturally created wormhole) से क्वांटम एन्टेंगल (quantum entangle) हो गया।'

उसका मातहत समझने की कोशिश कर रहा था परन्तु उसके दिमाग में बस उसकी मौत से वो कैसे बचा वो ही घूम रहा था।

'इसका मतलब हम चाहे तो ऐसे प्रकाश वर्षों की दुरी कुछ पल में पूरी कर ले'

'जी'

'तुम नीरे मुर्ख हो'

राल्फ का मातहत चुप हो गया।

'हमारा ये हथियार *महा-विवर* फेल हो गया है।'

'जी'

'हाँ। हम इस एन्टेंगलमेंट में इसलिए नहीं फसे क्योंकि इस हथियार ने ठीक काम किया। इसका टेम्परारी ब्लैक हॉल कुछ था ही नहीं। बस इसने कुछ

समय के लिए कृत्रिम दबाव उतपन्न किया। जो शायद लिवायथन गैलक्टिका शिप्स के लिए पर्याप्त नहीं है'

'फिर सर हम ब्लैकहोल में गए और वर्महोल में और एक राकेट का हम पर हमला वो क्या था'

'वो ही कह रहा हूँ मुर्ख। ये देख ये राकेट किसी एलियन सभ्यता का है जिसका हमें अभी पता नहीं। इस राकेट का ईंधन अन्तियम बेहद श्रेयस्कर है। इसने ही वो एन्टेंगलमेंट उतपन्न किया और इसी ने हमें बचाया।'

मातहत को कुछ ज्यादा समझ नहीं आ रहा था। परन्तु उसे ये समझ आ गया था कि किसी एलियन सभ्यता ने एक राकेट भेजा था जो उस नैचुरली क्रिएटेड वर्महोल की दूसरी ओर थी। उस राकेट में उच्च कोटि का अन्तियम था और उसने उस वर्महोल और इस हथियार *महा-विवर* से उतपन्न टेम्परारी ब्लैकहोल को किसी प्रकार कनेक्ट कर दिया क्योंकि वो प्रकाश गति से शायद लाखों गुना तेजी से उड़ रहा था। कुछ मिनटों में ही उस राकेट ने तीस प्रकाश वर्ष की दुरी तय कर वर्महोल और ब्लैक होल को जोड़ दिया। शायद वो लोग उस ब्लैकहोल में ही थे और कभी वर्महोल तक नहीं गए बस उस राकेट जो उनसे भिड़ा था उसने उन्हें ऐसा आभास दे दिया था।

'और ये राकेट ही है जो यदि हमसे नहीं भिड़ता तो हम उस ब्लैक होल से बाहर नहीं आ पाते।' राल्फ बोला।

'परन्तु ये राकेट कहाँ से आया'

'हाँ। यह है मैन क्वेश्चन (main question)। इस राकेट का ईंधन तो अविस्मरणीय है। ये हमें मिल जाये तो हम मैर्केल को बड़े आराम से हरा देंगे'

मातहत ने हामी में सर हिलाया।

उस एलियन राकेट का ईंधन अब ख़तम हो गया था और वो उनके स्पेसशिप से टकरा गया था और उसी का एक भाग बन गया था। राल्फ का दूसरा स्पेसशिप वहां आ गया और उसकी मदद से राल्फ ने उस राकेट का सारा डेटा स्टडी कर लिया था। राल्फ ने इरीट्रिया ग्रह की खोज कर ली थी और अब उसे किसी भी तरह से वहां से ये बेहद शक्तिशाली अन्तियम हासिल करना था।

इस राकेट ने ना सिर्फ उसकी जान बचायी थी परन्तु उसको अपने जीवन का एक लक्ष्य भी दे दिया था। जहाँ एक और इस सुपर राकेट डायना ने राल्फ को अपने जीवन का मकसद दे दिया था, इस सुपर राकेट डायना के लांच ने किसी के जीवन का मकसद ही छीन लिया था।

राल्फ को नहीं पता था कि औरक्षो और स्वप्निल ने किस प्रकार इस राकेट को लांच किया था जिसने ना सिर्फ उसकी जान बचायी अपितु उसे इरीट्रिया ग्रह के बारे में बता भी दिया।

इस सुपर राकेट डायना के लांच होने की घटना को इस कहानी के आखरी अध्याय में जानते हैं।

&

अंतिम अध्याय - महासंकट

अंजनी जैसे ही तेजस के घर पहुंची उसे दो लोगों ने पकड़ लिया और फॉरेन भरत के सामने पेश कर दिया।

'तू बहुत ही दुस्साहसी है' भरत बोला।

अंजनी घबराई हुई थी 'आप क्या बोल रहे है महामहिम'

'झूट मत बोल, वरना तुझे इतना तड़पाऊंगा की तेरी रूह तक काँप जाएगी' भरत चीखा।

अंजनी को समझ आ गया था कि भरत को सब पता चल गया, परन्तु कैसे।

'तूने तेजस का कंप्यूटर और कम्युनिकेशन डिवाइस हैक किया। इतना दुस्साहस'

अंजनी चुप ही रही। उसे समझ नहीं आ रहा था कि भरत को ये सब इतनी जल्दी कैसे पता चल गया।

'तुझे शायद पूरी कहानी पता नहीं है। कोई बात नहीं। बस मुझे उस आदमी का पता बता जिसने तुझसे ये करवाया।' भरत चीखा।

अंजनी कुछ सोच में पड़ गयी। तभी भरत ने अपने उन दोनों ऐंजलन सिपाहियों को कुछ इशारा किया, ये वो ही दो सिपाही थे जो उसे भरत के पास लेकर आये थे। उन दोनों ने अंजनी को कस कर एक एक चांटा मार दिया।

अंजनी जो कुछ दिनों पहले तेजस की क्रूरता का शिकार हुई थी और अस्पताल से डिस्चार्ज हो कर आयी थी और बहुत कमजोर थी। उन दो ऐंजलन सिपाहियों के वो एक एक चांटा उसके मुँह पर ऐसा था जैसे किसी ने हथोड़े से उसे मारा हो। वो जमीन पर गिर गयी और उसके मुँह से खून बहने लगा।

'वो स्वप्निल नाम का एक फ्लेशी है' अंजनी कराहते हुए बोली।

'तूने तेजस के साथ क्या किया' भरत गुर्राया।

'मुझे स्वप्निल ने कहा था कि मैं बोटुलिनम टोक्सिन की बड़ी मात्रा एकत्रित करु। मैंने किसी तरह उसे एकत्रित कर लिया और औरक्षो के मकान पर तेजस को एक इंजेक्शन के जरिये वो जहर दे दिया।' अंजनी दर्द में कराहते हुए बोली। परन्तु तेजस को जहर देना की एक संतुष्टि उसके चेहरे पर थी।

'फिर वो तेजस को कहाँ लेकर गया।' भरत ने गुस्से से पूछा।

'वो मुझे नहीं पता' अंजनी बोली।

तभी भरत के सिक्योर कम्युनिकेशन डिवाइस पर एक फोन बजा। वो उसके प्राइवेट असिस्टेंट का था। भरत ने उन दोनों सिपाहियों को इशारा किया कि ये फ्लेशी स्त्री अब उन दोनों की प्रॉपर्टी है वो इसके साथ जो चाहे वो कर सकते है और अपने चैम्बर में चला गया।

अंजनी को उन दोनों ऐंजलन सिपाहों ने देखा और बेहद भद्दे तरीके से बोले 'जो तेजस को मज़े दिए हैं वो हमें भी दे दो' और वो दोनों बहुत जोर से हसने लगे।

अंजनी को पता था की उसका जीवन अब समाप्त ही होने वाला था। बस वो यह ही प्रार्थना कर रही थी कि सुपर राकेट डायना को डॉक्टर औरक्षो लांच कर दे। जो औरक्षो कर भी देगा परन्तु उसके लिए अंजनी ने एक बहुत ही बड़ी कीमत चुकाई थी। उन दोनों सिपाहियों ने एक ही झटके में अंजनी के वस्त्रों को तार तार कर दिया और उसके बाद सिर्फ अंजनी की चीखे ही सुनाई दी।

इधर भरत अपने चैम्बर में पहुंच गया और उसके असिस्टेंट ने फोन पर उससे कहा 'सर हमने उस स्वप्निल को पकड़ लिया है और आपके पास ला रहे हैं।'

'वैरी गुड। तुमने वो नंबर ट्रेस कर लिया था क्या।'

'नहीं सर। वो तो ये स्वप्निल बहुत चालाक था। इसने सिक्योर कम्युनिकेशन का प्रयोग किया जिसे ट्रेस नहीं किया जा सकता था। परन्तु हमें एक फ्लेशी डॉक्टर ने ही खबर दी थी कि ये चोर उनके यहाँ रुका हुआ है। उसने इस स्वप्निल को डॉक्टर औरक्षो से बात करते हुए सुन लिया था।'

‘और उसने तुम्हे खबर कर दी।‘ भारत गंभीर स्वर में कुछ सोचते हुए बोला।

'हाँ सर और उसने ही हमें उसकी खबर दी थी। हमने उस चोर स्वप्निल को उसके घर से पकड़ लिया। उसकी कोई बहन भी थी'

'उसे भी पकड़ लिया' भरत ने पूछा।

'नहीं सर। वो वैध कह रहा था कि उसकी बहन को कुछ नहीं पता उसे उसके पास ही छोड़ देने की विनती कर रहा था।'

'तो तुमने उसकी बहन को उस वैध के पास ही छोड़ दिया।'

'जी, उसने इसी शर्त पर ये जानकारी दी थी कि उसकी बहन को हम उसी के पास छोड़ देंगे।'

'ठीक है। इस स्वप्रिल को लेकर मेरे पास आओ' भरत ने रोबदार अंदाज में कहा।

उसका ध्यान अब उन चीखों पर जा रहा था जो पास के कमरे से आ रही थी। उस अंजनी को उसकी करनी की अच्छी सजा मिल रही थी। भरत ने फिर एक फोन और लगाया।

भरत के कस्टम इंचार्ज ने फोन उठाया 'कुछ बताया उस स्मगलर ने'

'नहीं सर ज्यादा नहीं। उसे ज्यादा नहीं पता। हाँ वो व्यापारी जो पञ्चास्त्र के साथ पकड़ा गया था उसने डॉक्टर औरक्षो को पञ्चास्त्र के बदले पांच सो करोड़ देणार की स्पेस इक्विपमेंट और बाकि सामग्री दी थी।' कस्टम इंचार्ज बोला।

'क्या पांच सो करोड़ देणार। बहुत बड़ी राशि है ये तो'

'और यह ही नहीं सर उसने हमें कोई एड्रेस बताया जहाँ उसे ये पञ्चास्त्र दिया गया था परन्तु वहां पर कुछ नहीं मिला। किसी लड़के ने उसे ये पञ्चास्त्र

दिया था और बदले में उसने औरक्षो को पांच सो करोड़ देणार के स्पेसशिप इक्विपमेंट दिए।' कस्टम इंचार्ज बोला।

'परन्तु वो इक्विपमेंट कहाँ पहुंचाए।' भरत ने पूछा। जहाँ वो इक्विपमेंट होंगे वो ही जगह होगी जहाँ वो लैब होगी।

'वो इक्विपमेंट तो कह रहा है केयूर के गति मंदिर में पहुंचाए थे।'

'क्या केयूर के मंदिर में' भरत पूरी तरह कंफ्यूज हो गया।

उसने फोन काट दिया। भरत अपनी ही सोच में पड़ गया। तेजस औरक्षो के घर जाता है और वो रजिस्ट्रार भी उसके पीछे पीछे वहां पहुँचता है। वो ये देख लेता है कि तेजस को स्वप्निल अपहरण करके ले जा रहा था। वो रजिस्ट्रार ऐंजलन के नाम पर धब्बा था। उसने एक तुच्छ फ्लेशी को रोकने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह ही कहता रहा की जो तेजस को मार सकता है उसे भी मार सकता है। मुर्ख कहीं का।

उसने अंजनी के भी वहां होने की और एक बहुत बड़े इंजेक्शन के होने की बात बताई। पुलिस वहां पहुंची तब तक स्वप्निल गायब हो गया था। वो कहाँ गया पता नहीं चला। अब भरत को समझ आ गया था की वो केयूर के मंदिर गया होगा। क्योंकि पूरे सर्न शहर में अफरा तफरी है बस केयूर के गति मंदिर को लोग अभिशापित मानते हैं अब और कोई वहां नहीं जाता।

परन्तु वहां पर ऐसी कोई लैब बनाना तो आसान नहीं था। इसका मतलब उस मंदिर के अंदर से ही कोई रास्ता इन लोगों ने बना लिया है जो उस लैब तक पहुँचता है। इसीलिए वो स्वप्निल तेजस को नहीं मिला। वो उस मंदिर के अंदर से ही किसी रास्ते से लैब तक पहुँच गया।

भरत बहुत ही शातिर था। उसकी नज़रे और बुद्धि बहुत तीव्र थी। उसने फॉरेन अपने पुलिस के इंचार्ज को फोन मिलाया 'केयूर गति मंदिर को अच्छे से खंगालो, वहां कोई रास्ता है जो किसी लैब तक लेकर जाता है। मुझे उस लैब तक पहुंचना है'

'जी सर' सामने से आवाज आयी और भरत ने अपनी कलाई पर बंधे कम्युनिकेशन डिवाइस का एक बटन दबा कर फोन डिसकनेक्ट कर दिया।

अंजनी की चीखे आनी अब बंद हो गयी थी। इसका मतलब उसे उसके उन दोनों सिपाहियों ने एक बहुत दर्द भरी मौत दे दी थी। तब तक स्वप्रिल को भी उसके सामने पेश कर दिया गया।

स्वप्रिल को शायद बहुत ही पीटा गया था। वो लहूलुहान था।

'तो तुम हो वो दुस्साहसी चोर' भरत बोला।

स्वप्रिल चुप ही रहा। उसकी आंख के पास से खून टपक रहा था।

'तुम्हारी बहन से लगता है वैध को बहुत प्रेम है' भरत कुटिलता से बोला। वो बिना बताये ही समझ गया था कि उस फ्लेशी वैध ने अपने ही फ्लेशी साथी के साथ गद्दारी क्यों की।

स्वप्रिल गुस्से और नफरत भरी नज़रो से भरत को देख रहा था।

'तुझे क्या लगता है, तू पञ्चास्त्र को बेच देगा, और हमारा कस्टम्स नहीं पकड़ पायेगा।'

स्वप्निल अभी भी चुप ही था।

'तुम लोगों ने सुपर राकेट डायना के पार्ट इसलिए आसानी से स्मगल कर लिए क्योंकि कस्टम के उन लोगों ने जिन्होंने तुम्हरे उस बीटा हेष्टेड के व्यापारी से रिश्वत खाई थी उन्हें लगा ये फालतू से पार्ट है, परन्तु पञ्चास्त्र स्मगल वो कैसे करने दे सकते थे।'

'तू हमे रोक नहीं पायेगा' स्वप्निल बोला।

भरत ने इशारा किया और एक सिपाही ने उसे जोर से चांटा मारा। स्वप्निल की कराह निकल गयी। वो ऐंजलन सिपाही का चांटा किसी हथोड़े की मार के बराबर था।

'क्यों। तू मुझे उस लैब का पता नहीं बताएगा जहाँ वो राकेट बन रहा है।'

'बिलकुल भी नहीं'

'क्या तेजस भी वहीँ है।'

स्वप्निल चुप रहा।

'मुझे लगता है वहीँ होगा।'

स्वप्निल कुछ नहीं बोला।

इससे पहले भरत कुछ बोलता उसके कम्युनिकेशन डिवाइस पर एक मैसेज आया। भरत की आँखों में चमक आ गयी।

'चल तुझे एक जगह लेकर चलता हूँ।' भरत बोला और उसने अपने सिपाहियों को कुछ इशारा किया।

भरत उड़ान भरते हुए केयूर गति मंदिर आ गया। उसके पीछे कुछ पंद्रह हथियार बंद ऐंजलन सिपाही थे। ऊपर एक हेलीकाप्टर उड़ रहा था और साथ ही वो दो सिपाही थे जिन्होंने स्वप्निल को पकड़ा था। उनमे से एक ने स्वप्निल को अपने हाथ में जकड रखा था।

'तो ये हे वो महान केयूर मंदिर जहाँ से तूने उस पवित्र मूर्ति को चुराया' भरत ने कहा।

स्वप्निल को पता नहीं था कि भरत उसे वहां क्यों लाया था। भरत उड़ते हुए फिर गर्भ ग्रह के पास गया और उसके नीचे एक जगह पर चला गया। सभी लोग उसके पीछे पीछे आ गए थे।

स्वप्निल को अब आभास हो गया था। भरत को लैब का पता चल गया था। स्वप्निल का दिल बैठ गया।

भरत ने एक बड़ा पत्थर सहज ही हटा दिया। किसी फ्लेशी के लिए वो पत्थर बहुत भारी होता परन्तु भरत के लिए वो कुछ नहीं था। उसके अंदर एक बड़ी गुफा थी। भरत उसमे घुस गया। उसके सभी सिपाही भी उसमे घुस गए। वो हेलीकाप्टर वही बाहर मंडरा रहा था।

भरत तेजी से उड़ रहा था और उसके सिपाही उसके पीछे पीछे उड़ रहे थे। जो दुरी स्वप्रिल ने बारह घंटे में पूरी की थी, वो दुरी भरत ने आधे घंटे में पूरी कर ली थी। उनके सामने थी वो गुफा जिसके अंदर वो लैब थी जहाँ औरक्षो सुपर राकेट डायना को बना रहा था।

आज भरत उस औरक्षो का किस्सा ही समाप्त कर देगा।

स्वप्रिल का दिल अब पूरी तरह बैठ गया। उसकी पूरी मेहनत बेकार होने वाली थी। फ्लेशी लोगों ने ये अत्याचार इसीलिए सहा था क्योंकि उन्हें लगा था की ये सुपर राकेट डायना उनके सन आफ गॉड को उन तक पहुंचा देगा। क्या बोफ की भविष्यवाणी गलत थी या उनकी श्रद्धा में कमी रह गयी थी। स्वप्रिल हताश और उदास हो गया था।

औरक्षो अंदर अपने केबिन में था और सुपर राकेट डायना का लास्ट चेक कर रहा था। वो पूरी तरह से संतुष्ट था और उसने ईंधन को पहुँचाने का कमांड दे दिया था। केयूर की मूर्ति अब एक प्रोसेस के तहत सॉलिड से लिक्विड में बदल रही थी। औरक्षो पूरी तरह से अपने कॅल्क्युलेशन्स में उलझा हुआ था की धाड़ करके उसके केबिन का दरवाजा टूट कर नीचे गिर गया।

तेजस वहां पर था। उसके पीछे भरत और स्वप्रिल और बाकि भरत के सैनिक थे। भरत ने तेजस को उस चैन से आज़ाद करा दिया था और तेजस के शरीर ने उसमे से वो जहर निकाल दिया था। तेजस अपने आप ही ठीक हो जाता था।

तेजस ने औरक्षो को गर्दन से उठा लिया 'क्रूर पापी कहाँ है महान केयूर की मूर्ति'

औरक्षो ने आँखों ही आँखों में स्वप्रिल को इशारा किया। तेजस बहुत तेजी से औरक्षो का गाला दबा रहा था। वो अब कभी भी मर सकता था।

'मैं बताता हूँ। डॉक्टर औरक्षो को छोड़ दो।' स्वप्रिल चीखा।

सभी स्वप्रिल को देखने लगे। भरत ने इशारा किया और उसके सिपाही ने स्वप्रिल को छोड़ दिया। स्वप्रिल भाग कर गया और उसने एक बटन दबाया। उस बटन ने एक अलमारी को खोल दिया। जहाँ केयूर की मूर्ति रखी हुई थी।

तेजस ने उस मूर्ति को देखा। 'नहीं' उसकी चीख निकल गयी। भरत की आँखे भी फटी की फटी रह गयी।

वो मूर्ति धीरे धीरे सॉलिड से लिक्विड बन रही थी। स्वप्रिल ने जो बटन दबाया था वो उस प्रोसेस को चालू करने के लिए था। वो ही आखरी स्टेप था, इससे अब ये लिक्विड रूपी ईंधन सुपर राकेट डायना के अंदर जा रहा था। इस ईंधन के पूरी तरह से जाने के बाद अपने आप ही वो राकेट प्रक्षेपित हो जायेगा।

औरक्षो को चूँकि तेजस ने उस समय अपने हाथ में उठा रखा था इसलिए औरक्षो ने स्वप्रिल को इशारा किया।

कुछ पलों में ही केयूर की चार फुट की मूर्ति तरल पदार्थ में बदल गयी और इससे पहले भरत, तेजस और वो सिपाही इस शॉक से बाहर आते वो तरल पदार्थ उस राकेट में चला गया जो कहीं बहुत दूर खड़ा हुआ था।

तेजस की आँखों में अत्यधिक गुस्सा आ गया। 'सर्वदेवस्य नाम्रा' औरक्षो अकस्मात बोल उठा। तेजस का ध्यान औरक्षो की ओर गया। उसने उसे फिर से

गर्दन से उठा लिया। 'मुर्ख यदि इस मूर्ति को निष्प्राण नहीं किया गया तो ये पूरे इरीट्रिया से बदला लेगी। फॉरेन उस तरल पदार्थ को वापस लेकर आ जा'

तेजस ने स्क्रीन पर जो काला तरल पदार्थ सुपर राकेट डायना में जा रहा था उसे देखते हुए कहा।

'नहीं' औरक्षो ने ना में सर हिलाया।

'क्या हम इसे तोड़ नहीं सकते' भरत ने अपने सिपाहियों से कहा।

उन्होंने उस पर अंधाधुन्द फायरिंग चालू कर दी।

'मूर्खों' स्वप्निल बोला। यहाँ सिर्फ इमेजेज (images) दिख रही है। ये राकेट तो यहाँ से कहीं दूर है। पहाड़ियों पर।'

'क्या' भरत की आँखे फटी की फटी रह गयी।

'हाँ। और अब राकेट लांच हो गया है। ये ईंधन इसमें जा चुका है'

सिपाहियों ने फायरिंग रोक दी। वो सब लोग अब कुछ नहीं कर सकते थे। उन सबके सामने उस सुपर राकेट डायना ने उड़ान भर ली थी। तेजस केयूर की मूर्ति को निष्प्राण नहीं कर पाया था। इसलिए वो राकेट ऐसे वेग को पा सका जो शायद केयूर का वेग होगा। वो कुछ ही समय में वर्महोल को पार करता हुआ राल्फ के स्पेसशिप से टकराया।

सुपर राकेट डायना ने केयूर की प्राण प्रतिष्ठित मूर्ति के कारण शायद वर्महोल और उस टेम्परी ब्लैकहोल जो *महा-विवर* हथियार ने उतपन्न किया था

उसमे एक क्वांटम एन्टेंगलमेंट स्थापित कर दिया। इस कारण ना सिर्फ राल्फ को उस वर्महोल की जानकारी मिली थी अपितु वो अपने ही *महा-विवर* हथियार के जद में आकर एक बहुत बुरी मौत को टाल पाया था।

केयूर की प्राण प्रतिष्ठित मूर्ति का सारा ईंधन इस सब में खर्च हो गया था परन्तु इसने राल्फ को इरीट्रिया का पता बता दिया था। क्योंकि इस राकेट में इरीट्रिया की पूरी जानकारी थी और साथ ही वो सारी अन्तियम की मूर्तियां जो फ्लेशी लोगों ने अलग अलग जगह से चुराई थी।

इस प्रकार स्वप्रिल और औरक्षो के संकल्प ने उनका राकेट राल्फ तक पहुंचा दिया। तेजस को अंजनी के ऊपर किये महापाप के लिए केयूर ने दंड दिया और उसे अपने आप को निष्प्राण नहीं करने दिया। तेजस अब जीवन भर इसी कुंठा में जियेगा कि वो फ़ैल हो गया।

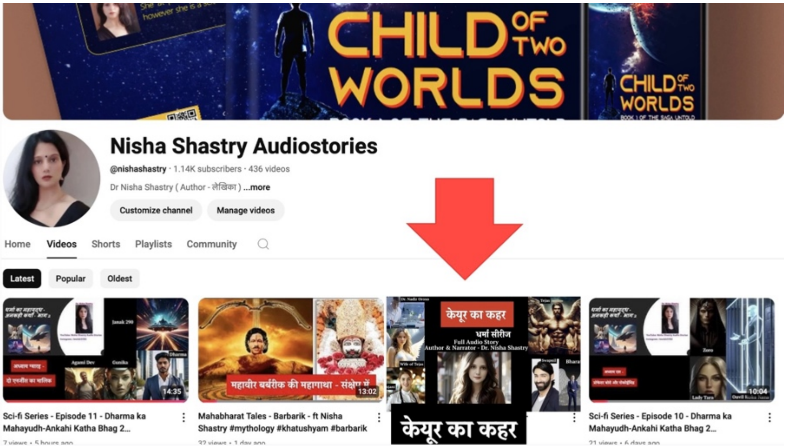
भरत भी पहली बार डर गया था। क्या वाकई अब केयूर का कहर इरीट्रिया झेलेगा।

&

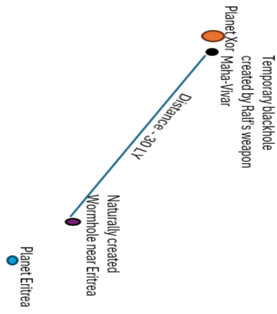
समाप्त

उपसंहार

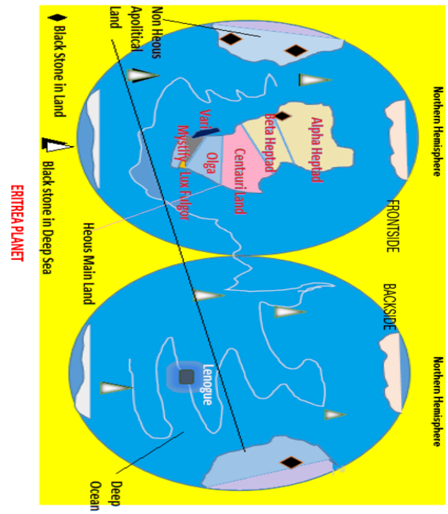
इस प्रकार से केयूर का कहर कारण बना राल्फ के इरीट्रिया के बारे में जानने का और Xor का इरीट्रिया पर कब्ज़ा करने का। Xor ने इरीट्रिया पर कैसे कब्ज़ा किया इसके लिए पढ़िए धर्मा सीरीज की साइंस फिक्शन कहानी दो दुनिया का वारिस - अनकही कथा भाग एक जो अमेज़न पर उपलब्ध है और इसकी ऑडिओस्टोरी आप सुन सकते है मेरे यूट्यूब चैनल निशा शास्त्री ऑडियो स्टोरीस पर।



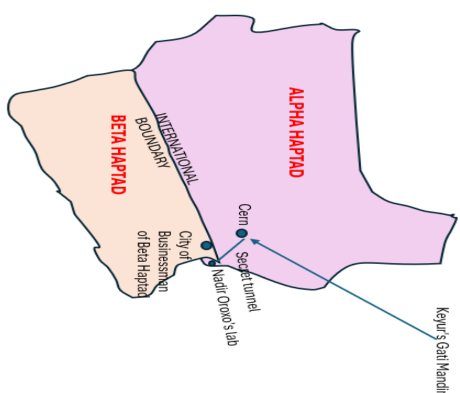
इरीट्रिया का नक्शा



Temporary blackhole
created by Ralf's weapon
Planet Xor
Maha-Vivar
Distance - 30 Ly
Naturally created
Wormhole near Eritrea
Planet Eritrea



Northern Hemisphere
FRONTSIDE
BACKSIDE
Northern Hemisphere
Alpha Heptad
Beta Heptad
Centauri Land
Olga
Vari
Mystify
Lux Fulgor
Lenogue
Non Heous
Apolitical
Land
Black Stone in Land
Black stone in Deep Sea
Heous Main Land
Deep
Ocean
ERITREA PLANET



ALPHA HAPTAD
BETA HAPTAD
INTERNATIONAL
BOUNDARY
Cern
City of
Businessman
of Beta Haptad
Secret tunnel
Nadir Oroxo's lab
Keyur's Gati Mandir

केयूर का कहर
साइंस फिक्शन स्टोरी
(धर्मा सीरीज)



डॉक्टर निशा शास्त्री साइंस फिक्शन और थ्रिलर मिस्ट्री में बहुत रूचि लेती हैं। डॉक्टर शास्त्री ने कई उपन्यास लिखे है और वो पिछले तकरीबन चार वर्षो से बेंगलुरु स्थित एक आई टी कंपनी में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के पद पर कार्यरत हैं। डॉक्टर शास्त्री को Delhi Wire के द्वारा वर्ष 2024 का Top 50 most influential author के अवार्ड से सम्मानित भी किया गया है। इनकी साइंस फिक्शन उपन्यास को मिड–डे अख़बार ने मस्ट रीड उपन्यास भी बतलाया है।

Rs. 201/-

उपन्यास

राजमंगल प्रकाशन

eBook Available

ISBN : 978-93-48578-98-3

9 789348 578983

For Sale in the Indian Subcontinent only

www.rajmangalpublishers.com

rajmangalpublishers r_publishers